आज शनि जयंती

दैनिक सीहोर जिले का प्रथम दैनिक K ✌ K RNI No.MPHIN/2003/10309

क्षितिज ✌ किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे | सीहोर जिले, होशंगाबाद संभाग एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-23 अंक-84 सीहोर,शनिवार 16 मई 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णाकान्त सक्सेना

'भोजशाला मंदिर है'

हाईकोर्ट का बड़ा फैसला, नमाज की अनुमति से जुड़ा आदेश रद्द

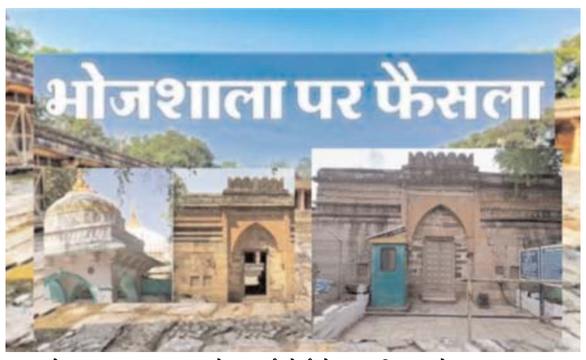

भोपाल(ए.)। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने धार स्थित भोजशाला पर बड़ा फैसला सुनाते हुए परिसर को मंदिर करार दिया है। शुक्रवार को जस्टिस विजय कुमार शुक्ला और जस्टिस आलोक अवस्थी की बेंच ने उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें मुसलमानों को भोजशाला परिसर पर नमाज की इजाजत दी गई थी। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर बेंच ने भोजशाला परिसर को मां वाग्देवी (सरस्वती) का प्राचीन मंदिर माना। इसके साथ ही, अदालत ने हिंदू पक्ष के दावे को स्वीकार किया। कोर्ट ने कहा कि इस इमारत का धार्मिक स्वरूप एक मंदिर का है और मुसलमान मस्जिद के लिए किसी दूसरी जगह जमीन के लिए अर्जी दे सकते हैं। कोर्ट ने अपने फैसले में कहा, भोजशाला परिसर और कमल मौला मस्जिद का विवादित इलाका एक संरक्षित स्मारक माना गया है। भोजशाला परिसर और कमल मौला मस्जिद के विवादित इलाके का धार्मिक स्वरूप भोजशाला का है, जिसमें देवी सरस्वती का मंदिर है।कोर्ट ने पाया कि इस जगह पर देवी सरस्वती को समर्पित एक मंदिर था और ऐतिहासिक साहित्य से यह साबित होता है कि यह जगह संस्कृत सीखने का एक केंद्र थी। अदालत ने उन याचिकाओं पर यह आदेश पारित किया, जिनमें भोजशाला परिसर को हिंदुओं के लिए वापस दिलाने और मुसलमानों को इसके परिसर में नमाज पढ़ने से रोकने की मांग की गई थी। हाईकोर्ट के फैसले पर एडवोकेट विष्णु शंकर जैन ने मीडिया से बात करते हुए कहा, भोजशाला केस में हाईकोर्ट का बहुत अहम और ऐतिहासिक फैसला आया है। कोर्ट ने भोजशाला परिसर को एक हिंदू मंदिर का परिसर घोषित किया है। कोर्ट ने हिंदुओं को पूजा-पाठ करने का अधिकार भी दिया है।

विधिसम्मत ढंग से विदेश से वाग्देवी की प्रतिमा लाने की होगी पहल : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल, (निप्र)। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने धार की ऐतिहासिक भोजशाला के संबंध में शुक्रवार को उच्च न्यायालय द्वारा सुनाए गए निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि ऐसे स्थान के गौरव को पुन: स्थापित करने के उद्देश्य से विधिसम्मत तरीके से विदेश से वाग्देवी की प्रतिमा लाने का प्रबंधन किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने धार जिले की ऐतिहासिक भोजशाला के संबंध में बरसों पुराने प्रकरण में उच्च न्यायालय द्वारा दिए गए निर्णय पर प्रसन्नता व्यक्त की है। उन्होंने इसे प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत, आस्था और इतिहास के सम्मान से जुड़ा महत्वपूर्ण फैसला बताया है। मुख्यमंत्री ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि उच्च न्यायालय ने भोजशाला को संरक्षित स्मारक और मां वाग्देवी की आराधना स्थली मानते हुए महत्वपूर्ण निर्णय दिया है। इससे श्रद्धालुओं को पूजा-अर्चना का अधिकार सुनिश्चित होगा और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के संरक्षण में भोजशाला की गरिमा और मजबूत होगी।

सुप्रीम कोर्ट ने सरकार से हवाई किराया तर्कसंगत बनाने को कहा, टिकट की कीमतों में अंतर पर चिंता जताई

नई दिल्ली (आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को केंद्र सरकार से हवाई किराए को तर्कसंगत बनाने पर विचार करने को कहा। कोर्ट ने पाया कि एक ही दिन एक ही क्षेत्र (सेक्टर) के लिए हवाई टिकट की कीमतों में बहुत ज्यादा अंतर था।

जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने कहा कि एक ही दिन, एक ही क्षेत्र में उड़ान भरने वाली एक एयरलाइन एक खास हवाई किराया लेती है, जबकि दूसरी एयरलाइन अलग हवाई किराया वसूलती है.पीठ ने केंद्र सरकार की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से कहा, इस अंतर के कारण लोगों को कुछ राहत देने का प्रयास करें. एक ही दिन, एक ही सेक्टर की उड़ानों के लिए एक एयरलाइन 8000 रुपये लेती है, जबकि दूसरी एयरलाइन इकॉनमी क्लास के लिए 18000 रुपये लेती है.मेहता ने कहा कि 2024 का नया कानून लागू हो गया है ।

महंगाई की मार : देश में पेट्रोल 3.14 और डीजल 3.11 रुपये प्रति लीटर महंगा

नई दिल्ली (ए.)। देशभर में शुक्रवार से पेट्रोल और डीजल के नए रेट जारी किए गए। राजधानी दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 3.14 रुपये प्रति लीटर बढ़ाकर 97.77 रुपये कर दी गई है, जबकि डीजल 3.11 रुपये महंगा होकर 90.67 रुपये प्रति लीटर पहुंच गया है। इस बीच, मध्य पूर्व संकट के चलते तेल कंपनियों ने सीएनजी की कीमतों में भी बढ़ोतरी की है। शुक्रवार से सीएनजी की कीमत में 2 रुपये प्रति किलोग्राम की वृद्धि हुई है। दिल्ली में सीएनजी की नई दर 79.09 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल और गैस की सप्लाई प्रभावित होने से अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड ऑयल की कीमतों में लगातार तेजी बनी हुई है। इसका सीधा असर भारतीय तेल कंपनियों और आम उपभोक्ताओं पर पड़ा है। बढ़ती लागत और भारी नुकसान के बीच सरकारी तेल कंपनियों ने आखिरकार पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी कर दी है।

सरकारी तेल कंपनियों इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम का कहना है कि महंगे क्रूड ऑयल की वजह से उन्हें भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी पहले ही संकेत दे चुके थे कि तेल कंपनियों को रोजाना 1000 करोड़ रुपये से अधिक का घाटा हो रहा है। उनका कहना था कि यदि खुदरा कीमतों में बढ़ोतरी नहीं की गई तो एक तिमाही में कंपनियों का कुल नुकसान 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो सकता है।पेट्रोलियम प्लानिंग एंड एनालिसिस सेल के अनुसार, भारतीय बास्केट में कच्चे तेल की औसत कीमत पिछले तीन महीनों से 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर बनी हुई है। अप्रैल 2026 में यह औसत 114 डॉलर प्रति बैरल रही, जबकि मई में भी कीमत करीब 104 डॉलर प्रति बैरल दर्ज की गई है। वहीं, इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीते रविवार को संकट के मद्देनजर विदेशी मुद्रा बचाने के लिए ईंधन के विवेकपूर्ण उपयोग, सोने की खरीद और विदेश यात्राओं को स्थगित करने जैसे उपाय अपनाने की अपील की थी। इस बीच रुपये में भारी गिरावट दर्ज की गई है और यह अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95 रुपये प्रति डॉलर के स्तर को पार कर गया है।

उन्नाव रेप केसः सुप्रीम कोर्ट से कुलदीप सेंगर को बड़ा झटका, रद्द हुआ हाईकोर्ट का फैसला

नई दिल्ली,(ए)। सुप्रीम कोर्ट ने उन्नाव रेप मामले में अहम फैसला सुनाकर पूर्व भाजपा विधायक कुलदीप सिंह सेंगर को बड़ा झटका दे दिया है। शीर्ष अदालत ने दिल्ली हाईकोर्ट के उस फैसले को रद्द किया हैं, जिसमें सेंगर की उम्रकैद की सजा निलंबित की गई थी। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जोयमाल्या बागची की पीठ ने मामले को नए सिरे से सुनवाई के लिए वापस उच्च न्यायालय भेज दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की अपील को स्वीकार कर दिल्ली उच्च न्यायालय को निर्देश दिया है कि वह सेंगर के दोषसिद्धि और उम्रकैद की सजा के खिलाफ दायर याचिका पर दो माह के भीतर फैसला करने का प्रयास करे। यह फैसला तब आया है जब बीते साल दिसंबर में दिल्ली उच्च न्यायालय ने सेंगर को जमानत पर रिहा करने और उनकी उम्रकैद की सजा को निलंबित करने का आदेश दिया था।

पीएम की अपील के बाद कार पूलिंग करेंगे सुप्रीम कोर्ट के जज, स्टाफ को WFH; वर्चुअल सुनवाई पर जोर

नई दिल्ली(ए.)। पश्चिम एशिया संकट के आर्थिक प्रभावों के मद्देनजर ईंधन बचाने की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील पर सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा फैसला लिया है। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार और शुक्रवार को केवल वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सुनवाई करने का निर्णय लिया है। इसके अलावा, अन्य तीन दिन हाइब्रिड सुनवाई होगी।मौजूदा हालात को देखते हुए चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने यह फैसला लिया है। अभी तक सुप्रीम कोर्ट में हाइब्रिड सुनवाई की व्यवस्था थी, पेशी व्यक्तिगत तौर पर और वर्चुअल दोनों तरीके से हो रही थी। वहीं, कारपूलिंग करने के लिए भी सुप्रीम कोर्ट के जज सहमत हो गए हैं। जारी सर्कुलर में सेक्रेटरी जनरल भरत पाराशर की ओर से कहा गया है कि अब सुप्रीम कोर्ट में 'मिसलेनियस डेज' (जैसे सोमवार, शुक्रवार) और आंशिक कार्य दिवसों पर सूचीबद्ध मामलों की सुनवाई केवल वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से होगी।

इलाहाबाद हाईकोर्ट : अविमुक्तेश्वरानंद के खिलाफ अवमानना याचिका खारिज

प्रयागराज (आरएनएस)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंदके खिलाफ दाखिल आशुतोष ब्रह्मचारी की अवमानना याचिका खारिज कर दी है. यह आदेश न्यायमूर्ति दिनेश पाठक ने शुक्रवार को दिया. श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति निर्माण ट्रस्ट के अध्यक्ष आशुतोष ब्रह्मचारी ने शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के खिलाफ अवमानना याचिका दाखिल कर अग्रिम जमानत की शर्तों के उल्लंघन का आरोप लगाया था।

कहा गया था कि शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद पॉक्सो के तहत दर्ज मामले में हाईकोर्ट से मिली अग्रिम जमानत की शर्तों का उल्लंघन कर रहे हैं. स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद द्वारा अग्रिम जमानत आदेश में निर्धारित शर्तों का उल्लंघन करते हुए सार्वजनिक सभाएं, बयानबाजी और न्यायिक प्रक्रिया को प्रभावित करने के प्रयास किए गए. न्यायालय की अवमानना है।

ईंधन बचाने के लिए सुप्रीम कोर्ट भी आगे आया, हफ्ते में 2 दिन होगी ऑनलाइन सुनवाई

नईदिल्ली(आरएनएस)। पश्चिम एशिया में संघर्ष से उपजे ऊर्जा संकट और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील के बाद सुप्रीम कोर्ट भी ईंधन बचाने के लिए आगे आया है। उसने हफ्ते में 2 दिन सोमवार और शुक्रवार को सभी सुनवाईयां केवल वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से ही करने का फैसला किया है। वकीलों और वादियों के पास विकल्प होगा कि वे मंगलवार, बुधवार और गुरुवार को शारीरिक रूप से या फिर घर बैठे ऑनलाइन कोर्ट की सुनवाई में भाग ले सकेत हैं।कोर्ट ने सभी न्यायाधीशों से ईंधन बचाने के लिए आपस में कार-पूलिंग व्यवस्था को प्रोत्साहित करने का आग्रह किया था, जिसे माना गया है। कोर्ट ने प्रत्येक रजिस्ट्री शाखा में 50 प्रतिशत कर्मचारियों को सप्ताह में 2 दिन तक घर से काम करने की अनुमति दी।

रामेश्वरम मंदिर में मुफ्त लड्डू 3 करोड़ 40 लाख रुपये में बिके, 6 कर्मचारी सस्पेंड

रामनाथपुरम(आरएनएस)। तमिलनाडु के अरुलमिगु रामनाथस्वामी मंदिर में एक जूनियर असिस्टेंट समेत छह कर्मचारियों को 3 करोड़ 40 लाख रुपये से ज्यादा की धोखाधड़ी के आरोपों के बाद सस्पेंड कर दिया गया है. धोखाधड़ी में मुफ्त लड्डू (मीठा प्रसाद) की बिना इजाजत बिक्री शामिल थी.2019 से, रामेश्वरम में अरुलमिगु रामनाथस्वामी मंदिर का प्रशासन सीधे प्रसादम (पवित्र भोजन प्रसाद) की बिक्री को प्रबंधित कर रहा है. वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान, विधान सभा अनुदान की मांग के तहत भक्तों को रोज़ाना मुफ्ता लड्डू प्रसादम देने की एक स्कीम शुरू की गई थी. यह स्कीम आज भी लागू है.इसी के तहत, इस साल मार्च में, मंदिर के संयुक्त आयुक्त, चेल्लाथुराई ने लड्डू प्रसादम के उत्पादन और और वितरण से जुड़े अकाउंट्स का औचक निरीक्षण किया. ऑडिट में कई तरह की गड़बड़ियां और धोखाधड़ी वाली गतिविधियां सामने आईं।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने नई दिल्ली में ब्रिक्स इंडिया 2026 विदेश मंत्रियों की बैठक के इतर, वियतनाम की उप विदेश मंत्री गुयेन मिन्ह हैंग से मुलाकात की।

गाय को दूध देने वाली मशीन समझना बड़ी भूल होगी

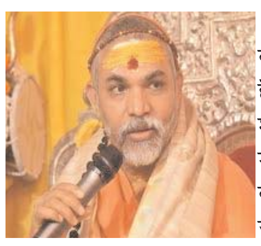

वाराणसी (ए.)। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा कि वर्तमान हिंदू समाज गाय को दूध देने की मशीन समझ लिया है। यही भूल सनातन धर्म की क्षति का सबसे बड़ा कारण बनेगी। शाश्वत सत्य है कि गाय आदिकाल से जगत पालक है। वह केवल मानव जाति पर कृपा ही नहीं करती है, बल्कि वह बैतरणी भी पार कराती है। उन्होंने आह्वान किया कि गोरक्षा के लिए हम सभी को जागरूक होना पड़ेगा। यह मानव अस्तित्व के लिए आवश्यक है।

गोरखपुर (उ प्र)से शुरू 81 दिवसीय गविष्ठी यात्रा का शंकराचार्य का गुरुवार को 12वें दिन पिंडरा (वाराणसी) में पड़ाव था। शंकराचार्य ने धर्म सभा में लोगों से कहा कि हमारी मां हर जन्म में बदल जाती है। वह हमें एक ही जीवन में दूध पान कराती आयी है।

प्रेसिडेंसी जेल से 23 स्मार्टफोन मिलते ही एक्शन में आए सीएम शुभेंदु

कोलकाता (आरएनएस)। राज्य सचिवालय नवान्न में मीडिया कर्मियों से बातचीत में मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने राज्य की कानून-व्यवस्था की स्थिति, सुधार गृहों में चल रही अवैध गतिविधियों तथा आरजी कर घटना की जांच को लेकर कई महत्वपूर्ण फैसलों की जानकारी को साझा किया।राज्य सरकार ने प्रेसीडेंसी सुधार गृह में कैदियों द्वारा स्मार्टफोन इस्तेमाल किए जाने के आरोपों के बाद जेल अधीक्षक और मुख्य नियंत्रक को निलंबित कर दिया है। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने आरोप लगाया कि जेल प्रशासन का एक वर्ग अपराधियों के साथ सांठगांठ कर कैदियों को जेल के भीतर मोबाइल फोन इस्तेमाल करने में मदद कर रहा था।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी पर राहुल गांधी बोले- गलती सरकार की, कीमत जनता चुकाएगी

नई दिल्ली (आरएनएस)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष (एलओपी) राहुल गांधी ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी के बाद केंद्र सरकार पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि सरकार की गलती की कीमत जनता चुकाएगी। राहुल गांधी ने भविष्य में भी तेल कीमतों में इजाफा होने की आशंका व्यक्त की है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया, गलती सरकार की, कीमत जनता चुकाएगी। 3 रुपए का झटका आ चुका, बाकी वसूली किस्तों में की जाएगी। वहीं, कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि देश की जनता को ये समझना होगा कि इस समय वैश्विक ईंधन संकट के साथ-साथ भारत में आर्थिक संकट की बड़ी वजह सरकार में नेतृत्व संकट, दूरदर्शी सोच का अभाव है और अक्षमता कूट-कूट कर भरी है। खड़गे ने एक्स पोस्ट में कहा, ये संकट सरकार की ओर से लाया गया संकट है, जिसका खामियाजा देश की जनता को पेट्रोल, डीजल और एलपीजी पर अपनी जेब से भरना पड़ रहा है। जब डीजल के दाम बढ़ते हैं तो पूरे देश में महंगाई का असर पड़ता है। उद्योगों से लेकर घरेलू बजट व किसानों तक सब पर बुरा असर पड़ता है।कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि जब पश्चिम एशिया में युद्ध शुरू हुई, तो देश को बताया गया कि सब चंगा सी और कांग्रेस पार्टी के सवालों को नकारा गया।

आरजी कर कांड में पूर्व सीएम ममता की भूमिका की होगी जांचः सीएम शुभेंदु

कोलकाता(आरएनएस)। इसी माह की 4 तारीख के बाद से जैसे ही चुनाव परिणाम तृणमूल सरकार के खिलाफ क्या आये पार्टी सहित सिर्फ नेताओं ही नहीं बरन पूर्व सीएम ममता के दुर्दिन के आभाष मिलने लगे है। इसी क्रम में नए सीएम शुभेंदु अधिकारी ने आज राज्य सचिवालय में महत्वपूर्ण घोषणा कर पूर्व सीएम ममता बनर्जी की भी नींद उड़ी दी है। सीएम शुभेंदु अधिकारी ने पश्चिम बंगाल में आरजी कर मेडिकल कॉलेज की महिला चिकित्सक से दुष्कर्म और हत्या मामले में पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की भूमिका की भी जांच कराए जाने की बात कही है।पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री शुभेंदु अधिकारी ने आज नवान्न में इसकी घोषणा करते हुए इस मामले में तीन आईपीएस अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया है। वहीं, पीड़िता की मां व पानीहाटी से भाजपा विधायक ने मुख्यमंत्री के इस फैसले का स्वागत किया है। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि आरजी कर कांड की फाइल दोबारा खोली जा रही है और उस समय जिम्मेदारी संभाल रहे अधिकारियों की भूमिका की विभागीय जांच होगी। जिन अधिकारियों को सस्पेंड किया गया है उनमें तत्कालीन कोलकाता पुलिस आयुक्त विनीत गोयल, तत्कालीन डीसी नॉर्थ अभिषेक गुप्ता और तत्कालीन डीसी सेंट्रल इंदिरा मुखोपाध्याय शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि गृह मंत्री का पद संभालने के बाद उन्होंने मुख्य सचिव और गृह सचिव से आरजी कर मामले तथा उसके बाद की परिस्थितियों को लेकर विस्तृत रिपोर्ट मांगी थी। रिपोर्ट के आधार पर प्रारंभिक प्रशासनिक कार्रवाई करते हुए यह फैसला लिया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि मामले को सही तरीके से हैंडल नहीं किया गया और प्राथमिकी दर्ज करने से लेकर शुरुआती जांच तक कई स्तर पर गंभीर चूक हुई। शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि विभिन्न समाचार माध्यमों से यह जानकारी सामने आई थी कि पीड़िता की मां को राज्य सरकार की ओर से पैसे देने की कोशिश की गई थी। यह एक प्रकार की घूस देने की कोशिश थी और इसकी भी जांच की जाएगी। उस समय संबंधित अधिकारियों ने किन लोगों से बातचीत की, उनके कॉल रिकॉर्ड और व्हाट्सएप चैट की भी जांच होगी। यह भी देखा जाएगा कि तत्कालीन मुख्यमंत्री या किसी मंत्री की ओर से कोई निर्देश दिया गया था या नहीं।

मध्य प्रदेश में गर्मी का कहर जारी, 40 जिलों में चलेंगी गर्म हवाएं, पांच जिलों में तेज लू का ऑरेंज अलर्ट

भोपाल, (निप्र.) । मध्य प्रदेश में गर्मी लगातार अपने तेवर दिखा रही है। प्रदेश के पूर्वी हिस्से के कुछ इलाकों को छोड़कर अधिकांश जिले भीषण गर्मी और लू की चपेट में हैं। अगले चार दिनों तक प्रदेश में तेज गर्मी और हीट वेव का अलर्ट जारी किया गया है। शुक्रवार को करीब 40 जिलों में गर्म हवाएं चलने की संभावना जताई गई है, जबकि इंदौर, उज्जैन, रतलाम, धार और देवास में 15 से 17 मई तक तीव्र लू चलने की चेतावनी दी गई है।मौसम विभाग के अनुसार, दोपहर 12 बजे से 3 बजे के बीच गर्मी का प्रभाव सबसे ज्यादा रहेगा। उन्होंने लोगों को जरूरी काम होने पर ही घर से बाहर निकलने की सलाह दी है। गुरुवार को भी प्रदेशभर में भीषण गर्मी का असर देखने को मिला। शाजापुर और छतरपुर के नौगांव में अधिकतम तापमान 44.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो प्रदेश में सबसे ज्यादा रहा। इसके अलावा खरगोन में 44.6 डिग्री, खंडवा और रतलाम में 44.5 डिग्री, खजुराहो में 44.3 डिग्री तथा रायसेन और दमोह में 44 डिग्री तापमान रिकॉर्ड किया गया। प्रदेश के बड़े शहरों में उज्जैन सबसे गर्म रहा, जहां पारा 44 डिग्री तक पहुंच गया। वहीं भोपाल में 43.4 डिग्री, जबलपुर में 43.3 डिग्री, इंदौर में 43 डिग्री और ग्वालियर में 41.8 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया।

कार्य के चलते इटारसी-प्रयागराज छिवकी एक्सप्रेस का पकरिया रोड स्टेशन पर चार दिन ठहराव नहीं रहेगा

भोपाल (ए.)। रेलवे प्रशासन द्वारा जबलपुर मण्डल में प्री-नॉनइंटरलॉकिंग एवं नॉनइंटरलॉकिंग कार्य के चलते पकरिया रोड स्टेशन पर पश्चिम मध्य रेल भोपाल मंडल से प्रारंभ/टर्मिनेट होने वाली इटारसी-प्रयागराज छिवकी एक्सप्रेस का चार दिन ठहराव नहीं रहेगा। जिसका विवरण इस प्रकार है-

गाड़ी संख्या 11273 इटारसी-प्रयागराज छिवकी एक्सप्रेस

अवधि : 17.05.2026 से 20.05.2026 तक। (चार दिन) रेलवे प्रशासन यात्रियों से अनुरोध करता है कि यात्रा प्रारंभ करने से पूर्व संबंधित ट्रेनों की जानकारी रेलवे की अधिकृत वेबसाइट, एनटीईएस/रेल मदद 139 अथवा नजदीकी रेलवे स्टेशन से अवश्य प्राप्त कर लें। यात्रियों को होने वाली असुविधा के लिए खेद है, परंतु यह कार्य भविष्य में बेहतर, सुरक्षित एवं सुविधाजनक रेल संचालन हेतु आवश्यक है।

भोपाल के डायल 112 हीरोज

सतर्कता और त्वरित कार्यवाही से तालाब में कूदी युवती की बचाई जान

भोपाल (ए.)। भोपाल के थाना तलैया क्षेत्र में डायल-112 जवानों की त्वरित प्रतिक्रिया और संवेदनशील कार्यवाही से आत्महत्या के उद्देश्य से तालाब में कूदी एक युवती को सुरक्षित बाहर निकालकर उसकी जान बचाई गई। समय रहते की गई कार्रवाई से एक बड़ा हादसा टल गया।14 मई को राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम डायल-112 भोपाल को सूचना प्राप्त हुई कि थाना तलैया क्षेत्र अंतर्गत राजा भोज सेतु के पास एक महिला तालाब में कूद गई है और तत्काल पुलिस सहायता की आवश्यकता है। सूचना प्राप्त होते ही तलैया थाना क्षेत्र में तैनात डायल-112 वाहन को तुरंत घटनास्थल के लिए रवाना किया गया।डायल-112 स्टाफ प्रधान आरक्षक शाहीद खान एवं पायलट विपिन श्रीवास ने मौके पर पहुँचकर पाया कि अज्ञात कारणों से 25 वर्षीय युवती आत्महत्या के उद्देश्य से तालाब में कूद गई थी। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए डायल-112 जवानों ने स्थानीय लोगों की सहायता से तत्काल रेस्क्यू अभियान चलाकर युवती को सुरक्षित तालाब से बाहर निकाला। इसके बाद युवती को डायल 112 वाहन की सहायता से हमीदिया अस्पताल पहुँचाया। डायल-112 जवानों द्वारा संबंधित थाने में सूचना दर्ज कराते हुए युवती को समझाइश दी गई तथा मेडिकल परीक्षण उपरांत परिजनों के सुपुर्द किया गया। डायल 112 हीरोज श्रृंखला की यह घटना दर्शाती है कि डायल-112 सेवा केवल आपातकालीन सहायता ही नहीं, बल्कि संकटग्रस्त लोगों को समय पर संवेदनात्मक सहयोग और जीवन रक्षा प्रदान करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

मध्यप्रदेश में तेजी से फैल रहा है खसरे का संक्रमण

-तेज बुखार और शरीर पर लाल दाने के मामले बढ़े

-डॉक्टरों ने दी सावधानी बरतने की सलाह

भोपाल (ए.)। मध्यप्रदेश में बढ़ती गर्मी के बीच खसरे के संक्रमण के मामले तेजी से सामने आ रहे हैं। ग्वालियर के बाद अब भोपाल में भी तेज बुखार, खांसी और शरीर पर लाल दाने जैसे लक्षण वाले मरीज मिलने लगे हैं। स्वास्थ्य विभाग ने इसे लेकर सतर्कता बढ़ा दी है। डॉक्टरों का कहना है कि शुरुआत में यह सामान्य वायरल बुखार जैसा दिखाई देता है, लेकिन समय पर इलाज नहीं मिलने पर स्थिति गंभीर हो सकती है। छोटे बच्चों और कमजोर प्रतिरोधक क्षमता वाले लोगों में खतरा अधिक बताया जा रहा है। विशेषज्ञों ने अभिभावकों को बच्चों को भीड़भाड़ से दूर रखने, साफ-सफाई बनाए रखने और समय पर एमएमआर टीका लगवाने की सलाह दी है। स्वास्थ्य विभाग लगातार निगरानी कर रहा है।

संस्कारधानी पहुंचेंगे प्रधान न्यायाधीश सहित सुप्रीम कोर्ट के 9 जज

हाईकोर्ट के डिजिटल जस्टिस सेमिनार में होंगे शामिल: सीएम यादव और कानून मंत्री मेघवाल भी रहेंगे मौजूद

भोपाल/जबलपुर (ए.)। देश के प्रधान न्यायाधीश समेत सुप्रीमकोर्ट के 9 न्यायाधीश शनिवार को संस्कारधानी जबलपुर पहुंचेंगे, जहां वे मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय द्वारा आयोजित एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय सेमिनार में शामिल होंगे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारत के प्रधान न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत होंगे। विखंडन से एकीकरण तक: एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म एकीकरण के माध्यम से न्याय के सशक्तीकरण विषय पर आधारित यह सेमिनार नेताजी सुभाषचंद्र बोस कल्चरल एंड इन्फॉर्मेशन सेंटर में शनिवार सुबह 10:30 बजे से आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में मप्र के मुख्यमंत्री मोहन यादव और केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगे। मप्र उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल धरमिंदर सिंह के अनुसार सेमिनार में सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस जितेन्द्र कुमार माहेश्वरी, जस्टिस पीएस नरसिम्हा, जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा, जस्टिस पीबी वारले, जस्टिस एन कोटेश्वर सिंह, जस्टिस आर महादेवन, जस्टिस मनमोहन, जस्टिस आलोक अराधे शिरकत करेंगे। इसके अलावा म.प्र. उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश संजीव सचदेवा सहित सभी न्यायाधीश भी कार्यक्रम में मौजूद रहेंगे। न्यायपालिका के डिजिटल भविष्य पर होगी चर्चा :- सेमिनार में न्यायपालिका में डिजिटल प्लेटफॉर्म, ई-कोर्ट सिस्टम, डेटा इंटीग्रेशन और तकनीक आधारित न्याय व्यवस्था को लेकर विस्तार से चर्चा होगी। माना जा रहा है कि यह आयोजन भविष्य की डिजिटल न्याय प्रणाली की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभाएगा।

प्रदेश को देश में सभी क्षेत्रों में अग्रणी बनाना हमारा लक्ष्य : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

सभी समाजों के बच्चों के लिए कॉमन हॉस्टल किए जाएं संचालित

भोपाल (ए.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में प्रदेशवासियों के विकास, उनके जीवन स्तर में सुधार करना और जन-जन के कल्याण के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। इसी उद्देश्य से योजनाओं और कार्यक्रमों का क्रियावयन सुनिश्चित करते हुए सभी विभाग अपनी सार्थकता को स्थापित करें। विभाग अपने कार्य क्षेत्र की कठिनाइयों और चुनौतियों को चिन्हित करते हुए, सकारात्मक भाव से उनका निराकरण करें। विभाग और जिले जिन क्षेत्रों में पीछे हैं, उनमें सुधार के लिए हर संभव प्रयास किए जाएं। मध्यप्रदेश को सभी क्षेत्रों में देश के अग्रणी राज्यों में स्थापित करना हमारा प्रयास हो। जनहित में किए जाने वाले सभी नवाचारों को राज्य सरकार प्रोत्साहित करेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विभिन्न शासकीय कार्यक्रमों और योजनाओं के क्रियावयन के संबंध में शुक्रवार को मंत्रालय में आयोजित नोडल

विभागों की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। बैठक में मुख्य सचिव अनुराग जैन सहित अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव और सचिव स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में आबादी भूमि की नि:शुल्क रजिस्ट्री के कार्य का लाभ प्रदेश के सभी ग्रामवासियों को दिलवाने के लिये अभियान के स्वरूप में संचालित किया जाए। लोकहित के इस कार्य में जनप्रतिनिधियों-पंचायत प्रतिनिधियों की सहभागिता आवश्यक रूप से सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्वामित्व योजना में महिलाओं के नाम रजिस्ट्री कराई जाए। ग्रामीण क्षेत्रों में पात्र हितग्राहियों को जमीन के नि:शुल्क पट्टे वितरित किए जाने पर विशेष ध्यान दिया जाए। ग्रामीण क्षेत्रों में आबादी भूमि घोषित करने की प्रक्रिया को सरल बनाना आवश्यक है। कलेक्टर समय सीमा निर्धारित करते हुए पूरी संवेदनाशीलता और सक्रियता से कार्य करें। इससे ग्रामीण क्षेत्र से शहरों में हो रहे पलायन को कम करने में भी मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शहरी क्षेत्र से सटे गांवों के लिए प्रक्रिया का क्रियान्वयन क्षेत्र का नियोजन कर किया जाए। इससे क्षेत्र के सौंदर्यीकरण में मदद मिलेगी और स्थानीय निवासियों को स्कूल, खेल के मैदान, मूलभूत आवश्यकताओं की दुकानों और धर्मशालाओं जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जा सकेंगी।

मुख्य सचिव अनुराग जैन ने मंत्रालय में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विभिन्न कार्यों और कार्यक्रमों की समीक्षा की।

जब पानी घर पहुंचा, तब बदली ग्राम कंधारी की तस्वीर

भोपाल (ए.)। कभी पानी के लिए घंटों इंतजार, हैंडपंपों पर लंबी कतारें और दूर-दूर तक बर्तनों के साथ पानी की तलाश में जाती महिलाएं ग्राम कंधारी की पहचान हुआ करती थीं। गर्मी का मौसम आते ही गांव में पेयजल संकट और गहरा जाता था। कई परिवारों का पूरा दिन पानी की व्यवस्था करने में ही बीत जाता था। बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होती थी और महिलाओं की दिनचर्या ही बदल जाती थी। आज वही ग्राम कंधारी बदलती ग्रामीण तस्वीर का सशक्त उदाहरण बनकर उभरा है, जहां घर-घर पहुंचता शुद्ध पेयजल लोगों के जीवन में सहजता, सम्मान और विश्वास लेकर आया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ग्रामीण अधोसंरचना को जनजीवन से जोड़ते हुए ऐसी योजनाओं को प्राथमिकता दे रही है, जिनका सीधा प्रभाव आम नागरिकों के जीवन पर दिखाई दे। जल जीवन मिशन अंतर्गत लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा संचालित बसई समूह जल प्रदाय योजना ने दतिया जिले के ग्राम कंधारी सहित क्षेत्र के अनेक गांवों में इसी परिवर्तन को वास्तविक रूप दिया है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उइके के सतत मार्गदर्शन और नियमित मॉनिटरिंग के कारण योजना का लाभ अंतिम छोर तक रहने वाले परिवारों तक पहुंच रहा है।

जीतू पटवारी का प्रशासनिक अव्यवस्था और बेरोजगारी को लेकर सरकार पर हमला, गंभीर आरोप लगाए

भोपाल (आरएनएस)। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने प्रदेश की भाजपा सरकार पर प्रशासनिक अव्यवस्था, शिक्षकों के हितों की अनदेखी और युवाओं के रोजगार से जुड़े मुद्दों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश का प्रशासनिक ढांचा कमजोर होता जा रहा है और सरकार कर्मचारियों व युवाओं से जुड़े महत्वपूर्ण मामलों में स्पष्ट नीति प्रस्तुत करने में असफल रही है।जीतू पटवारी ने शुक्रवार को मीडिया को जारी अपने बयान में कहा कि स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा बड़ी संख्या में शिक्षकों को अपना कर्मचारी नहीं मानने का मामला बेहद गंभीर है। उनके अनुसार, इस स्थिति से शिक्षकों की पुरानी पेंशन, सेवा सुरक्षा और वरिष्ठता जैसे अधिकार प्रभावित हो सकते हैं। उन्होंने सरकार से मांग की कि शिक्षकों की सेवा पुस्तिका, पेंशन और वरिष्ठता को लेकर तत्काल स्थिति स्पष्ट की जाए तथा उनके अधिकार सुरक्षित किए जाएं। उन्होंने कहा कि वर्षों से शिक्षा व्यवस्था संभाल रहे शिक्षक आज अपने भविष्य को लेकर असमंजस की स्थिति में हैं। कांग्रेस नेता ने इसे प्रशासनिक लापरवाही बताते हुए कहा कि सरकार को संवेदनशीलता के साथ इस विषय का समाधान करना चाहिए। रोजगार के मुद्दे पर सरकार को घेरते हुए पीसीसी चीफ पटवारी ने कहा कि प्रदेश में बेरोजगारी लगातार बढ़ रही है। उन्होंने दावा किया कि लाखों युवाओं ने रोजगार पोर्टल पर पंजीकरण कराया है, जिससे रोजगार की स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है। साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने बड़ी संख्या में पद समाप्त कर युवाओं के रोजगार के अवसर कम किए हैं।

रानी कमलापति होकर विशाखापट्टनम-हजरत निजामुद्दीन एवं विशाखापट्टनम-फरीदाबाद समर स्पेशल ट्रेनों का संचालन

भोपाल (निप्र)। ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान यात्रियों की बढ़ती भीड़ एवं अतिरिक्त यात्रा मांग को ध्यान में रखते हुए रेलवे प्रशासन द्वारा विशेष ट्रेनों का संचालन लगातार किया जा रहा है। इसी क्रम में यात्रियों की सुविधा हेतु रानी कमलापति होकर ट्रेन संख्या 08513/08514 विशाखापट्टनम-हजरत निजामुद्दीन-विशाखापट्टनम विशेष ट्रेन तथा 08515/08516 विशाखापट्टनम-फरीदाबाद-विशाखापट्टनम विशेष ट्रेन का संचालन किया जा रहा है। ये विशेष ट्रेनें पश्चिम मध्य रेल के भोपाल मंडल के रानी कमलापति स्टेशन से होकर संचालित होंगी, जिससे भोपाल एवं आसपास के क्षेत्रों के यात्रियों को अतिरिक्त यात्रा सुविधा उपलब्ध होगी।

1.ट्रेन संख्या 08513 विशाखापट्टनम-हजरत निजामुद्दीन विशेष ट्रेन दिनांक 21 मई 2026 को विशाखापट्टनम से प्रस्थान कर 23 मई 2026 को हजरत निजामुद्दीन पहुंचेगी। यह ट्रेन भोपाल मंडल के रानी कमलापति स्टेशन पर 22:20 बजे पहुंचेगी तथा 22:25 बजे प्रस्थान करेगी। वापसी दिशा में ट्रेन संख्या 08514 हजरत निजामुद्दीन-विशाखापट्टनम विशेष ट्रेन दिनांक 24 मई 2026 को हजरत निजामुद्दीन से प्रस्थान कर 26 मई 2026 को विशाखापट्टनम पहुंचेगी। यह ट्रेन रानी कमलापति स्टेशन पर 14:10 बजे पहुंचेगी तथा 14:15 बजे प्रस्थान करेगी। ठहराव स्टेशन- दुव्वाडा, अन्नकापल्ले, तुनी, राजमुंदरी, बल्लारशाह, नागपुर, रानी कमलापति, वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी जंक्शन, आगरा कैंट । 2.ट्रेन संख्या 08515 विशाखापट्टनम-फरीदाबाद विशेष ट्रेन दिनांक 21 मई 2026 को विशाखापट्टनम से प्रस्थान कर 23 मई 2026 को फरीदाबाद पहुंचेगी। यह ट्रेन रानी कमलापति स्टेशन पर 15:45 बजे पहुंचेगी तथा 15:50 बजे प्रस्थान करेगी। वापसी दिशा में ट्रेन संख्या 08516 फरीदाबाद-विशाखापट्टनम विशेष ट्रेन दिनांक 25 मई 2026 को फरीदाबाद से प्रस्थान कर 27 मई 2026 को विशाखापट्टनम पहुंचेगी। यह ट्रेन रानी कमलापति स्टेशन पर 15:05 बजे पहुंचेगी तथा 15:10 बजे प्रस्थान करेगी। ठहराव स्टेशन- आर्कू, कोरापुट, रायपुर, दुर्ग, नागपुर, रानी कमलापति, वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी जंक्शन, आगरा कैंट। इन विशेष ट्रेनों के संचालन से मध्य भारत एवं उत्तर भारत की ओर यात्रा करने वाले यात्रियों को अतिरिक्त सुविधा प्राप्त होगी तथा ग्रीष्मकालीन अवधि में यात्रियों की भीड़ को नियंत्रित करने में सहायता मिलेगी।

तारीख पर तारीख..आखिर कब तक ?

ओबीसी वर्ग के साथ न्याय कब होगा ?

भोपाल (ए.)। 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण का मामला लाखों अभ्यर्थियों के भविष्य से जुड़ा है, लेकिन प्रदेश सरकार की चुप्पी और लापरवाही गंभीर सवाल खड़े करती है। लाखों युवाओं का भविष्य दांव पर है और सरकार कोई समाधान निकालने के पक्ष में नज़र नहीं आ रही, सरकार का ढुलमुल रवैया बताता है कि सरकार 27 फीसदी ओबीसी आरक्षण के पक्ष में नहीं है। कम से कम 13 प्रतिशत होल्ड आरक्षण पर तुरंत फैसला हो और लाखों युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ बंद किया जाए ।

भीषण गर्मी के बीच भोपाल मंडल बना यात्रियों का सहारा, स्टेशनों पर अतिरिक्त पेयजल सुविधा

भोपाल मंडल के 14 प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर नि:शुल्क जलसेवा

भोपाल (निप्र)। मंडल रेल प्रबंधक पंकज त्यागी के मार्गदर्शन एवं वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया के नेतृत्व में गर्मी के मौसम में यात्रियों को यात्रा के दौरान भीषण गर्मी से बचाव हेतु पीने का पानी उपलब्ध कराने की दिशा में भोपाल मंडल द्वारा सभी स्टेशनों पर पानी की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। इसी कड़ी में एनजीओ व स्वयंसेवी संस्था द्वारा विदिशा, नर्मदापुरम, संत हिरदाराम नगर, अशोकनगर, गंज बसोदा, खिरकिया, मंडी बामोरा, रूठियाई, हरदा, भोपाल, गुना, बदरवास, मूंगावली एवं शाजापुर जैसे मंडल के कुल 14 प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों को पानी पिलाने के कार्य किया जा रहा है। इस कार्य में स्वमं सेवक सेवाभाव से यात्रियों को पानी पिलाने का कार्य कर रहे है। जिसमे स्वच्छता का पूर्ण ध्यान रखा जा रहा है जिससे यात्रियों को स्वच्छ एवं ठंडा पेयजल प्राप्त हो सके। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया ने बताया कि भोपाल मंडल यात्री सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए कृत संकल्पित है और यह प्रयास यात्री सुविधाओं में बढ़ोतरी करने हेतु एक अभीष्ट कदम है। इस अतिरिक्त पेय जल की व्यवस्था से विशेष रूप से सामान्य कोच के यात्रियों को भीषण गर्मी में राहत मिला रहा है।

चेतक ब्रिज के पास निगम की कार्रवाई, 14 अवैध झुग्गियां हटाई

भोपाल (आरएनएस)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में अतिक्रमण के खिलाफ नगर निगम की कार्रवाई लगातार जारी है। शुक्रवार को निगम के अतिक्रमण निरोधक दस्ते ने शहर के विभिन्न इलाकों में अभियान चलाकर बड़ी संख्या में ठेले, पान पार्लर, गुमठियां और सड़क पर रखा सामान हटाया। वहीं जिला प्रशासन के सहयोग से चेतक ब्रिज स्थित गौतम नगर क्षेत्र में अवैध रूप से बनी 14 झुग्गियों को भी हटाया गया। नगर निगम आयुक्त संस्कृति जैन के निर्देश पर कार्रवाई करते हुए निगम अमले ने कोलार डीमार्ट, मैनिट चौराहा, नेहरू नगर, जवाहर चौक, सरस्वती नगर, भदभदा चौराहा, सूरज नगर चौराहा, लिंक रोड नंबर-1, 2 और 3, न्यू मार्केट थाना क्षेत्र, कमला पार्क, एमएलबी कॉलेज, रविंद्र भवन, पॉलीटेक्निक, 7 नंबर स्टॉप, शाहपुरा, एमपी नगर जोन-1, बावड़िया कला, अशोका गार्डन, भोपाल गेट, हमीदिया रोड, प्लेटफॉर्म नंबर-6 और टीला जमालपुरा सहित कई क्षेत्रों में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की। अभियान के दौरान दुकानों के बाहर रखा सामान हटवाया गया तथा आवागमन में बाधा बन रहे वाहनों को भी हटाया गया। निगम दस्ते ने अशोका गार्डन से प्रभात चौराहा तक सर्विस रोड पर खड़े दो लोडिंग ऑटो हटवाए। साथ ही 16 ठेले, तीन पान पार्लर और 15 कैरेड जब्त किए गए।

मंडी बोर्ड की बैठकें अब होंगी ऑनलाइन: समय और संसाधनों की होगी बचत

भोपाल (ए.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के आहवान पर मध्यप्रदेश राज्य कृषि विपणन बोर्ड (मंडी बोर्ड) भोपाल में आयोजित होने वाली समस्त बैठकें अब ऑनलाइन मोड में होंगी। प्रबंध संचालक कुमार पुरुषोत्तम ने निर्देश जारी किए हैं कि फिजिकली होने वाली सभी बैठकों को स्थगित कर दिया जाए। दूरस्थ अंचलों से भोपाल आने वाले अधिकारी-कर्मचारियों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जोड़ा जाएगा। इससे समय और संसाधनों की बचत सुनिश्चित होगी। मंडी बोर्ड में विभागीय जांच, शिकायत प्रकरण और अन्य मामलों में होने वाली पेशियों के लिए भी अधिकारियों-कर्मचारियों को भोपाल बुलाना बंद कर दिया गया है। अब ये कार्रवाई वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से ऑनलाइन संपादित की जाएगी।

भोपाल-इटारसी होकर उधना से निजामुद्दीन के मध्य एक ट्रिप स्पेशल ट्रेन का संचालन

भोपाल (निप्र)। रेल यात्रियों की सुविधा और यात्रा मांग को पूरा करने के उद्येश्य से रेल प्रशासन द्वारा गाड़ी संख्या 09121/09122 उधना-निजामुद्दीन-उधना के मध्य 01-01 ट्रिप स्पेशल ट्रेन का संचालन किया जा रहा है। इस स्पेशल ट्रेन का भोपाल मंडल के इटारसी एवं भोपाल स्टेशनों के यात्रियों को भी लाभ मिलेगा। इस स्पेशल ट्रेन का विवरण इस प्रकार है :- गाड़ी संख्या 09121 उधना-निजामुद्दीन स्पेशल ट्रेन शुक्रवार 22 मई 2026 को उधना से 18:00 बजे प्रस्थान कर निर्धारित मार्ग से होते हुए अगले दिन इटारसी 07:20 बजे एवं भोपाल 09:15 बजे आगमन कर और तीसरे दिन मध्यरात्रि 00:15 बजे निजामुद्दीन पहुँचेगी। इसी प्रकार वापसी में गाड़ी संख्या 09122 निजामुद्दीन-उधना स्पेशल ट्रेन रविवार 24 मई 2026 को निजामुद्दीन से रात 21:20 बजे प्रस्थान कर अगले दिन भोपाल 11:30 बजे एवं इटारसी 13:35 बजे

आगमन कर और मंगलवार को गंतव्य स्टेशन उधना मध्यरात्रि 00:45 बजे पहुँचेगी। ठहराव स्टेशन- यह ट्रेन दोनों दिशाओं में नवापुर, चिंचपाडा, नंदुरबार, भुसावल जंक्शन, इटारसी जंक्शन, भोपाल जंक्शन, वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी और आगरा कैंट स्टेशनों पर रुकेगी। इस स्पेशल ट्रेन में 02 सामान्य श्रेणी, 18 शयनयान श्रेणी सहित कुल 22 कोच होंगे। स्पेशल ट्रेन के ठहराव, समय एवं संरचना के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

इंदौर पुलिस की त्वरित एवं संवेदनशील कार्यवाही

भोपाल (ए.)। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा गुमशुदा एवं अपहृत बालक-बालिकाओं की सुरक्षित तलाश एवं शीघ्र दस्तयाबी को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए प्रदेशभर में लगातार कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में इंदौर जिले की थाना अन्नपूर्णा पुलिस ने त्वरित एवं संवेदनशील कार्यवाही करते हुए तीन नाबालिग बालिकाओं को 24 घंटे के भीतर उज्जैन से सकुशल दस्तयाब करने में सफलता प्राप्त की है। 14 मई को थाना अन्नपूर्णा क्षेत्र से तीन नाबालिग बालिकाओं के गुम/अपहृत होने की सूचना प्राप्त हुई थी। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में एक विशेष टीम गठित कर तत्काल तलाश प्रारंभ की गई। पुलिस टीम द्वारा लगातार सघन सर्चिंग अभियान चलाते हुए संभावित स्थानों पर तलाश, आसपास के क्षेत्रों में पूछताछ, सीसीटीवी फुटेज का परीक्षण तथा तकनीकी विश्लेषण के माध्यम से महत्वपूर्ण जानकारी एकत्रित की गई।

आदि उत्सव में शामिल हुए केन्द्रीय मंत्री ओरावं, बोले- जनजातीय समुदाय का यह कार्यक्रम लोगों के लिए है उत्सव

भोपाल (आरएनएस)। मध्य प्रदेश के मंडला जिले की ऐतिहासिक नगरी रामनगर में शुक्रवार को दो दिवसीय आदि उत्सव- का भव्य शुभारंभ हुआ। समारोह में केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्री जुएल ओरांव बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। उन्होंने कहा कि जनजातीय समुदाय का यह कार्यक्रम लोगों के लिये उत्सव है। केन्द्रीय मंत्री ओरांव ने कहा कि इस उत्सव में परंपरागत नृत्य-गायन जैसे हमारी संस्कृति की पहचान को बढ़ावा मिलता है। हमारी युवा पीढ़ी को अपने गौरवशाली इतिहास और संस्कृति को जानने और समझने का यह एक अच्छा अवसर होता है। उन्होंने कहा कि हमारी हार्दिक इच्छा है कि आगे भी आदि उत्सव का इसी तरह आयोजित होता रहे। उन्होंने कहा कि गोंडवाना राजवंश के इस ऐतिहासिक महल का जीर्णोद्धार कराने के बाद वर्ष 2016 से लगातार यह आदि उत्सव आयोजित किया जा रहा है। जनजातीय गौरव को सम्मान देने की पहल सबसे पहले पूर्व प्रधानमन्त्री श्रद्धेय स्व. अटल बिहारी वाजपेयी ने की थी, जब 1999 में उन्होंने पहली बार जनजातीय कार्य मंत्रालय का गठन किया। मुझे इस मंत्रालय के कामकाज का जिम्मा सौंपा। मंडला के इस महल के जीर्णोद्धार के लिए मंत्रालय ने 1.97 करोड़ रुपये स्वीकृत किये। आज प्रधानमन्त्री मोदी के नेतृत्व में प्रधानमंत्री धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान, प्रधानमंत्री जनमन, आहार अनुदान, विभिन्न छात्रवृतियाँ, जनजातीय बच्चों की उच्च शिक्षा जैसे अनेक काम जनजातीय समाज के कल्याण के लिए किये जा रहे हैं।रामनगर में आयोजित 'आदि उत्सव' के अंतर्गत लगाए गए मेगा हेल्थ कैंप का शुभारंभ केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्री जुएल ओरांव ने फीता काटकर किया।

जल संकट पर भड़का आक्रोश, 22 जोन कार्यालयों पर फोड़े मटके, जमकर नारेबाजी

इंदौर (ए.)। इंदौर शहर में गहराते जल संकट को लेकर आज जनता का आक्रोश सड़कों पर फट पड़ा। नगर निगम के 22 जोन कार्यालयों पर विरोध प्रदर्शन हुए। लोगों ने मटके फोड़े और अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने इस मुद्दे पर नगर निगम प्रशासन और भारतीय जनता पार्टी का घेराव किया। नगर निगम मुख्यालय पर कांग्रेसी धरने पर बैठ गए और उन्हें रोकने के लिए बड़ी संख्या में पुलिस बल लगाया गया। शहर में पानी की किल्लत और अव्यवस्थित वितरण व्यवस्था के विरोध में कांग्रेस ने बड़े आंदोलन की रणनीति तैयार की थी। गुरुवार को पूरे शहर में इसका व्यापक असर देखने को मिला। इस आंदोलन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं और स्थानीय नागरिकों ने नगर निगम के सभी 22 जोनल कार्यालयों का घेराव किया और पानी की समस्या के प्रति प्रशासन को जगाने के लिए मटके फोड़कर अपना विरोध दर्ज करवाया।

आधी आबादी बूंद-बूंद पानी को तरसी, गंदे पानी की सप्लाई से जनता में आक्रोश

इंदौर शहर कांग्रेस अध्यक्ष चिंटू चौकसे ने नगर निगम की कार्यप्रणाली पर गंभीर लापरवाही के आरोप लगाते हुए कहा कि निगम प्रबंधन की

नाकामियों के कारण आज पूरा शहर भीषण जल संकट के दौर से गुजर रहा है। चौकसे के अनुसार, शहर की लगभग आधी आबादी तक नर्मदा का पानी आज भी नहीं पहुंच पा रहा है। जिन इलाकों में पाइपलाइन मौजूद है और पानी की सप्लाई हो भी रही है, वहां भी स्थिति बेहद खराब है। वहां न तो पानी का दबाव पर्याप्त है और न ही तय समय सीमा के अनुसार आपूर्ति की जा रही है। इसके साथ ही उन्होंने यह भी उजागर किया कि शहर के कई क्षेत्रों में लंबे समय से गंदा और दूषित पानी आने की समस्या बनी हुई है। उन्होंने बेहद कड़े लहजे में आरोप लगाया कि दूषित पानी के कारण 35 लोगों की मौत हो जाने जैसी गंभीर घटना के बाद भी नगर निगम प्रशासन ने स्थिति में सुधार के लिए कोई ठोस या प्रभावी कदम नहीं उठाए हैं।

भाजपा के 27 साल के निगम शासन की खुली पोल

जल संकट के इस मुद्दे पर कांग्रेस ने भारतीय जनता पार्टी के दीर्घकालिक स्थानीय शासन को आड़े हाथों लिया है। कांग्रेस नेताओं ने सवाल उठाया कि नगर निगम में भाजपा के पिछले 27 वर्षों के निरंतर शासन के बाद भी शहर के प्रत्येक नागरिक तक नर्मदा का जल पहुंचाने की बुनियादी व्यवस्था क्यों नहीं की जा सकी। चिंटू चौकसे ने पूर्व के दावों की याद दिलाते हुए कहा कि जब नर्मदा परियोजना के तीसरे चरण की शुरुआत की गई थी, तब प्रशासन और सत्ताधारी दल द्वारा यह बड़े-बड़े दावे किए गए थे कि यह परियोजना साल 2040 तक की अनुमानित आबादी के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध कराने में पूरी तरह सक्षम रहेगी। लेकिन जमीनी हकीकत इसके बिल्कुल उलट है और वर्तमान में साल 2026 की आबादी को भी दैनिक उपयोग के लिए पर्याप्त पानी नहीं मिल पा रहा है, जिससे सारे दावों की पोल खुल गई है।

तरबूज खाने के बाद पिता की कैसे हो गई मौत? बेटे की हालत गंभीर; फूड पॉइजनिंग की आशंका

श्योपुर (ए.)। श्योपुर में शुक्रवार को संदिग्ध फूड पॉइजनिंग का एक मामला सामने आया है। यहां तरबूज खाने के बाद एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि मृतक का बेटा गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती है।

जानकारी के अनुसार, सुसनेर, शाजापुर निवासी इंद्र सिंह परिहार अपने बेटे विनोद के साथ श्योपुर में रिलायंस पेट्रोल पंप के सामने किराए के मकान में रहते थे। इंद्र सिंह ड्राइवर थे। परिजनों के मुताबिक, गुरुवार रात खाना खाने के बाद पिता-पुत्र की तबीयत हल्की खराब हुई थी। दोनों ने सीने में जलन और बेचैनी की शिकायत की थी।

शुक्रवार को एक बार फिर दोनों की तबीयत बिगड़ने लगी और सीने में जलन महसूस होने लगी। गर्मी और बेचैनी से राहत पाने के लिए दोनों ने ठंडक के उद्देश्य से तरबूज खाया। बताया जा रहा है कि तरबूज खाने के कुछ ही देर बाद उनकी हालत अचानक ज्यादा खराब हो गई। दोनों को उल्टी, घबराहट और तेज बेचैनी होने लगी।

परिजन तत्काल उन्हें जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार शुरू किया। इंद्र सिंह की हालत लगातार गंभीर बनी हुई थी। डॉक्टरों ने उनकी नाजुक स्थिति को देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए कोटा रेफर कर दिया, लेकिन दुर्भाग्यवश कोटा ले जाते समय रास्ते में ही इंद्र सिंह ने दम तोड़ दिया। वहीं, बेटे विनोद का इलाज अभी भी जारी है। उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

डॉक्टर लगातार उसकी निगरानी कर रहे हैं। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि दोनों की तबीयत किस कारण बिगड़ी। प्रारंभिक तौर पर मामला संदिग्ध फूड पॉइजनिंग का माना जा रहा है, लेकिन डॉक्टरों का कहना है कि जांच रिपोर्ट आने के बाद ही वास्तविक कारण सामने आ सकेगा।

मृतक इंद्र सिंह अपने पीछे पत्नी संगीता और तीन बेटों विनोद, राजा और देवा को छोड़ गए हैं। परिवार की एक अन्य सदस्य राधिका भी श्योपुर में उनके साथ रहती थीं। घटना की सूचना मिलते ही रिश्तेदारों और परिचितों में शोक की लहर दौड़ गई। परिजन शव लेने के लिए इटावा रवाना हो गए हैं।

इस घटना के बाद इलाके में तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं। लोग खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और गर्मी में खानपान को लेकर चिंता जता रहे हैं। डॉक्टरों ने भी लोगों को गर्मी के मौसम में सावधानी बरतने और ताजे व सुरक्षित खाद्य पदार्थों के सेवन की सलाह दी है।

अनूपपुर में दोहरे हत्याकांड से सनसनीः पड़ोसी महिला व युवक की धारदार हथियार से हत्या, सड़क किनारे मिला शव

अनूपपुर (ए.)। अनूपपुर के बिजुरी थाना अंतर्गत वार्ड क्रमांक सात में महिला व पुरुष की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई। मृतक युवक का शव सड़क किनारे मिला जबकि महिला की लाश घर के अंदर खून से लथपथ मिली है, दोनों पड़ोसी थे। शुक्रवार सुबह शव देखने के बाद लोगों ने पुलिस को सूचना दी। थाना प्रभारी विकास सिंह ने कहा- वारदात को गुरुवार-शुक्रवार की दरमियानी रात अंजाम दिया गया है। हमला टांगी या कुल्हाड़ी से किया गया। सुरेंद्र के सिर पर धारदार हथियार से वार के कई निशान मिले हैं। पीठ और पैर पर भी घाव हैं।

सुरेंद्र के सिर पर धारदार हथियार से वार के कई निशान मिले

मृतक सुरेंद्र सोनी (26) का शव सड़क किनारे मिला जबकि लल्ली बाई गोंड (45) की लाश घर के अंदर खून से लथपथ मिली है। दोनों पड़ोसी थे। मामला नगर पालिका बिजुरी के वार्ड क्रमांक सात का है। थाना प्रभारी विकास सिंह ने कहा कि वारदात को गुरुवार-शुक्रवार की दरमियानी रात अंजाम दिया गया है। हमला टांगी या कुल्हाड़ी से किया गया।

पन्ना में बड़ा सड़क हादसाः तीन दोस्तों की मौत से क्षेत्र में शोक की लहर, एक की थी शादी की पहली सालगिरह

पन्ना (ए.)। पन्ना के अजयगढ़ क्षेत्र अंतर्गत चंदौर चौकी के पास एक ऐसा दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है, जिसने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है। नहरी पुल के पास हुए इस हादसे में तीन युवकों की जान चली गई, सबसे मर्मस्पर्शी बात यह है कि मृतक युवकों में से एक की आज शादी की पहली सालगिरह थी।

घर लौट रहे थे तीनों दोस्त

प्राप्त जानकारी के अनुसार, बरौली निवासी विजय कुशवाहा (पिता जगदीश कुशवाहा), रज्जू कटकारी (22 वर्ष) और हेतराम केवट (21 वर्ष, पिता राजा राम केवट) मजदूरी का काम करते थे। शनिवार 14 मई देर रात को जब वे नहरी से अपने घर लौट रहे थे, तभी झाल के पास वे हादसे का शिकार हो गए। राहगीरों ने जब उन्हें लहूलुहान हालत में सड़क पर तड़पते देखा, तो तुरंत परिजनों और पुलिस को सूचना दी।

अस्पताल ले जाते समय तोड़ा दम

परिजनों ने आनन-फानन में तीनों को अजयगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां रज्जू कटकारी को मृत घोषित कर दिया गया। अन्य दो घायलों की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें जिला चिकित्सालय पन्ना रेफर किया गया। पन्ना पहुँचते ही हेतराम केवट ने भी दम तोड़ दिया।

तीसरे घायल विजय कुशवाहा की हालत नाजुक होने के कारण उसे प्राथमिक उपचार के बाद रीवा मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। जहाँ उसने भी दम तो? दिया।

किस्मत का क्रूर मजाकः आज ही थी शादी की सालगिरह

इस हादसे का सबसे दुखद पहलू मृतक हेतराम केवट से जुड़ा है। मृतक के दादा शिव प्रसाद ने रुंधे गले से बताया कि आज 15 मई को हेतराम की शादी की पहली सालगिरह थी। घर में खुशियों का माहौल होना था, लेकिन अब सब बर्बाद हो गया। हेतराम की पत्नी 8 माह की गर्भवती है। जिसे पिता बनने की खुशियाँ और शादी की सालगिरह मनानी थी, उस दिन उसकी अर्थी उठ रही है।

अज्ञात वाहन की टक्कर या अनियंत्रित बाइक?

घटना को लेकर फिलहाल संशय बना हुआ है। चदोरा चौकी प्रभारी विक्रम सिंह के अनुसार, प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि बाइक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराई है। परिजनों ने आशंका जताई है कि किसी अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मारी और रौंदते हुए निकल गया। पुलिस ने तीनो शवों का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

चौकी प्रभारी का कहना है कि जांच के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा कि यह हादसा टक्कर के कारण हुआ या बाइक फिसलने की वजह से। फिलहाल, इस घटना ने बरौली और आसपास के गांवों में शोक की लहर दौड़ गयी है।

बॉयज हॉस्टल में पानी लेने गई छात्रा से छेड़छाड़, ABVP कार्यकर्ता और परिजन पहुंचे, जमकर हुआ हंगामा

इंदौर (ए.)। राजेंद्र नगर क्षेत्र के एक प्रतिष्ठित स्कूल में आयोजित समर कैंप के दौरान 13 वर्षीय नाबालिग छात्रा के साथ छेड़छाड़ की घटना सामने आई है। इस मामले की जानकारी मिलने के बाद गुरुवार देर रात स्कूल परिसर में भारी हंगामे और तनाव की स्थिति निर्मित हो गई। घटना की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस बल तुरंत हॉस्टल पहुंचा और महिला पुलिस अधिकारियों की उपस्थिति में पीड़ित छात्रा के साथ-साथ हॉस्टल के अन्य स्टाफ से भी विस्तृत पूछताछ की।

इस पूरे मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने बॉयज हॉस्टल के वॉर्डन विनोद शर्मा को अपनी हिरासत में ले लिया है। राजेंद्र नगर थाना पुलिस ने आरोपी वॉर्डन के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की सुसंगत धाराओं सहित पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, गुरुवार देर रात जब पुलिस की टीम दबिश देने हॉस्टल पहुंची थी, तब आरोपी वॉर्डन वहां से भागने में सफल रहा था, लेकिन पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए शुक्रवार सुबह उसे धरदबोचा।

एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने किया प्रदर्शन

पुलिस ने बताया कि पीड़ित छात्रा मूल रूप से रतलाम की रहने वाली है और वह इस समर कैंप में भाग लेने के लिए इंदौर आई थी। वॉर्डन द्वारा की गई इस घिनौनी और आपत्तिजनक हरकत के बाद डरी हुई छात्रा ने अपने परिजनों को फोन पर पूरी आपबीती सुनाई। इसके बाद छात्रा के स्थानीय परिचित और अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के पदाधिकारी व कार्यकर्ता बड़ी संख्या में स्कूल कैंपस पहुंच गए। कार्यकर्ताओं ने स्कूल प्रबंधन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और हंगामा शुरू कर दिया। मामले के तूल पकड़ने की सूचना मिलते ही पुलिस की वरिष्ठ टीम मौके पर पहुंची और स्थिति को संभालते हुए जांच प्रक्रिया को आगे बढ़ाया।

छोटी बहन के साथ समर कैंप में आई थी छात्रा

राजेंद्र नगर थाना प्रभारी यशवंत बड़ोले ने मामले की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि पीड़ित नाबालिग छात्रा अपनी छोटी बहन के साथ इस समर कैंप का हिस्सा बनने आई थी। यह समर कैंप विगत 3 मई से लगातार संचालित किया जा रहा है, जिसमें विभिन्न शहरों से आए लगभग 18 छात्राएं और 36 छात्र शामिल होकर प्रशिक्षण ले रहे हैं। स्कूल प्रबंधन द्वारा छात्र और छात्राओं के ठहरने के लिए परिसर में ही अलग-अलग हॉस्टल की व्यवस्था की गई थी। पुलिस जांच में यह बात सामने आई है कि 13 मई की शाम को गर्ल्स हॉस्टल में अचानक पानी समाप्त हो गया था, जिसके बाद पीड़ित छात्रा पानी की बोतल लेकर पास ही स्थित बॉयज हॉस्टल की तरफ गई थी। पीड़िता का आरोप है कि इसी दौरान सूनेपन का लाभ उठाकर आरोपी वॉर्डन विनोद शर्मा ने उसे दबोच लिया और उसके साथ अश्लील हरकतें कीं।

अन्य छात्राओं ने भी की छेड़छाड़ की शिकायत

इस घटना के अगले दिन जब हॉस्टल में रहने वाली कुछ अन्य छात्राओं के बीच आपस में बातचीत हुई, तो कुछ और लड़कियों ने भी वॉर्डन विनोद शर्मा के व्यवहार और उसकी संदिग्ध हरकतों को लेकर शिकायत की। अन्य छात्राओं की बातें सुनकर पीड़ित लड़की का हौसला बढ़ा और उसने तुरंत मोबाइल फोन के माध्यम से अपनी मां को पूरे घटनाक्रम की सिलसिलेवार जानकारी दी। घबराए परिजनों की सूचना पर पुलिस ने बिना समय गंवाए कैंपस में दस्तक दी और कानूनी कार्रवाई शुरू की। वर्तमान में पुलिस टीम गिरफ्तार आरोपी वॉर्डन से गहन पूछताछ कर रही है।

व्यापार समाचार

सोने और चांदी की कीमतों में नरमी

नई दिल्ली (ए.)। घरेलू बाजार में शुक्रवार को सोने और चांदी की कीमतों में नरमी आई है। ये गिरावट मुनाफावसूली के कारण आई है। इससे दोनो ही कीमती धातुओं के वायदा भाव में भी गिरावट रही। सुबह घरेलू बाजार में सोने के वायदा भाव 1,60,550 रुपये, जबकि चांदी के भाव 2,81,000 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने और चांदी के वायदा भाव में गिरावट रही। वहीं मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क जून अनुबंध 1,188 रुपये की गिरावट के साथ ही 1,60,790 रुपये के भाव पर खुला। वहीं इसका पिछला बंद भाव 1,61,978 रुपये था। सोने के वायदा भाव ने

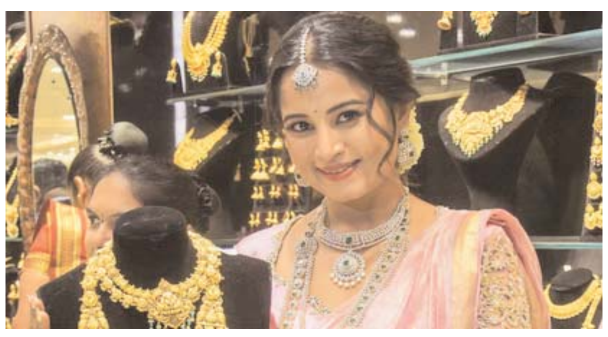

इस साल 1,80,779 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे।

दूसरी ओर चांदी के वायदा भाव की शुरुआत कमजोर रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क जुलाई अनुबंध 11,102 रुपये की गिरावट के साथ 2,80,000 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 2,91,102 रुपये था। वहीं एक समय यह अनुबंध 10,077 रुपये की गिरावट के साथ 2,81,025 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 2,81,765 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 2,79,458 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर हासिल किया। कॉमेक्स पर सोना 4,654.50 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला।

कर्ज जाल में फंसा PAK: अब पैसे जुटाने का तरीका बदला; चीन के पूंजी बाजार में पहली बार जारी किया पांडा बॉन्ड

इस्लामाबाद(ए.)। आर्थिक तंगी से जूझ रहा पाकिस्तान अब कर्ज जाल में बुरी तरह फंस गया है। एक बार फिर वह पैसे जुटाने के लिए वह अपने सदाबहार मित्र चीन के पास पहुंचा है। हालांकि, इस बार उसका पैसे जुटाने का तरीका बदल गया है। दरअसल, पाकिस्तान ने पहली बार चीन के घरेलू पूंजी बाजार में पांडा बॉन्ड जारी किया है और 25 करोड़ अमेरिकी डॉलर जुटाए हैं। इसके साथ ही उसका चीन के पूंजी बाजार में औपचारिक रूप से प्रवेश हो गया है।

पांडा बॉन्ड क्या है?

पांडा बॉन्ड चीन की मुद्रा रेनमिनबी (आरएमबी) में जारी किया जाता है। इसे कोई विदेशी संस्था, संप्रभु सरकार, अंतरराष्ट्रीय संगठन या बहुराष्ट्रीय कंपनी चीन के घरेलू पूंजी बाजार में बेचती है।

पाकिस्तान के वित्त मंत्री ने क्या कहा?

पाकिस्तान के वित्त मंत्री मुहम्मद औरंगजेब के सलाहकार खुर्रम शहजाद ने गुरुवार को बताया कि इस बॉन्ड पर 2.5 प्रतिशत ब्याज दर रखी गई है। इसकी अवधि तीन साल की है।

उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि यह पहला पांडा बॉन्ड तीन साल की निश्चित ब्याज दर वाला वित्तीय साधन है। यह चीन के घरेलू पूंजी बाजार में पाकिस्तान का पहला रिनमिनबी आधारित सरकारी बॉन्ड है। जिओ न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले महीने अंतराष्ट्रीय निवेशकों की नजरों के बीच पाकिस्तान ने 75 करोड़ डॉलर जुटाने के लिए यूरो बॉन्ड जारी किया था।

शेयर बाजार तेजी के साथ खुला

मुम्बई (ए.)। घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को बढ़त के साथ खुला। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये तेली दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही टेक शेयरों में खरीददारी हावी होने से आई है। सुबह 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 98 अंक बढ़कर 75,497 पर और 50 शेयरों पर आधारित एनएसई निफ्टी 41 अंक ऊपर 23,731 के स्तर पर खुला। आज एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार हुआ। वहीं अमेरिकी शेयर बाजार में तेजी रही। जापान के निक्केई में 0.89 फीसदी और टॉपिक्स में 1.18 फीसदी की बढ़त रही। दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.6 फीसदी से उछलकर रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया, जबकि कोस्डैक 0.4 फीसदी गिरा। हांगकांग के हैंग सेंग इंडेक्स फ्यूचर्स नीचे आये।

चीनी निर्यात पर रोक से उड़ी उद्योग की नींद : कीमतों में भारी गिरावट का डर, 12000 रुपये करोड़ के बकाए पर संकट

नई दिल्ली (ए.)। देश में बढ़ती महंगाई और पश्चिम एशिया में तनाव के कारण जारी अनिश्चितता के बीच केंद्र सरकार ने 30 सितंबर तक चीनी के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया है। सरकार का यह कदम घरेलू बाजार में चीनी की उपलब्धता बढ़ाने और

कीमतों को नियंत्रित करने के उद्देश्य से उठाया गया है, लेकिन चीनी उद्योग के विशेषज्ञों ने इस अचानक लिए गए फैसले की कड़ी आलोचना की है। विशेषज्ञों के अनुसार इस कदम से घरेलू बाजार में चीनी के दाम बुरी तरह गिरेंगे, मिलों पर कर्ज का भारी बोझ बढ़ेगा और इसका सीधा नुकसान गन्ना किसानों को उठाना पड़ेगा।

वैश्विक सौदों और छवि पर पड़ेगा नकारात्मक असर

वेस्ट इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन के अध्यक्ष भैरवनाथ ठोंबरे के अनुसार, घरेलू बाजार में चीनी की कीमतें पहले ही गिरना शुरू हो गई हैं। उन्होंने चिंता जताते हुए कहा कि 30 सितंबर तक निर्यात पर अचानक लगी इस रोक से वैश्विक बाजार में भारतीय चीनी मिलों की छवि धूमिल होगी। भारत मुख्य रूप से श्रीलंका, बांग्लादेश, अफगानिस्तान, नेपाल और अरब देशों को चीनी का निर्यात करता है और इस प्रतिबंध से उन कारोबारियों के व्यवसाय खतरे में पड़ गए हैं जिन्होंने इन देशों के साथ पहले ही सौदे तय कर लिए थे।

किसानों का एफआरपी बकाया चुकाना होगा मुश्किल

निर्यात रुकने से मिलों के नकदी प्रवाह पर असर पड़ने की आशंका है, जिससे किसानों के भुगतान (Fair and Remunerative Price या FRP) में बड़ी रुकावट आ सकती है। ठोंबरे ने बताया कि अकेले महाराष्ट्र में चीनी मिलों पर FRP का करीब 1,550 करोड़ रुपये बकाया है, जबकि राष्ट्रीय स्तर पर यह कर्ज लगभग 12,000 करोड़ रुपये का है। ऐसे में मिलों के लिए किसानों का बकाया चुकाना बेहद कठिन हो जाएगा। हालांकि गन्ने की खेती का रकबा कम नहीं होगा, लेकिन किसानों को अपनी उपज से पर्याप्त मुनाफा नहीं मिल सकेगा।

अस्थिर नीतियां और एथेनॉल ब्लेंडिंग की मांग

उद्योग जगत का आरोप है कि सरकार के पास चीनी क्षेत्र के लिए कोई स्पष्ट और निश्चित नीति नहीं है। नेशनल फेडरेशन ऑफ कोऑपरेटिव शुगर फैक्ट्रीज लिमिटेड (एनसीएफसीएसएफ) के पूर्व अध्यक्ष जयप्रकाश दादेगांवकर ने बताया कि चीनी से जुड़े संगठन पिछले चार वर्षों से चीनी के ऊंचे दाम तय करने की मांग कर रहे हैं, लेकिन सरकार ने इसके उलट चार बार एफआरपी बढ़ा दिया।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है,
सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

भारत की संभावनाओं पर लगते ग्रहण का परिणाम

सात साल बाद बर्नस्टीन रिसर्च ने प्रधानमंत्री को अपनी दूसरी चिट्ठी लिखी है, जिसमें वह भारत को लेकर चिंता में डूबा नजर आया है। इसमें उसने भारत की विकास कथा के लिए खड़ी कठिन चुनौतियों पर रोशनी डाली है। अंतरराष्ट्रीय इक्विटी रिसर्च एवं ब्रोकरेज फर्म बर्नस्टीन ने पत्र लिख कर प्रधानमंत्री को उन गंभीर आर्थिक स्थितियों से आगाह किया है, जो भारत की विकास कथा के लिए खतरा बन रही हैँ। इसी फर्म ने 2019 के आम चुनाव में भाजपा की बड़ी जीत के बाद भी नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा था। तब बर्नस्टीन भारत की संभावनाओं को लेकर आशावादी थी। तब उसने कहा था कि पूंजी मुहैया करवा कर बैंकिंग सिस्टम को दुरुस्त कर लिया जाए और दिवालिया संहिता (आईबीसी कोड) को कारगर बना दिया जाए, तो आर्थिक विकास की पटरी पर भारत तेज रफ्तार से दौड़ सकता है। अब सात साल बाद बर्नस्टीन रिसर्च भारत को लेकर गहरी चिंता में डूबा नजर आया है। उसने भारत की विकास कथा के लिए खड़ी चुनौतियों पर रोशनी डाली है। कहा है कि रोजगार का प्रश्न अब चक्रीय नहीं रहा, बल्कि यह भारत के अस्तित्व से जुड़ गया है। बर्नस्टीन ने कहा है कि भारतीय कृषि 1970 के दशक के नीति-जाल में अटकी हुई है। नतीजतन, जीडीपी में 15-16 प्रतिशत योगदान के बावजूद इस पर श्रम शक्ति का 42-45 प्रतिशत हिस्सा निर्भर है। पत्र में आगाह किया गया है कि भारत के सामने यह स्थायी खतरा खड़ा है, जिससे वह आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस का निर्माता नहीं, बल्कि उपभोक्ता भर बन कर रह जाएगा।उधर मैनुफैक्चरिंग में गहराई के अभाव में देश की महत्त्वाकांक्षाएं ठोस आधार नहीं पा सकी हैं। जिन क्षेत्रों में निर्यात बढ़ा है, उनमें भी चीनी पाट-पुर्जों पर 30-40 प्रतिशत निर्भरता बनी हुई है। बर्नस्टीन ने चेताया है कि नकदी ट्रांसफर की योजनाओं की आई बाढ़ के कारण भारत के निम्न उत्पादकता वाला देश बने रह जाने की स्थिति बन रही है। और आखिर में बर्नस्टीन ने दो-टूक कहा है कि कोई देश अनुसंधान एवं विकास पर अपनी जीडीपी का महज 0.6- 0.7 प्रतिशत खर्च कर विकसित नहीं हो सकता। ये वो बातें हैं, जिनकी ओर देश के लिए चिंतित वर्ग अक्सर ध्यान खींचता है। मगर अब खास बात यह है कि वित्तीय पूंजीवाद की प्रमुख वैश्विक संस्थाएं भी वही बात कहने लगी हैं। यह भारत की संभावनाओं पर लगते ग्रहण का परिणाम है।

दवा नहीं, जहर का कारोबारः भारत की साख पर संकट

- ललित गर्ग

पिछले दिनों सामने आई खबरों ने पूरे देश को चिंता और बेचैनी में डाल दिया कि जीवनरक्षक और सामान्य उपयोग की अनेक दवाइयां गुणवत्ता के मानकों पर खरी नहीं उतरीं। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन द्वारा जारी ड्रग अलर्ट में जिन दवाओं के नमूने फेल पाए गए, उनमें हृदय रोग, उच्च रक्तचाप, मधुमेह, मिर्गी, संक्रमण, विटामिन सप्लीमेंट और कफ सिरप जैसी आम उपयोग की दवाएं भी शामिल थीं। यह कोई सामान्य प्रशासनिक त्रुटि नहीं, बल्कि मानव जीवन के साथ किया जा रहा ऐसा खतरनाक खिलवाड़ है, जिसने देश की स्वास्थ्य सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगा दिया है। जिस दवा को रोगी जीवन बचाने की आशा में खरीदता है, वही यदि उसके शरीर में जहर का काम करने लगे तो यह केवल चिकित्सा व्यवस्था की विफलता नहीं, बल्कि मानवीय संवेदनाओं के पतन की पराकाष्ठा है। विडंबना यह है कि दवाओं के निर्माण और वितरण के लिए देश में कठोर नियम, निरीक्षण और परीक्षण की व्यवस्थाएं मौजूद हैं। कच्चे माल की गुणवत्ता से लेकर उत्पादन प्रक्रिया तक कई स्तरों पर जांच होती है, फिर भी बड़ी-बड़ी नामी कंपनियों की दवाइयां यदि अमानक पाई जाती हैं तो यह साफ संकेत है कि कहीं-न-कहीं मुनाफे की अंधी दौड़ ने नैतिकता और मानवता को कुचल दिया है। यह केवल आर्थिक अपराध नहीं, बल्कि मानवता के विरुद्ध अपराध है। दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति यह है कि जिन लोगों पर समाज की जिंदगी बचाने की जिम्मेदारी है, वही लोग अपने स्वार्थ के लिए लोगों की जिंदगी दांव पर लगा रहे हैं।

भारत आज दुनिया की सबसे बड़ी दवा उत्पादन शक्तियों में शामिल है। भारतीय दवाइयां अमेरिका, यूरोप, अफ्रीका, एशिया और मध्य-पूर्व के अनेक देशों में निर्यात होती हैं। भारत को फार्मेसी ऑफ द वर्ल्ड कहा जाता है क्योंकि सस्ती और प्रभावी दवाओं की आपूर्ति में भारत की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। कोरोना महामारी के दौरान भारत ने वैक्सीन और आवश्यक दवाइयों की आपूर्ति कर पूरी दुनिया में अपनी विश्वसनीयता और मानवीय प्रतिबद्धता का परिचय दिया था। जिन राज्यों में उत्पादित घटिया दवाओं का खुलासा हुआ, उनमें हिमाचल प्रदेश पहले पायदान पर रहा, फिर उत्तराखंड, गुजरात, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, केरल, पुडुचेरी, तेलंगाना, सिक्किम, झारखंड, दिल्ली, पश्चिम बंगाल, आंध्रप्रदेश, ओडिशा आदि राज्य शामिल हैं। यानी एक-दो राज्य नहीं, तमाम राज्यों के दवा उत्पादक इस अपवित्र कर्म में शामिल हैं। यूं कहें कि दाल में काला नहीं है बल्कि पूरी दाल काली है। विडंबना देखिए कि कफ सिरप के 17 नमूने फेल हुए हैं। अब यह साफ हो गया कि अफ्रीका व सेंट्रल एशिया के कुछ देशों तथा भारत के कुछ राज्यों में कफ सिरप पीने से बच्चों की मौत के जो आरोप भारतीय दवा कंपनियों पर लगे थे, वे गलत नहीं थे, जिससे पूरी दुनिया में भारतीय दवा उद्योग की छवि खराब हुई।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारत की प्रतिष्ठा को धक्का लगता है और दुनिया भारतीय दवा उद्योग को संदेह की दृष्टि से देखने लगती है। यह स्थिति ऐसे समय में सामने आ रही है जब भारत विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत 2047 तक स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे होने पर विकसित भारत का सपना साकार करने की दिशा में अनेक नए आयाम स्थापित कर रहा है। भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया, आत्मनिर्भर भारत और स्वास्थ्य क्षेत्र में सुधारों के माध्यम से देश वैश्विक नेतृत्व की ओर बढ़ रहा है। भारत को विश्वगुरु बनाने का सपना केवल आर्थिक विकास से नहीं, बल्कि नैतिकता, गुणवत्ता और विश्वसनीयता से भी जुड़ा हुआ है। यदि जीवनरक्षक दवाओं में ही मिलावट और घटियापन सामने आएगा, तो यह सारे सकारात्मक प्रयासों पर धब्बा लगाने जैसा होगा।

आज आवश्यकता इस बात की है कि सरकार दवा नियंत्रण व्यवस्था को और अधिक सशक्त बनाए। केवल औपचारिक निरीक्षण और समय-समय पर जारी होने वाले ड्रग अलर्ट पर्याप्त नहीं हैं। दवा निर्माण इकाइयों की नियमित और पारदर्शी जांच होनी चाहिए। जिन कंपनियों की दवाएं बार-बार मानकों पर फेल होती हैं, उनके लाइसेंस तुरंत रद्द किए जाएं और उनके खिलाफ कठोर दंडात्मक कार्रवाई हो। दवा माफिया और नकली दवा बनाने वाले गिरोहों के खिलाफ विशेष अभियान चलाए जाने चाहिए। यह भी जरूरी है कि दोषियों को केवल आर्थिक जुर्माने तक सीमित न रखा जाए, बल्कि उन्हें कठोर कारावास की सजा दी जाए ताकि दूसरों के लिए भी कड़ा संदेश जाए। यह भी एक गंभीर चिंता का विषय है कि कई बार राज्य सरकारें और नियामक एजेंसियां प्रभावशाली दवा कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई करने से बचती दिखाई देती हैं। धनबल और प्रभाव के कारण जांच प्रक्रियाएं धीमी पड़ जाती हैं और अंततः आम जनता ही इसकी कीमत चुकाती है। यह स्थिति लोकतांत्रिक शासन और प्रशासनिक जवाबदेही दोनों के लिए खतरनाक है।

रोगी इस उम्मीद में दवा लेते हैं कि इससे उनकी बीमारी ठीक होगी। लेकिन यह पता लगे कि जिन दवाइयों का वे सेवन कर रहे हैं वे दवा नहीं बल्कि जहर के रूप में बाजार में आ गई हैं तो क्या बीतेगी? हिंदुस्तान में आज लाखों लोगों को ये दवाएं जीवन-रक्षा नहीं दे रही है बल्कि मार रही है, इंसान का लोभ एवं लालच इंसान को मार रहा है।

ऐसे स्वार्थी लोगों एवं जीवन से खिलवाड़ करने वालों को राक्षस, असुर या दैत्य कहा गया है जो समाज एवं राष्ट्र में तरह-तरह से स्वास्थ्य सुरक्षा के नाम पर मौत बांट रहे हैं। अमानक एवं गुणवत्ता में दोषपूर्ण पाई गई इन दवाओं में कई नामी कंपनियों की दवाएं भी शामिल हैं। दवा उद्योग केवल व्यापार नहीं है, यह विश्वास का उद्योग है। यहां नैतिकता का महत्व सबसे अधिक होना चाहिए। लेकिन दुर्भाग्य से आज लालच और मुनाफाखोरी ने इस क्षेत्र में भी गहरी जड़ें जमा ली हैं। नकली इंजेक्शन, मिलावटी दवाएं, एक्सपायरी दवाओं की री-पैकेजिंग और घटिया कच्चे माल के उपयोग जैसी घटनाएं यह साबित करती हैं कि समाज में संवेदनाओं का स्रोत सूखता जा रहा है। इंसान केवल अपने लाभ के लिए दूसरों की जिंदगी से खेलने को तैयार हो गया है।

उत्तर प्रदेश,असम, पश्चिमी बंगाल में विरोधी दलों का मुस्लिम तुष्टिकरण, खतरे की घंटी।

अजय दीक्षित

उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी, असम में कांग्रेस, पश्चिमी बंगाल में तृणमूल कांग्रेस मुस्लिम तुष्टिकरण के भंवर जाल में फंसती नजर आ रही हैं। उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश में 2012-2017 तक समाजवादी पार्टी की सरकार रही लेकिन उसके बाद से 2017 से 2026 तक भारतीय जनता पार्टी की सरकार है 2027 में आरंभ में चुनाव है। दो टर्म से भी भाजपा सत्ता में है और 1989 के बाद पहला मौका है जब सरकार लौटी है।

उत्तर प्रदेश 23 करोड़ आबादी वाला भारत का सबसे बड़ा प्रदेश है।403 सदस्यीय विधानसभा के अलावा 80 लोकसभा सीट सर्वाधिक है। उत्तर प्रदेश गंगा, जमुना,गंडक,तीर में बसा हराभरा प्रदेश है। भौगोलिक हिसाब से पश्चिमी उत्तर प्रदेश,मध्य उत्तर प्रदेश,पूर्वी, और अवध में बटा हुआ है। समझा जाता है कि इस प्रदेश में सर्वाधिक कृषि भूमि है।आम, गन्ना, आलू, सब्जियों का बहुत बड़ा उत्पादन होता है। इस प्रदेश की राजनीत के बारे में कहा जाता है कि दिल्ली का रास्ता उत्तर प्रदेश हो कर जाता है। गेहूं, बाजरा, अरहर, मूंग, उड़द,का भारत का सबसे बड़ा उत्पादन होता है।

उत्तर प्रदेश की राजनीत हमेशा से सर्वोपरि रही है। आजादी के बाद पंडित जवाहरलाल नेहरू,लाल बहादुर शास्त्री, इंदिरा गांधी, राजीव गांधी, विश्वनाथ प्रताप सिंह, चंद्रशेखर, अटल बिहारी वाजपेई, और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसी प्रदेश से चुने जाते रहे ।इस उत्तर प्रदेश में मुस्लिम लगभग बीस फीसदी के आसपास है। आगरा, अलीगढ़, हापुड़, मेरठ, मुज्जफर नगर, सहारनपुर, मुरादाबाद, रामपुर, लखनऊ, बरेली, सीतापुर सहित अनेक जिले मुस्लिम बाहुल्य है।

मुस्लिम तुष्टिकरण की शुरुआत सबसे पहले समाजवादी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव ने की जब रामजन्भूमि आंदोलन हो रहा था। उसके बाद वे मुख्यमंत्री बने तो मुस्लिमों के लिए मदरसे, कब्रिस्तान, उलेमा के लिए मस्जिदें बनाई गई वह भी शासकीय धन से, बदले में भारतीय जनता पार्टी ने हिंदुओं का धुव्रीकरण आरंभ किया। अखिलेश यादव ने मुलायम सिंह से बढ़कर मुस्लिम तुष्टिकरण किया । नरेंद्र मोदी सरकार आने के बाद हिंदुओं ने भी कुछ ध्रुवीकरण किया। हालांकि उत्तर प्रदेश में 2024 के लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी ने 37 सीट जीती।

बताया जाता है कि उत्तर प्रदेश में कुल आवादी का 19 से 23 फीसदी तक मुस्लिम है। समाजवादी पार्टी अब मुस्लिम तुष्टिकरण के भंवर जाल में फंस गई है।बंगाल में भारतीय जनता पार्टी की जीत से सबसे अधिक राजनीतिक प्रभाव पडा है समाज वादी पार्टी और अखिलेश यादव की इंडी एलायंस की संभावना बहुत ही क्षीण हो गई है।असम में भारतीय जनता पार्टी की जीत से कांग्रेस को झटका लगा है।

2016 में पहली बार असम में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी थी और 2021में दूसरी बार सरकार बनाई और मुख्यमंत्री बने हेमंत विश्व शर्मा।हेमंत शर्मा ने कांग्रेस के मुस्लिम तुष्टिकरण को जमकर भुनाया है और 2026 के चुनावों में 126 विधानसभा क्षेत्र में से 102 पर जीत हासिल की । उल्लेखनीय है कि असम में 38 से 40 फीसदी मुस्लिम आवादी है।यहांपर बांग्लादेश से आने वाले घुसपैठियों का मुद्दा प्रमुख है। हेमंत विश्व शर्मा कहते हैं कि कांग्रेस शासन में असम की डेमोग्राफी बदल गई है।50 वर्ष के शासन काल में कांग्रेस ने इन घुसपैठियों को आधार, वोटर,जैसी सुविधाओं को दिलाया। जिससे वे भारत के नागरिक बन गए और पीडीएस, चिकित्सा, पढ़ाई,में भारतीय की तरह सुविधाएं मिल गई।असल असमी परेशान था । इनमें से काफी लोग अपराधी हैं।

पश्चिम बंगाल में तो मुस्लिम तुष्टिकरण आजादी के 30 वर्ष बाद तब शुरू हुआ जब सीपीएम सीपीई आरएसपी लेफ्ट पार्टियों की सरकार 1977 में बनी और घुसपेठ बंगाल में शुरु हुआ के बाद जब केंद्र में श्रीमती इंदिरा गांधी की सरकार थी और पश्चिमी पाकिस्तान की सेना ने पूर्वी पाकिस्तान में उत्पीड़न किया।1969 से पूर्वी पाकिस्तान से मुस्लिम घुसपेठ कर बंगाल में आए । पहले लेफ्ट पार्टियों ने बाद में तृणमूल कांग्रेस ने इन घुसपैठियों का उपयोग वोट के रूप में किया।

आज की स्थिति बंगाल में लगभग एक करोड़ मुस्लिम घुसपैठिए है। भारत निर्वाचन आयोग ने एस आई आर में 90 लाख मतदाता को हटाया है।बंगाल के भारतीय जनता पार्टी के नेता दिलीप घोष कहते है कि बंगाल में सीपीएम सीपीई आरएसपी लेफ्ट पार्टियों ने आधारकार्ड, वोटरकार्ड मुहैया कराए और इन घुसपैठियों को भारतीय नागरिक बना दिया। अभी हाल में हुए बंगाल और असम विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की जीत का विश्लेषण किया जाए तो ज्ञात होता है कि बहुसंख्यक हिंदुओं ने भाजपा को वोट दिया।एक तरह से यह उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी,के लिए खतरे की घंटी है। विख्यात पत्रकार आशुतोष मानते हैं कि कांग्रेस, डीएमके, तुड़मूल कांग्रेस, बीजेडी, सीपीएम, सीपीई को नए सिरे से रणनीति बनाना चाहिए क्योंकि भारतीय जनता पार्टी ने तो अपनी लाइन बड़ी करदी है।2027 में उत्तर प्रदेश,पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड,गोवा में चुनाव है अभी पंजाब में आम आदमी पार्टी, हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस,बाकी के प्रदेशों में भारतीय जनता पार्टी की सरकार है।

(चिंतन-मनन) पत्थर की पूजा

संत नामदेव के जीवन से जुड़ी यह चर्चित कथा है। उनके पिता दामाशेट दर्जी थे। वह चाहते थे कि नामदेव उनका कारोबार आगे बढ़ाएं पर नामदेव तो दिन भर मंदिर में कीर्तन करते रहते थे। इससे दामाशेट दुखी रहते थे। एक दिन उन्होंने नामदेव को कपड़ों का एक गट्ठर सौंप दिया और कहा कि इसे वह बाजार में बेच आएं। नामदेव बाजार पहुंचे। वहां गट्ठर सामने रख विट्ठल के ध्यान में मग्न हो गए। सभी की कमाई हुई, पर नामदेव खाली ही रहे।

वहीं पास में खेत में कुछ पत्थर पड़े थे। उन्होंने पत्थरों को कपड़ों से ढक दिया और एक बड़े पत्थर से कहा कि आठ दिन बाद फिर आऊंगा, पैसे दे देना, ताकि पिता को हिसाब दे सपूं। पिता ने पूछा तो कहा कि आठ दिन बाद पैसे मिलेंगे। आठ दिन बाद नामदेव उस बड़े पत्थर के पास गए। पैसे मांगने लगे। पर वह कहां से देता! उन्होंने गुस्से में उसे उठाया और पंढरपुर के विट्ठल मंदिर ले आए। बोले- यहीं बापू को जवाब दे देना। दामाशेट बौखला रहे थे- कपड़ों के बदले पत्थर! नजदीक आकर देखा तो वह पूरा पत्थर सोने का हो गया था। यह समाचार सब ओर फैल गया।

स किसान के खेत का पत्थर था, वह आकर सोने का पत्थर मांगने लगा। नामदेव ने अपने कपड़े के पैसे मांगे व पत्थर उसे दे दिया। घर जाकर किसान ने देखा कि वह तो फिर पत्थर बन गया। वह गुस्से मे नामदेव जी के घर वह पत्थर रख गया। आज भी उस पत्थर की पूजा नामदेव के मंदिर में होती है।

मेष राशि: आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। आज आपको काम को पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी। इस राशि के स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन सफलता दिलाने वाला होगा। किसी कॉम्पिटिटिव एग्जाम से संबंधित शुभ समाचार मिलेगा। आज आर्थिक क्षेत्र में स्थिरता बनी रहेगी।

वृष राशि: आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। आप लोगों को अपनी योजनाओं से सहमत कर लेंगे। आज आपके पारिवारिक रिश्ते में मधुरता बढ़ेगी। सभी लोग हंसी-खुशी रहेंगे। बीते दिनों में जितना धन इन्वेस्ट किया था, उसका फायदा आपको आज मिल सकता है।

मिथुन राशि: आज आपका दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज आप अपने व्यवहार को निखारने की कोशिश करेंगे। आपके कुछ कामों में अधिक समय लगेगा, जिससे आपको ऑफिस में देर तक रुकना पड़ेगा। इस राशि के छात्रों को आज पढ़ाई पर ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है।

कर्क राशि: आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज आपका पूरा ध्यान अपने कार्य में सुधार करने में रहेगा। आज बच्चे आपने माता पिता का ज्यादा ध्यान रखेंगे और बात भी मानेंगे। आज किसी को मामूली बात पर डांटने की बजाय विनम्रता से समझाये।

सिंह राशि: आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आया है। आज ऑफिस में वर्कलोड बढ़ सकता है लेकिन आपके द्वारा किया गया काम आपके बॉस को इम्प्रेस करेगा। रुपए-पैसों के मामले में लापरवाही करने से आज आपको बचना चाहिए। टूर ट्रैवल्स से जुड़े लोगों के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है।

कन्या राशि: आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज बिजनेस में आप कुछ बदलाव करेंगे, ये बदलाव आपके लिए फायदेमंद साबित होगा। आज स्टूडेंट्स को कुछ नया सीखने को मिल सकता है। आज फैमिली वालों के साथ किसी बात को लेकर विचार विमर्श करेंगे। नव विवाहित दंपति आज एक दूसरे को समझने की कोशिश करेंगे। वकील वर्ग के लोगों के लिए आज का दिन शानदार रहने वाला है। अचनाक किसी क्लाइंट से धन लाभ होगा। आज प्रॉपर्टी लेने की चल रही बात आज फाइनल हो जायेगी।

तुला राशि: आज आपका दिन अच्छा रहेगा। किसी भी काम को करते समय अपना मन शांत रखें। इससे आपका काम आसानी से पूरा होगा। आज आप कोशिश करेंगे कि आपका व्यवहार सभी के प्रति अच्छा हो और किसी की भावनाओं को भी ठेस न पहुंचे। पैसों से जुड़े बड़े फैसले आज आपको सोच- समझकर लेने चाहिए।

वृश्चिक राशि: आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। व्यापार में आज आपको उम्मीद से अधिक फायदा होगा। घर के किसी काम को पूरा करने में बड़े-बुजुर्ग की राय आपके लिए कारगर साबित होगी। आज आपको पारिवारिक उलझनों से छुटकारा मिलेगा। आपका सही मार्गदर्शन घर के सभी सदस्यों के दिल में एक-दूसरे के प्रति प्यार बढ़ा देगा।

धनु राशि: आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज किसी मामले में अपनी समझ से काम करना होगा, तभी काम का परिणाम अच्छा मिलेगा। आज बड़ों का आशीर्वाद मिलेगा जिससे आपकी सकारात्मकता बढ़ेगी। आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। आज संतान पक्ष से शुभ समाचार मिलने के योग बने हुए हैं। धार्मिक कार्य में आपकी रूचि बढ़ेगी, आज आप सत्संग करवा सकते हैं।

मकर राशि: आज आपका दिन घूमने-फिरने में अधिक बीतेगा। परिवार वाले आज आपको अच्छी राय देंगे। आज आप ऑफिस में किसी काम को आसानी से पूरा करेंगे, जिससे आपके जूनियर और सीनियर सभी तारीफ करेंगे, आपका कॉन्फिडेंस बढ़ेगा साथ ही आपकी रेस्पेक्ट में भी इजाफा होगा। आज आपके व्यापार में उम्मीद से अधिक धन लाभ होगा। अगर आज जॉब चेंज करना चाहते हैं तो सोच-समझ कर ही करें।

कुंभ राशि: आज का दिन आपके लिए खास होने वाला है। आज वर्कप्लेस पर सीनियर्स और बॉस के द्वारा कुछ बताया जा रहा है तो उसे गंभीरता से लें और अपनी कमियों को जानकर उसे सुधारने का प्रयास करें।

मीन राशि:आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। कार्यस्थल पर अच्छे प्रदर्शन को दोहराने के लिए एकाग्रता बनाएं रखनी होगी। बिजनेसमैन के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है, व्यापारिक योजनाओं को लेकर थोड़ी सतर्कता बरते। आज आपका मन अध्यात्म में अधिक लग सकता है।

भारत में कम्युनिस्ट आंदोलन

उत्थान और पतन की अकथ-कथा

डॉ. सुधीर सक्सेना

शुरूआत सचमुच शानदार थी। भारत ब्रिटेन का उपनिवेश था; दमन, शोषण और दीनता का शिकार दास राष्ट्र। महात्मा गांधी विश्व-इतिहास के अलीक-योद्धा के तौर पर परिदृश्य में उभर रहे थे। सारा राष्ट्र आजादी के लिये व्यग्र था। ऐसे में एक नये वैचारिक-आंदोलन ने भारत में प्रवेश किया और सर्वथा अलहदा मिजाज की एक पार्टी ने भारत में जन्म लिया। इसमें केन्द्रीय और अग्रणी भूमिका थी एमएन राय यानि मानवेंद्र नाथ राय की, जिन्हें सोवियत संघ जैसे विशाल राष्ट्र के सर्वेसर्वा बलादिमीर इलिच लेनिन का संग-साथ और विश्वास हासिल था। हुआ यह कि 17 अक्टूबर, सन 1920 को पामीर पार ताशकंद में कम्युनिस्ट इंटरनेशनल की दूसरी कांग्रेस की बैठक हुई और इसने भारत में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के गठन की पूर्वपीठिका रच दी। विचार मंथन और सांगठनिक प्रयासों के बाद अंततः 25 दिसंबर, सन 1925 को भारत के मैनचेस्टर कानपुर में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी का गठन हुआ। इसके शुरूआती नेताओं में एमएन राय के अलावा अबनि मुखर्जी, मोहम्मद अली और शफीक सिद्दिकी प्रमुख थे।

25 दिसंबर, सन 2025 से काल गणना करें तो भारत में कम्युनिस्ट आंदोलन की एक सदी पूरी हो चुकी है। इस मान से यदि एक शती के वृत्तांत यानि कम्युनिस्ट आंदोलन के हश्र को बांचें तो बहुत दिलचस्प चटख और धूमिल रंगों का कोलाज उभरता है। बालीवुड की फिल्म की तर्ज पर हम इसे राइज एण्ड फाल आफ कम्युनिस्ट मूवमेंट-कम्युनिस्ट आंदोलन का उत्थान और पतन भी कह सकते हैं। इस वृत्तांत में लंबे रक्तिम संघर्ष हैं और गर्वीली सफलतायें भी। वहां विफलतायें हैं और बिखराव भी। वहां विमर्श है और विभ्रम भी। संघर्ष, निष्ठा, समर्पण, बलिदान और अनेक महत्वपूर्ण योगदानों के बावजूद इसकी अंततः शोकांतिका में परिणिति विस्मयकारी है, जो बहुतों को शोकाकुल करती है, तो बहुतों को हर्षित भी। क्या वजह है कि ऐसा हुआ? क्या ऐसा होना वृहत्तर समाज के स्वास्थ्य और भविष्य के लिहाज से सुखद है अथवा इसे विडंबना या त्रासदी माना जाये।

विश्व कम्युनिस्ट आंदोलन और भारत के रिश्तों से शुरू करें तो कई अहम निष्कर्ष निकलते हैं। आंदोलन के प्रणेता कार्ल मार्क्स पहले मनीषी हैं, जिसने सन 1857 के अंग्रेजों द्वारा प्रचारित गदर को स्वतंत्रता संग्राम की संज्ञा दी। मार्क्स की भारत के इतिहास में गहरी रूचि थी और वह भारत की आजादी के हिमायती थे। इसमें कोई शक नहीं कि बीसवीं सदी विश्व स्तर पर वाम विचारों की सदी थी और इसने सभी महाद्वीपों में करोड़ों लोगों को वैचारिक तौर पर प्रभावित और आंदोलित किया। श्रमिकों, लेखकों और कलाकारों पर इसका प्रभाव अभूतपूर्व था। श्रम की महत्ता और गरिमा का पाठ प्रस्तुत कर इसने अनेक देशों में कू-दे-ता (तख्तापलट) की स्थितियां पैदा कीं; साहित्य कला और संस्कृति में नये आंदोलन उपजाये, पूंजीवादी-ईमान को डगमग किया, श्रमिकों के लिए बेहतर वातावरण सृजित किया, पारंपरिक रूढ़ियों के प्रति असंतोष उपजाया, उपनिवेशवाद के खिलाफ अलख जगाई और युवा वर्ग की आंखों में नये सपने आंजे। उसने गैर-बराबरी के खिलाफ बराबरी, शोषण के खिलाफ मुक्ति और दासता के खिलाफ स्वतंत्रता की हिमायत की। यह विश्व इतिहास में परंपरा और रूढ़ियों के खिलाफ विचलन और हस्तक्षेप का सर्वथा भिन्न और अपूर्व उपक्रम था। हम स्तालिन, गोर्की, चेखव, माओ, होची मिन्ह, चेग्वेरा, कास्त्रो, नाजिम, हिकमत, फैज, रेजिस द ब्रे, चार्ली चैप्लिन आदि की बात न कर यदि भारतीय परिदृश्य पर भी दृष्टिपात करें तो बड़े और सितारा नेताओं, कवियों, कलाकारों, दार्शनिकों और कार्यकर्ताओं में कौन है, जिसे सोवियत क्रांति अथवा साम्यवादी विचारों व आंदोलनों ने प्रभावित नहीं किया? पं. नेहरू से लेकर भगत सिंह तक, रबींद्रनाथ ठाकुर से लेकर प्रेमचंद तक, राजकपूर से लेकर बलराज साहनी तक, माखनलाल चतुर्वेदी से लेकर गणेश शंकर विद्यार्थी तक नामों की एक अछोर कतार है, जिन्हें साम्यवादी विचारों ने आलोड़ित किया। शहीदे आजम भगत सिंह तो फांसी के तख्ते की ओर जाने से कुछ क्षण पहले तक लेनिन की जीवनी पढ़ रहे थे....

और लेनिन? लेनिन तब नहीं थे, लेकिन बड़ी बात यह है कि लेनिन क्या थे? लेनिन भारत से गेहरे प्रेम में डूबी हुई - महान क्रांतिकारी शख्सियत थे। उन्होंने बंगाल विभाजन के विरोध में लिखा, जालियांवाला कांड की निंदा की, तिलक को मांडले जेल भेजन का विरोध किया, महात्मा गांधी की अगुवाई में आजादी की लड़ाई का समर्थन किया, भारत में अकाल पर अंग्रेज-नीतियों की निंदा की और भगत सिंह जैसे महान क्रांतिकारी समेत सैकड़ों युवकों के विचारों को प्रज्वलित किया।

निश्चित ही, लेनिन अपने प्रति भारतवासियों के बेहतर सोच और सलूक के हकदार हैं। बाद के दौर को देखें तो भी सोवियत और फिर रूस के शासक और जन भारत के प्रति प्रेम, सम्मान और सदिच्छा रखते हैं। चाहे बुल्गानिन, ब्रेभनेव, खुश्चेव और कोसीगिन रहे हों या फिर पुतिन। बावजूद इन संदर्भों के भारत में कम्युनिस्ट आंदोलन बिखरता गया। उन्होंने यत्नपूर्वक ट्रेड यूनियनों को संगठित किया, इंडियन कॉफी हाऊस जैसे दर्जनों संस्थाओं के हेतु बने, सन 1957 में केरल में पहली निर्वाचित सरकार का गठन हुआ, पश्चिम बंगाल में कई दहाइयां उनके लाल झंडे के तले बीतीं, देवेगौड़ा और गुजराल की केन्द्रीय सरकारों में उनकी भागीदारी रही, साहित्य और कला के लोक में उनकी केंद्रीय इयत्ता रही, लेकिन मोटे तौर पर बीती पाव सदी में भारत में कम्युनिस्ट आंदोलन का शीराजा बिखरता गया। क्यों?

अगले साल से ऑनलाइन होगी नीट परीक्षा', पेपर लीक के बाद केंद्रीय शिक्षा मंत्री का बड़ा एलान

नई दिल्ली(आरएनएस)। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट की नई तारीख का ऐलान कर दिया है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए घोषणा की कि NEET-UG की पुन: परीक्षा अब 21 जून को आयोजित की जाएगी। पेपर लीक के आरोपों और छात्रों के विरोध के बाद सरकार ने यह अहम कदम उठाया है। वहीं केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने एलान किया कि अगले साल से नीट परीक्षा ऑनलाइन होगी। प्रेस कॉन्फ्रेंस में शिक्षा मंत्री ने स्पष्ट किया कि सरकार छात्रों की कड़ी मेहनत और उनके प्रयासों के प्रति हमेशा संवेदनशील रही है। उन्होंने कहा, हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता छात्र और उनका भविष्य है। हम किसी भी योग्य छात्र के साथ अन्याय नहीं होने देंगे। घटनाक्रम का ब्योरा देते हुए केंद्रीय मंत्री ने बताया कि यह परीक्षा 3 मई को आयोजित की गई थी। लेकिन 7 मई तक, NTA की शिकायत निवारण प्रणाली के माध्यम से कई आपत्तियां सामने आने लगीं। इन शिकायतों में दावा किया गया था कि कथित गेस पेपर में दिए गए कुछ प्रश्न इस साल के मुख्य प्रश्नपत्र में भी हूबहू आए थे। शिकायतें मिलने के तुरंत बाद, NTA, सरकार और उच्च शिक्षा विभाग ने मिलकर एक प्रारंभिक जांच शुरू की। मामले की गंभीरता को देखते हुए इसे भारत सरकार की संबंधित एजेंसियों को सौंप दिया गया।

धर्मेंद्र प्रधान ने बताया, पहली नजर में यह मामला दो या तीन राज्यों से जुड़ा हुआ प्रतीत हुआ। इसलिए, हमने तुरंत उन राज्यों की जांच एजेंसियों के साथ भी समन्वय स्थापित किया। यह पूरी प्रक्रिया 7 मई की रात को ही

प्रभावी रूप से शुरू कर दी गई थी और 8 मई से आगे तक जारी रही।

जांच प्रक्रिया के बारे में बताते हुए शिक्षा मंत्री ने कहा कि 8, 9, 10 और 11 मई तक चली जांच के बाद स्थिति बिल्कुल साफ हो गई थी। एजेंसियों को यह निश्चित हो गया कि 'गेस पेपर' की आड़ में वास्तव में पेपर लीक किया गया था। उन्होंने कहा, पूरी स्पष्टता मिलने के बाद, 12 मई को हमने छात्रों के हित में कड़ी कार्रवाई की। हमने यह सुनिश्चित किया कि शिक्षा माफियाओं की किसी भी साजिश के कारण, या अनुचित साधनों से अयोग्य उम्मीदवारों को लाभ मिलने की वजह से, कोई भी योग्य और मेधावी छात्र अपने अधिकारों से वंचित न रहे। सरकार के इस कदम के बाद, अब लाखों छात्रों को 21 जून को होने वाली नई परीक्षा की तैयारी के लिए कमर कसनी होगी।

शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के काफिले पर एनएसयूआई का धावा, आईआईएम के बाहर दिखाए गए काले झंडे

अहमदाबाद, (आरएनएस)। देशभर में नीट यूजी परीक्षा के पेपर लीक को लेकर छात्रों का गुस्सा अब सड़कों पर उग्र रूप लेने लगा है। देश के शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को इसी भारी आक्रोश के चलते गुजरात की राजधानी अहमदाबाद में बड़े विरोध का सामना करना पड़ा। कांग्रेस के छात्र संगठन हस्र्ङ्घ के कार्यकर्ताओं ने शिक्षा मंत्री के काफिले को बीच सड़क पर रोक लिया और उन्हें काले झंडे दिखाए। इस भारी हंगामे और नारेबाजी के बाद मौके पर मौजूद पुलिस को कड़ा मोर्चा संभालना पड़ा और प्रदर्शन कर रहे कई कार्यकर्ताओं को तुरंत हिरासत में ले लिया गया।

IIM से निकलते ही सड़क पर उतरे छात्र

यह पूरा बवाल उस वक्त हुआ जब शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान अहमदाबाद स्थित भारतीय प्रबंधन संस्थान (IIM) में एक कार्यक्रम में शिरकत करने के बाद अपनी गाड़ी से गांधीनगर की ओर जा रहे थे। इसी दौरान पहले से विरोध की तैयारी में जुटे NSUI के कार्यकर्ताओं ने उनके काफिले को घेर लिया। काले झंडे दिखाते हुए छात्रों ने सीधा आरोप लगाया कि 22 लाख से अधिक परीक्षार्थियों के भविष्य के साथ जो भद्दा मजाक हुआ है, उसके लिए सीधे तौर पर शिक्षा मंत्री और सरकार की लापरवाही जिम्मेदार है। 2 से 5 लाख में बिका था पेपर, टेलीग्राम पर वायरल थे 410 सवालगौरतलब है कि 3 मई 2026 को आयोजित हुई NEET UG परीक्षा में करीब 22.8 लाख छात्रों ने हिस्सा लिया था, लेकिन पेपर लीक के पुख्ता सबूत मिलने के बाद 12 मई को नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (NTA) ने मजबूर होकर पूरी परीक्षा ही रद्द कर दी।

PM मोदी ने UAE पर हमले की निंदा की, कहा- भारत शांति और स्थिरता के लिए हरसंभव मदद को तैयार

अबू धाबी (आरएनएस)। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी पांच देशों की यात्रा के पहले चरण में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की राजधानी अबू धाबी पहुंचे। यहां एयरपोर्ट पर पीएम मोदी को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। प्रधानमंत्री मोदी और यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान की उपस्थिति में दोनों देशों ने एमओयू का आदान-प्रदान किया, जिसमें रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार भी शामिल है। यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान के साथ प्रतिनिधिमंडल-स्तरीय वार्ता में पीएम मोदी ने कहा कि आज जिस प्रकार से आपकी वायुसेना के जहाजों ने एस्कॉर्ट किया, ये भारत के लोगों का सम्मान है। पिछले दिनों प्राकृतिक आपदा के कारण कुछ इलाकों में जो परेशानी आई, आपने उन पीड़ित परिवारों के प्रति भी संवेदना व्यक्त की, इसके लिए भी मैं आपका बहुत-बहुत आभारी हूं।मध्य-पूर्व में मौजूदा हालातों पर पीएम मोदी ने कहा कि यूएई पर हुए हमलों की हम घोर निंदा करते हैं। यूएई को जिस तरह से निशाना बनाया गया है, वह किसी भी रूप में स्वीकार्य नहीं है। इन कठिन परिस्थितियों में आपने जिस संयम और साहस का परिचय दिया है, ये बहुत ही सराहनीय है। राष्ट्रीय एकता, सुरक्षा और क्षेत्रीय अखंडता बनाए रखने में आपके नेतृत्व में उठाए गए कदमों का हम अभिनंदन करते हैं।उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया क्षेत्र में युद्ध की परिस्थिति का प्रभाव आज पूरे विश्व पर दिखाई दे रहा है। भारत ने मुद्दों को सुलझाने के लिए हमेशा बातचीत और कूटनीति को प्राथमिकता दी है। होर्मुज स्ट्रेट को मुक्त, खुला और सुरक्षित रखना हमारी बड़ी प्राथमिकता है। इस मामले में, अंतरराष्ट्रीय कानूनों का पालन करना अनिवार्य है। भारत हर स्थिति में यूएई के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है और भविष्य में भी खड़ा रहेगा। भारत जल्द से जल्द शांति और स्थिरता की बहाली के लिए हर संभव सहायता प्रदान करने को तैयार है। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'मैं अपने भाई, यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान का अबू धाबी हवाई अड्डे पर मेरा स्वागत करने के उनके विशेष भाव के लिए धन्यवाद करता हूं। मैं ऊर्जा, निवेश, आपूर्ति श्रृंखला और अन्य प्रमुख क्षेत्रों में भारत-यूएई संबंधों को और आगे बढ़ाने की दिशा में हमारी बातचीत का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं।

आपूर्ति नहीं होने के कारण व्यवसायी और साधु संत परेशान

उत्तरकाशी, (आरएनएस)। गंगोत्री धाम में रसोई गैस और व्यावसायिक सिलिंडरों की आपूर्ति नहीं होने के कारण व्यापारियों सहित व्यवसायियों व साधु संतों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उनका कहना है कि यात्रियों को डीजल से संचालित स्टोव आदि में भोजन बनाकर देना पड़ रहा है। इसमें समय अधिक लगने के कारण कई बार यात्री बिना खाए ही जा रहे हैं। प्रशासन की ओर से अभी तक वहां पर आपूर्ति को सुचारू रखने के लिए किसी प्रकार के कदम नहीं उठा रहे हैं। गंगोत्री व्यापार मंडल व होटल एसोसिएशन के मीडिया प्रभारी सतेंद्र सेमवाल, जयपाल रावत, जसपाल पंवार आदि का कहना है कि धाम में हर दिन दर्शन के लिए पंद्रह हजार से अधिक यात्री पहुंच रहे हैं। साथ ही रात्री में भी अच्छी संख्या में श्रद्धालु धाम में रुक रहे हैं लेकिन गंगोत्री में रसोई गैस और व्यवसायिक सिलिंडरों की आपूर्ति न होने के कारण व्यवसायियों सहित वहां पर निवासरत साधु संतों सहित स्थानीय लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

टिहरी बांध प्रभावितों को दो दशक बाद भी पुल निर्माण का इंतजार

उत्तरकाशी,(आरएनएस)। टिहरी बांध परियोजना ने देश को बिजली, सिंचाई और पेयजल की बड़ी सौगात दी लेकिन बांध प्रभावित गांव आज भी बुनियादी सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहे हैं। भागीरथी नदी पर बना ऐतिहासिक छाम पुल वर्ष 2005 में टिहरी झील में समा गया था। इसके बाद से टिहरी और उत्तरकाशी जनपद के करीब 40 गांवों का सीधा संपर्क टूट गया लेकिन दो दशक बीतने के बाद भी कंडीसौड, बल्डोगी पुल का निर्माण शुरू नहीं हो पाया है। छाम पुल कभी क्षेत्र की जीवनरेखा माना जाता था। इसके जरिए लोग कुछ ही मिनटों में नदी पार कर लेते थे, लेकिन पुल डूबने के बाद अब ग्रामीणों को चिन्यालीसौड़ होकर करीब 40 किलोमीटर अतिरिक्त सफ्र तय करना पड़ रहा है। इससे समय और परिवहन खर्च दोनों कई गुना बढ़ गए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि पुल के टूटने से केवल रास्ते नहीं, बल्कि सामाजिक रिश्ते और आर्थिक गतिविधियां भी प्रभावित हुई हैं। पहले शादियों, मेलों और पारिवारिक आयोजनों में गांवों के बीच लगातार मेलजोल बना रहता था लेकिन दूरी बढने् से सामाजिक संपर्क कमजोर पड़ गया है।

नई दिल्ली में पश्चिम बंगाल के राज्यपाल आर.एन. रवि द्वारा केंद्रीय गृह मंत्री और सहकारिता मंत्री अमित शाह का अभिनंदन किया गया।

सीएम बनते ही विजय का एक्शन, 717 शराब के ठेकों पर जड़ा ताला; महिलाओं और सरकारी कर्मचारियों की कर दी मौज

चेन्नई, (आरएनएस)। तमिलनाडु के नए मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने सत्ता की कमान संभालते ही ताबड़तोड़ फैसले लेने शुरू कर दिए हैं। अपने प्रशासन को 'आम लोगों की सरकार' बताने वाले सीएम विजय ने राज्य की महिलाओं, सरकारी कर्मचारियों और आम जनता को राहत देते हुए कई बड़े ऐलान किए हैं।

मुख्यमंत्री जोसेफ विजय ने निर्देश दिया है कि 'कलैंग्नार मगलीर उरिमाई थोगई' योजना के तहत लाभार्थी महिलाओं को मई महीने की 1,000 रुपये की किस्त जल्द ही सीधे उनके बैंक खातों में ट्रांसफर कर दी जाएगी। दरअसल, 23 अप्रैल को हुए चुनावों से पहले विजय की पार्टी टीवीके (TVK) ने अपने चुनावी घोषणा पत्र में 60 वर्ष से कम उम्र की महिलाओं के लिए 2,500 रुपये की मासिक सहायता का बड़ा वादा किया था। सरकार का कहना है कि इस नई योजना को पुनर्गठित और लागू करने के लिए अभी कुछ समय चाहिए, इसलिए फिलहाल पुरानी योजना के तहत ही महिलाओं को 1,000 रुपये की राशि दी जा रही है। राजस्व के बड़े स्रोत होने के बावजूद मुख्यमंत्री विजय

ने शराब की दुकानों को लेकर एक बेहद सख्त कदम उठाया है। उन्होंने राज्य में नियमों का उल्लंघन कर चल रहीं 717 शराब की दुकानों (TASMAC) को महज दो सप्ताह के अंदर बंद करने का कड़ा आदेश जारी किया है। सरकार द्वारा कराए गए एक सर्वे में यह बात सामने आई थी कि ये दुकानें पूजा स्थलों, स्कूलों, कॉलेजों और बस स्टैंडों के 500 मीटर के निर्धारित दायरे का उल्लंघन कर रही थीं। बंद होने वाली इन दुकानों में से 276 पूजा स्थलों के पास, 186 शिक्षण संस्थानों के पास और 255 बस स्टैंडों के पास स्थित हैं।

फ्रैंकफर्ट से हैदराबाद आ रही फ्लाइट में होगा धमाका', बम की धमकी से हैदराबाद एयरपोर्ट पर हड़कंप

हैदराबाद ,(आरएनएस)। हैदराबाद के बाहरी इलाके शमशाबाद स्थित राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (आरजीआईए) पर एक अंतरराष्ट्रीय फ्लाइट में बम की धमकी से हड़कंप मच गया। जैसे ही

फ्लाइट के एयरपोर्ट पर लैंड हुई, उसे आइसोलेशन बे में जे जाकर जांच शुरू की गई है।

यह घटना तब हुई जब लुफ्थांसा एयरलाइंस की फ्लाइट एलएच 754 वी जर्मनी के फ्रैंकफर्ट से हैदराबाद आ रही थी। उड़ान के दौरान एयरलाइन के कस्टमर सपोर्ट को एक ईमेल मिला, जिसमें दावा किया गया कि विमान में बम रखा गया है और शमशाबाद पहुंचने से पहले उसे उड़ा दिया जाएगा। जैसे ही यह धमकी वाला मेल सामने आया, तुरंत ही सुरक्षा एजेंसियां हरकत में आ गईं। एयर ट्रैफिक कंट्रोल से लेकर सीआईएसएफ और एयरपोर्ट सुरक्षा यूनिट तक सभी को अलर्ट कर दिया गया। हालांकि राहत की बात यह रही कि फ्लाइट सुरक्षित तरीके से एयरपोर्ट पर लैंड कर गई। लैंडिंग के बाद विमान को सीधे आइसोलेशन बे (अलग सुरक्षित क्षेत्र) में ले जाया गया, जहां उसकी बारीकी से जांच शुरू की गई। यात्रियों को भी सामान्य सुरक्षा प्रक्रिया के तहत उतारा गया और सभी की जांच की गई। शुरुआती जांच में किसी भी तरह की संदिग्ध वस्तु नहीं मिली लेकिन सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह से सतर्क हैं और ईमेल भेजने वाले की पहचान और स्रोत का पता लगाने की कोशिश की जा रही है।

पीएम मोदी की अपील के बाद बस से सफर पर निकले नितिन गडकरी, बोले- पेट्रोल-डीजल बचाना समय की जरूरत

पुणे, (आरएनएस)। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने गुरुवार को संत ज्ञानेश्वर मौली महाराज पालकी मार्ग का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अपने काफिले के बजाय बस से यात्रा कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ईंधन बचत संबंधी अपील का समर्थन किया।

निरीक्षण यात्रा के दौरान केंद्रीय मंत्री गडकरी ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए कहा कि वह लंबे समय से वैकल्पिक ईंधनों को बढ़ावा देने के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि वर्ष 2004 से वह इथेनॉल, मेथनॉल, बायोडीजल, एलएनजी और ग्रीन हाइड्रोजन जैसे ईंधनों पर लगातार काम कर रहे हैं।

गडकरी ने आगे कहा कि उन्होंने देश का पहला इलेक्ट्रिक स्कूटर, इलेक्ट्रिक कार, ट्रक और बस लॉन्च की है। अब वह कृषि क्षेत्र के लिए मशीनरी और ट्रैक्टर भी लॉन्च कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में इससे करीब 2 लाख करोड़ रुपए की नई अर्थव्यवस्था तैयार होगी और भारत धीरे-धीरे पूरी तरह आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ेगा।

उन्होंने कहा, हमारा लक्ष्य प्रदूषण को खत्म करना और देश को ऊर्जा के मामले में आत्मनिर्भर बनाना है। यह सपना धीरे-धीरे साकार हो रहा है। लेकिन मौजूदा अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों और वैश्विक संकट को देखते हुए हमें पेट्रोल और डीजल की बचत करनी चाहिए। इसी वजह से प्रधानमंत्री ने देशवासियों से अपील की

है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि उन्होंने भी अपनी व्यवस्थाओं में कटौती की है और इसी कारण वह बस से यात्रा कर रहे हैं। उनका कहना था कि ईंधन बचत केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हर नागरिक की जिम्मेदारी है। गौरतलब है कि हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम एशिया में जारी तनाव और ईंधन आपूर्ति पर पड़ रहे असर को देखते हुए देशवासियों से पेट्रोल-डीजल का इस्तेमाल सोच-समझकर करने की अपील की थी। प्रधानमंत्री ने लोगों से एक साल तक सोना खरीदने से बचने, खाने के तेल का कम इस्तेमाल करने और अनावश्यक विदेश यात्राएं टालने की भी सलाह दी थी।

प्रधानमंत्री की अपील के बाद कई राज्यों में सरकारी स्तर पर ईंधन बचत को लेकर कदम उठाए जा रहे हैं। उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और राजस्थान जैसे राज्यों में मुख्यमंत्रियों ने अपने काफिलों में वाहनों की संख्या कम करने के निर्देश दिए हैं।योगी आदित्यनाथ समेत कई बीजेपी शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने इस दिशा में पहल शुरू कर दी है। वहीं केंद्रीय मंत्री सी. आर. पाटिल ने भी एस्कॉर्ट वाहन न लेने का फैसला किया है।रिपोर्ट्स के मुताबिक, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी अपने काफिले में शामिल गाड़ियों की संख्या लगभग आधी कर दी है। वहीं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी अपने काफिले में वाहनों की संख्या कम कर दी है।बताया जा रहा है कि प्रधानमंत्री ने काफिले में इलेक्ट्रिक वाहनों की संख्या बढ़ाने पर भी जोर दिया है। साथ ही निर्देश दिए गए हैं कि इसके लिए नए वाहन खरीदने के बजाय मौजूदा संसाधनों का बेहतर उपयोग किया जाए। मिडिल ईस्ट संकट के गहराने के बाद केंद्र सरकार के कई मंत्रालयों ने भी ईंधन बचत से जुड़े उपायों पर अमल शुरू कर दिया है। सरकार का फोकस अब वैकल्पिक ऊर्जा, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और कम ईंधन खपत वाले परिवहन साधनों को बढ़ावा देने पर है। नितिन गडकरी ने बुधवार को कहा था कि वह प्रधानमंत्री मोदी की अपील का पालन करते हुए अपने काफिले में वाहनों की संख्या घटाएंगे और अधिक से अधिक बस से सफर करेंगे।

ईरान युद्ध के बीच भारत के लिए आई गूड न्यूज , होर्मुज स्ट्रेट पार कर गए 2 एलपीजी टैंकर

नई दिल्ली (आरएनएस)। मिडिल ईस्ट में अमेरिका और ईरान के बीच गहराते युद्ध के बादलों के बीच भारत के लिए राहत भरी एक बड़ी खबर सामने आई है। भीषण तनाव और भारी ब्लॉकेड की धमकियों के बीच भारत की रसोई गैस लेकर आ रहे दो विशाल मालवाहक जहाज 'होर्मुज स्ट्रेट' के खतरनाक समुद्री रास्ते को सफलतापूर्वक पार करने में कामयाब रहे हैं। इस कामयाबी ने न केवल भारत बल्कि अन्य एशियाई देशों की ऊर्जा सप्लाई को लेकर बनी चिंता की लकीरों को थोड़ा कम कर दिया है।

'चोर' रास्तों और बंद लोकेशन के साथ पार किया मौत का साया

खबरों के मुताबिक, भारतीय हितों के लिए बेहद अहम माने जा रहे ये दो जहाज– 'Symi' और 'NV Sunshine'– गुरुवार को गल्फ ऑफ

ओमान में सुरक्षित देखे गए। सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि इन जहाजों ने किसी जासूसी फिल्म की तरह अपनी लोकेशन बताने वाले 'ट्रांसपोंडर' को पूरी तरह बंद कर दिया था। होर्मुज स्ट्रेट जैसे संवेदनशील इलाके को पार करते समय अपनी पहचान और लोकेशन छिपाना इन जहाजों की सुरक्षा के लिए मास्टरस्ट्रोक साबित हुआ। शिप ट्रैकिंग डेटा के अनुसार, 'NV Sunshine' संयुक्त अरब अमीरात की रिफाइनरी से गैस लोड कर पश्चिम भारत के कांडला पोर्ट की ओर बढ़ रहा है, जबकि 'Symi' कतर से सप्लाई लेकर कांडला के लिए रवाना हुआ है।

मौत के साये में भी जारी है सप्लाई का सिलसिला

तनाव के बावजूद खाड़ी देशों के निर्यातक अपनी सप्लाई चेन को टूटने नहीं देना चाहते। इन दो जहाजों की सुरक्षित वापसी के साथ ही रविवार से अब तक होर्मुज स्ट्रेट पार करने वाले बड़े तेल और गैस जहाजों की कुल संख्या 10 तक पहुंच गई है। इसमें तीन अन्य एलपीजी जहाजों के अलावा चार बड़े क्रूड ऑयल टैंकर और एक एलएनजी टैंकर भी शामिल हैं। हालांकि, खाड़ी देशों के कई निर्यातक और कंपनियां अपनी लोकेशन सार्वजनिक किए बिना ही ईंधन भेजने का जोखिम उठा रही हैं, क्योंकि अमेरिका और ईरान के बीच फिलहाल युद्ध टलने के कोई ठोस आसार नजर नहीं आ रहे हैं।

अमेरिकी नेवी की पैनी नजर और बढ़ती घेराबंदी

समुद्र में सुरक्षा के नाम पर अमेरिकी नौसेना की चौकसी भी चरम पर है। इसी कड़ाई के बीच एक बड़ी घटना भी सामने आई, जहां इराकी तेल लेकर वियतनाम जा रहे सुपरटैंकर 'Agios Fanourios I' को अमेरिकी नौसेना ने रोककर वापस मोड़ने पर मजबूर कर दिया। इस समय गल्फ ऑफ ओमान और होर्मुज स्ट्रेट के आसपास चीन और जापान के कई टैंकर भी अमेरिकी ब्लॉकेड लाइन के पास बेहद सक्रिय देखे जा रहे हैं।

पंजाब के लुधियाना में हवाई क्षेत्र को मिली नई उड़ान, हलवारा हवाई अड्डे पर उतरी पहली फ्लाइट

नई दिल्ली, (आरएनएस)। लुधियाना ने शुक्रवार को अपने विमानन और बुनियादी ढांचे के सफर में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की, जब नवनिर्मित हलवारा हवाई अड्डे पर पहली उड़ान उतरी। यह क्षेत्र की लंबे समय से लंबित मांग थी, जिसका उद्देश्य पंजाब में व्यापार, संपर्क और औद्योगिक विकास को बढ़ावा देना है।

केंद्रीय रेल और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट साझा करते हुए इसे लुधियाना और पंजाब की अर्थव्यवस्था के लिए एक ऐतिहासिक क्षण बताया। मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने एक्स पर लिखा, लुधियाना ने उड़ान भरी! आज एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल हुई, जब हमने सांसद विक्रमजीत साहनी और सांसद राजिंदर गुप्ता के साथ हलवारा हवाई अड्डे के लिए पहली उड़ान में सफर किया।

उन्होंने आगे कहा, 30 साल पुरानी मांग को पूरा करते हुए इस परियोजना की शुरुआत से हमारे स्थानीय उद्योग और आर्थिक विकास को जबरदस्त बढ़ावा मिलेगा। पंजाब को दिए गए इस दूरदर्शी उपहार के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का बहुत-बहुत धन्यवाद। लुधियाना के व्यापार और निर्यात की संभावनाएं असीमित हैं।

शहनाज गिल को मिला नया प्यार, कोहली की टीम के इस खिलाड़ी को डेट कर रहीं एक्ट्रेस? वायरल वीडियो ने शुरू की चर्चा

बिग बॉस फेम एक्ट्रेस शहनाज गिल इन दिनों अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चाओं में हैं। सिद्धार्थ शुक्ला के निधन के बाद शहनाज गिल की जिंदगी में कोई प्यार नहीं आया। लेकिन अब ऐसा लगता है कि शहनाज को अपना नया प्यार मिल गया है। इस बार शहनाज को क्रिकेट की फील्ड से प्यार मिला है। केकेआर और आरसीबी का मैच देखने पहुंचीं शहनाज ने कोहली की टीम यानी आरसीबी को सपोर्ट किया। अब इसी के बाद शहनाज गिल के अफेयर की चर्चाएं भी शुरू हो गईं, जहां उनका नाम आरसीबी के एक दिग्गज खिलाड़ी के साथ जोड़ा जा रहा है।

ऐसे शुरू हुईं चर्चाएं

बीती 13 मई को आईपीएल में आरसीबी और केकेआर के बीच हुए मैच में शहनाज गिल भी नजर आईं। स्टेडियम में पहुंचीं शहनाज के आरसीबी को चीयर करते हुए कई वीडियोज वायरल हैं। खुद शहनाज ने भी स्टेडियम में आरसीबी को चीयर करते हुए अपना वीडियो साझा किया है।

इन वीडियोज के सामने आने के बाद से ही शहनाज का नाम आरसीबी के स्टार बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल के साथ जोड़ा जाने लगा। सोशल मीडिया पर शाहनाज और देवदत्त पडिक्कल के डेटिंग की खबरें चर्चाओं में बनी हुई हैं।

शहनाज के वीडियो में जो कमेंट्स हैं, उसमें यूजर्स उनकी खुशी के पीछे का कारण खोजने में लगे दिखे। उनका मानना है कि शहनाज किसी आरसीबी प्लेयर को डेट कर रही हैं, इसलिए इस टीम को सपोर्ट कर रही हैं।

शहनाज के फैंस ने किया एक्ट्रेस का बचाव

हालांकि, एक ओर जहां सोशल मीडिया पर यूजर्स शहनाज का नाम देवदत्त पडिक्कल से जोड़ रहे हैं। वहीं दूसरी ओर शहनाज के फैंस उनका बचाव कर रहे हैं और इन्हें अफवाहें बता रहे हैं। शहनाज के फैंस का कहना है कि एक्ट्रेस सिर्फ टीम को सपोर्ट करने पहुंची थीं।

शहनाज और देवदत्त पडिक्कल के डेटिंग की खबरों में कोई सच्चाई नहीं है। एक यूजर ने कहा कि हर बार किसी सेलिब्रिटी को मैच देखने जाते ही किसी खिलाड़ी से जोड़ देना गलत है। वहीं दूसरे फैन ने लिखा, 'शहनाज आरसीबी की फैन हो सकती हैं। इसका मतलब ये नहीं कि वो देवदत्त पडिक्कल को डेट कर रही हैं।'

शहनाज-देवदत्त ने नहीं दी कोई प्रतिक्रिया

हालांकि, शहनाज और देवदत्त पडिक्कल की ओर से अभी तक डेटिंग की खबरों पर कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। न तो अभी तक चर्चाओं को अफवाह बताते हुए खारिज किया गया है। वहीं अभी तक शहनाज और देवदत्त को कहीं साथ में भी नहीं देखा गया है। इसलिए शहनाज के डेटिंग की खबरें अभी तक सिर्फ चर्चाएं हैं।

भूत बंगला की बॉक्स ऑफिस पर दमदार पकड़ बरकरार, 27 दिनों में 163 करोड़ के पार पहुंची अक्षय की हॉरर-कॉमेडी

किसने सोचा होगा कि अक्षय कुमार और प्रियदर्शन सालों बाद एक साथ काम करके बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा देंगे. इस जोड़ी की लेटेस्ट की हॉरर-कॉमेडी फिल्म भूत बंगला 27 दिनों से टिकट खिड़की पर बवाल काट रही है और हर दिन शानदार कमाई कर रही है. यहां तक कि कई नई रिलीज फिल्मों की भीड़ के बीच भी ये हॉरर-कॉमेडी दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींचने में कामयाब हो रही है.चलिए यहां इसके 27वें दिन का कलेक्शन जानते हैं.भूत बंगला को सिनेमाघरों में धमाल मचाते हुए अब एक महीना पूरा होने को है लेकिन इसके लिए दर्शकों की दीवानगी कम नहीं हो रही है.

पत्नी सोनिया मेरे जीवन का सबसे अहम हिस्सा : हिमेश रेशमिया

मुंबई (ए.)। अपनी शादी की सालगिरह के मौके पर मशहूर गायक, संगीतकार और अभिनेता हिमेश रेशमिया ने पत्नी सोनिया कपूर के लिए एक भावुक पोस्ट साझा किया। इस पोस्ट में हिमेश ने पत्नी के प्रति अपने प्यार और सम्मान को बेहद खूबसूरत शब्दों में जाहिर किया। उनकी यह पोस्ट फैंस और मनोरंजन जगत के कई सितारों को काफी पसंद आ रही है। इंस्टाग्राम पर पत्नी सोनिया कपूर के साथ एक तस्वीर साझा करते हुए हिमेश ने लिखा कि उनकी पत्नी उनकी जिंदगी की हर धुन के पीछे की आत्मा हैं। उन्होंने शादी की सालगिरह की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सोनिया उनके जीवन का सबसे अहम हिस्सा हैं।

गायक के इस रोमांटिक अंदाज ने सोशल मीडिया पर लोगों का ध्यान खींच लिया और फैंस लगातार इस जोड़ी को शुभकामनाएं दे रहे हैं। पोस्ट पर कई फिल्मी हस्तियों ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी। फिल्म निर्देशक फराह खान ने मजाकिया अंदाज में कमेंट करते हुए लिखा, "हो जाए, मेजर।" वहीं म्यूजिक प्रोड्यूसर अंशुल गर्ग ने हार्ट इमोजी के जरिए अपनी शुभकामनाएं दीं। गायिका अदिति शर्मा ने भी दोनों को शादी की सालगिरह की बधाई दी। गौरतलब है कि हिमेश रेशमिया और सोनिया कपूर ने 11 मई 2018 को पारंपरिक हिंदू रीति-रिवाजों के साथ शादी की थी। यह समारोह मुंबई के अंधेरी स्थित हिमेश के लोखंडवाला वाले घर पर आयोजित किया गया था, जिसमें परिवार और करीबी दोस्त शामिल हुए थे।

सोनिया कपूर से शादी हिमेश की दूसरी शादी थी। इससे पहले उनकी शादी कोमल रेशमिया से हुई थी, जिनसे उनका एक बेटा स्वयं है। करीब एक दशक तक साथ रहने के बाद दोनों ने 2017 में अलग होने का फैसला लिया था। हिमेश रेशमिया बॉलीवुड के उन संगीतकारों में गिने जाते हैं जिन्होंने अपने अलग अंदाज और आवाज से संगीत जगत में खास पहचान बनाई। उन्होंने अब तक 1300 से ज्यादा गानों में संगीत दिया है और कई सुपरहिट गीतों को अपनी आवाज भी दी है। संगीत के अलावा उन्होंने अभिनय की दुनिया में भी कदम रखा था। साल 2007 में फिल्म आपका सुरूर से उन्होंने अभिनेता के रूप में शुरुआत की थी। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल रही थी। इसके बाद उन्होंने कर्ज, रेडियो और द एक्सपोज जैसी फिल्मों में काम किया।

ऋतिक ने सांझा की खूबसूरत पारिवारिक तस्वीर

मुंबई (ए.)। सोशल मीडिया पर बॉलीवुड अभिनेता ऋतिक रोशन ने एक खूबसूरत पारिवारिक तस्वीर साझा की, जिसने फैंस का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। इस तस्वीर में ऋतिक के पिता राकेश रोशन, मां पिंकी रोशन, बहन सुनैना रोशन और सबा आजाद एक साथ नजर आए। फ्रांस की प्राकृतिक सुंदरता के बीच खींची गई इस तस्वीर में पूरा रोशन परिवार एक बड़े पेड़ के नीचे मुस्कुराते हुए पोज देता दिखाई दिया। ऋतिक ने तस्वीर के साथ दिलचस्प कैप्शन भी लिखा। उन्होंने बताया कि उन्हें फ्रांस में एक ऐसा पेड़ मिला जिसका नाम 'ओंब्रे दे मेमन' है, जिसका अर्थ 'मां की छाया' होता है। अभिनेता ने मदर्स डे की शुभकामनाएं देते हुए लिखा कि वह उस छाया, ताकत और प्यार को सलाम करते हैं, जो हमेशा परिवार के साथ बना रहता है। ऋतिक ने अपने पोस्ट में हल्का-फुल्का मजाक भी किया।

उन्होंने लिखा कि फ्रांस के लोग उनके पीछे पड़ें उससे पहले वह साफ कर देना चाहते हैं कि वह केवल मजाक कर रहे हैं और उनका परिवार बस पेड़ों से बेहद प्यार करता है। अभिनेता के इस अंदाज को सोशल मीडिया पर काफी पसंद किया जा रहा है और फैंस लगातार उनकी पोस्ट पर प्रतिक्रिया दे रहे हैं। ऋतिक और सबा के रिश्ते को लेकर चर्चा पहली बार साल 2022 में शुरू हुई थी, जब दोनों को एक साथ डिनर डेट पर देखा गया था। इसके बाद धीरे-धीरे दोनों ने सार्वजनिक रूप से अपने रिश्ते को स्वीकार करना शुरू कर दिया। सोशल मीडिया पोस्ट, पारिवारिक समारोहों और सार्वजनिक आयोजनों में दोनों अक्सर साथ दिखाई देते हैं। सबा अब रोशन परिवार के काफी करीब मानी जाती हैं और परिवार के कई खास मौकों पर उनकी मौजूदगी देखी जा चुकी है। कुछ समय पहले ऋतिक के भांजे की शादी के समारोह में भी सबा परिवार के साथ नजर आई थीं।

वहीं, ऋतिक भी सबा के करियर और उनके विभिन्न प्रोजेक्ट्स को लगातार समर्थन देते दिखाई देते हैं। दोनों की बॉन्डिंग को फैंस काफी पसंद करते हैं। सबा से पहले ऋतिक रोशन की शादी इंटीरियर डिजाइनर सुजैन खान से हुई थी। दोनों ने साल 2000 में विवाह किया था, लेकिन 2013 में अलग होने का फैसला लिया। हालांकि तलाक के बाद भी दोनों के रिश्ते सौहार्दपूर्ण बने हुए हैं। वे अपने दोनों बेटों रेहान और रिदान की परवरिश मिलकर कर रहे हैं और अक्सर परिवार के तौर पर साथ नजर आते हैं। बता दें कि इन दिनों अपने परिवार के साथ फ्रांस में छुट्टियां मना रहे हैं। इस खास फैमिली ट्रिप में उनकी गर्लफ्रेंड सबा आजाद भी शामिल हुईं। अभिनेता इन दिनों अपने परिवार के साथ फ्रांस में छुट्टियां मना रहे हैं। इस खास फैमिली ट्रिप में उनकी गर्लफ्रेंड सबा आजाद भी शामिल हुईं।

जब माधुरी दीक्षित की फिल्म देखने से पति नेने ने कर दिया था इनकार, एक्ट्रेस ने शेयर किया था दिलचस्प किस्सा

बॉलीवुड की धक-धक गर्ल माधुरी दीक्षित ने अपने करियर के सबसे सुनहरे दौर में फिल्मों से दूरी बनाकर अमेरिका में एक नॉर्मल और शांत जिंदगी चुन ली थी। उन्होंने डॉक्टर श्रीराम नेने से शादी की, जो उस समय माधुरी की सुपरस्टार इमेज से पूरी तरह अनजान थे।

श्रीराम को नहीं पता था माधुरी की पॉपुलैरिटी के बारे में

एक पुराने इंटरव्यू में माधुरी ने बताया था कि शादी के समय डॉ. नेने को सिर्फ इतना पता था कि वह भारत में एक स्टार हैं, लेकिन उनकी असली पॉपुलैरिटी का अंदाजा उन्हें शादी के रिसेप्शन में जाकर हुआ। माधुरी ने हंसते हुए कहा, 'रिसेप्शन में इतनी भीड़ देखकर वो हैरान रह गए थे। मैंने उनसे कहा कि लोगों की लाइन यहां खत्म नहीं होती, बहुत दूर तक जाती है।'

हर लड़की खुद को चिरैया से जोड़ रही है : दिव्या दत्ता

मुंबई (ए.)। अभिनेत्री दिव्या दत्ता अपनी नई वेब सीरीज चिरैया को लेकर खूब वाहवाही बटोर रही हैं। जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम होने के बाद से ही, यह सीरीज अपनी शानदार कहानी, सशक्त लेखन और सभी कलाकारों के बेहतरीन अभिनय को लेकर सकारात्मक प्रतिक्रिया प्राप्त कर रही है। शशांत शाह द्वारा निर्देशित यह 6-एपिसोड की भावनात्मक और मार्मिक सीरीज मैरिटल रेप और वैवाहिक दुर्व्यवहार जैसे बेहद गंभीर और संवेदनशील सामाजिक मुद्दों पर आधारित है। सीरीज चिरैया को लेकर अभिनेत्री दिव्या दत्ता का मानना है कि यह एक ऐसी सीरीज है, जिससे आज की हर लड़की और महिला अपने आपको गहराई से जोड़ पा रही है, क्योंकि यह समाज के एक कड़वे सच को उजागर करती है। अभिनेत्री ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक पॉडकास्ट का वीडियो साझा किया, जिसमें वे चिरैया को मिल रही प्रतिक्रिया के बारे में बात कर रही थीं। वीडियो में दिव्या कहती हैं, हर कोई चिरैया देख रहा है और उससे प्रभावित हो रहा है। अभी हाल ही में मेरी मुलाकात एक मां से हुई, जिसे चिरैया देखने के बाद अपनी बेटी के ससुराल वालों से बात करने और उनका सामना करने की हिम्मत मिली है।

दिव्या दत्ता ने उस महिला का वाकया बताते हुए अपनी बात जारी रखी जहां मैं योगा करने जाती हूं, वहां पर एक महिला मेरे पास आई और बोली कि क्या मैं आपसे कुछ बात कर सकती हूं, तो मैंने सोचा, योगा के बीच में कैसी बातें करें, तो मैंने उसे इंतजार करने के लिए बोला, लेकिन वह इसके लिए तैयार ही नहीं थी। वह मुझसे उसी वक्त बात करना चाहती थी। दिव्या ने आगे बताया कि उस महिला ने मुझसे कहा, मेरी बेटी को उसके ससुराल वालों ने छोड़ दिया है और मेरे अंदर बेटी के ससुराल वालों से बात करने की हिम्मत नहीं थी। फिर एक दिन मैंने चिरैया देखी और मैं उसे देखकर बहुत रोई। उस सीरीज को देखने के बाद मुझे उनका सामना करने और अपनी बेटी के हक के लिए खड़े होने की हिम्मत मिली।

दिव्या दत्ता ने उस पल के महत्व को समझते हुए कहा, सीरीज को लेकर हमें इस तरह की प्रतिक्रियाएं सुनने को मिल रही हैं। इसके बाद एहसास होता है कि यही तो है विजुअल मीडिया और एक ऐसी कहानी की ताकत। अगर कहानी को बेहतरीन ढंग से पेश किया जाए, उसमें सच्चाई और ईमानदारी हो, तो लोग उस कहानी से खुद को गहराई से जोड़ते हैं, और यह दृश्य को देखकर बहुत अच्छा लगता है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि समाज में अब इन मुद्दों पर एक नई लहर की शुरुआत हो चुकी है। मुझे कल की ही बात याद आ रही है कि किसी ने कहा था कि आजकल हर घर की यही कहानी है। हर कोई चिरैया देख रहा है।

सारा अली खान जुटी पति पत्नी और वो 2 के प्रमोशन में

मुंबई (ए.)। अपनी आगामी ड्रामा फिल्म 'पति पत्नी और वो 2' को लेकर बॉलीवुड अभिनेत्री सारा अली खान बेहद उत्साहित हैं। प्रमोशन में जुटी सारा अली खान ने फिल्म में एक अहम किरदार निभा रहीं अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह के 'नीलोफर' नामक किरदार को लेकर मजेदार खुलासा किया है। अभिनेत्री का मानना है कि फिल्म का हर एक किरदार अपने आप में खास और महत्वपूर्ण है, मगर उनकी खासी दिलचस्पी अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह के निभाए गए 'नीलोफर' के किरदार में थी। बातचीत के दौरान, फिल्म के सह-कलाकार आयुष्मान खुराना ने सबसे पहले यह राज खोला। जब उनसे पूछा गया कि फिल्म में कई मुख्य किरदार होने पर क्या किसी को दूसरे का रोल ज्यादा पसंद आया, तो आयुष्मान ने बताया कि सारा अली खान को रकुल प्रीत सिंह का किरदार बहुत भाया। उन्होंने कहा कि सारा को लगता है कि नीलोफर के डायलॉग सबसे बेहतरीन और प्रभावशाली हैं।

इस पर सारा अली खान ने भी अपनी बात रखते हुए रकुल प्रीत सिंह की कॉमिक टाइमिंग और अभिनय की खूब प्रशंसा की। सारा ने कहा, "मुझे नीलोफर का किरदार बहुत पसंद आया था। फिल्म की स्क्रिप्ट पढ़ते समय ही यह रोल मुझे बेहद आकर्षक लगा। लेकिन अब जब मैंने सामने से देखा कि रकुल ने इसे कैसे निभाया है, तो मुझे लगता है कि उनके लिए यह रोल बिल्कुल परफेक्ट था। रकुल इतनी मजेदार और स्वाभाविक लग रही हैं कि जो हुआ अच्छे के लिए ही हुआ। अगर कोई दूसरी दुनिया होती और मुझे मौका मिलता तो मैं जरूर नीलोफर का किरदार निभाना चाहती।" यह टिप्पणी उनके किरदार के प्रति उनके गहरे लगाव और रकुल के प्रदर्शन के प्रति उनके सम्मान को दर्शाती है।

इसके साथ ही रकुल प्रीत सिंह ने भी अपने अनुभव साझा किए। आयुष्मान खुराना के साथ पहले भी काम कर चुकीं रकुल ने बताया कि दोस्तों और परिचित सह-कलाकारों के साथ दोबारा काम करना काफी आसान और मजेदार होता है। उन्होंने कहा, इस बार सबसे अलग बात यह रही कि सेट पर बहुत सहजता थी।

हमें एक-दूसरे के काम करने के तरीके, हमारी केमिस्ट्री और हमारे अभिनय की शैली के बारे में पहले से पता था। इससे काम करना न केवल आसान हो जाता है, बल्कि यह मस्ती भरा और रचनात्मक रूप से संतोषजनक भी बन जाता है।

फिल्म 'पति पत्नी और वो 2' टी-सीरीज और बी.आर. स्टूडियोज के बैनर तले बनी है। यह एक कॉमेडी-ड्रामा फिल्म है जो दर्शकों को हंसाने और सोचने पर मजबूर करने का वादा करती है। यह फिल्म आगामी 15 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है।

पिता हमेशा कहा करते थे, लगे रहो बेटे, काम करते रहो : ईशा देओल

मुंबई (ए.)। बॉलीवुड अभिनेत्री ईशा देओल के लिए हमेशा ही सबसे बड़ी प्रेरणा उनके दिवंगत पिता अभिनेता धर्मेंद्र की सीख और विश्वास रहा है। हाल ही में एक कार्यक्रम के दौरान ईशा ने अपने नए बिजनेस के बारे में बात करते हुए भावुक अंदाज में बताया कि उनके पिता हमेशा उनकी रचनात्मक सोच को प्रोत्साहित करते थे। अपने सपनों को पूरा करने के लिए आगे बढ़ने की हिम्मत देते थे।

ईशा ने मुंबई के रियल एस्टेट समूह 'द हाउस ऑफ अभिनंदन लोढ़ा' के साथ मिलकर अलीबाग में लग्जरी विला डिजाइन प्रोजेक्ट की शुरुआत की है। इस अवसर पर उन्होंने बताया कि वह और उनके पिता घंटों तक अलग-अलग जगहों की बनावट, घरों की संरचना और साधारण स्थानों की खूबसूरती पर चर्चा किया करते थे। उन्होंने कहा कि उनके पिता अक्सर

उन्हें एक ही बात कहते थे "लगे रहो बेटे, करते रहो।" ईशा के मुताबिक यही शब्द आज भी उन्हें प्रेरित करते हैं और आगे बढ़ने का हौसला देते हैं। उन्होंने कहा कि पिता के विश्वास ने ही उन्हें अपने इस सपने को साकार करने की ताकत दी। अपने नए डिजाइन कारोबार का नाम ईशा ने 'ईशा धर्मेंद्र देओल डिजाइन' रखा है। इस नाम के पीछे भी पिता से जुड़ी एक खास भावना है। उनके बिजनेस के लोगो में लालटेन का प्रतीक बनाया गया है, जिसे धर्मेंद्र ने खुद अपने हाथों से तैयार किया था।

ईशा ने बताया कि यह लालटेन उनके लिए केवल एक डिजाइन नहीं, बल्कि पिता के प्यार और आशीर्वाद की निशानी है। उन्होंने कहा कि वह इस रोशनी को अपने काम के जरिए आगे बढ़ाना चाहती हैं। ईशा ने सोशल मीडिया पर भी अपने इस नए सफर की जानकारी साझा की।

लगातार शून्य पर आउट होना... शतक जड़ने के बाद कोहली ने बोली बड़ी बात

नईदिल्ली, (ए.)। स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को अंक तालिका में टॉप पर पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई. कोहली के ही शतक की बदौलत आरसीबी ने केकेआर के खिलाफ 193 रनों को 5 गेंद पहले ही आसानी से चेज कर लिया. इस जीत के साथ आरसीबी के कुल 16 पॉइंट्स हो गए हैं और वो अंक तालिका में टॉप पर पहुंच गया है. जिसकी वजह से उनके प्लेऑफ में पहुंचने के चांस सबसे ज्यादा हैं।

कोहली ने 60 गेंदों में 105 रनों की पारी खेली. जिसमें 11 चौके और 3 छक्के शामिल थे। इस शानदार प्रदर्शन की वजह से उन्हें प्लेयर ऑफ दि मैच का अवॉर्ड भी दिया गया. जिसके साथ वो आईपीएल में सबसे ज्यादा 21 बार ये अवॉर्ड जीतने वाले रोहित शर्मा की बराबरी कर ली. इसके अलावा ये कोहली का आईपीएल में 9वां शतक था। खास बात ये हैं कि इस दमदार पारी से पहले विराट कोहली लगातार दो बार शून्य पर आउट हो चुके थे. इसलिए इस मैच में सारी निगाहें कोहली की ही तरफ थीं. लेकिन दबाव में ही कोहली सबसे अच्छा खेलते हैं, ये तो हर किसी को मालूम है।

मैच के बाद कोहली ने कहा कि प्रदर्शन के दबाव को लेकर बैचेनी उन्हें भी होती है और आईपीएल में पिछले दो मैचों में शून्य पर आउट होने से वह नर्वस हो गए थे. कोहली ने कहा, पिछले दो मैचों में रन नहीं बना पाने से मैं काफी बेचैन था. मुझे पता था कि मैं अच्छा खेल सकता हूं और रन बना सकता हूं।

उन्होंने कहा, ऐसे में जब आप रन नहीं बना सके और टीम के लिये योगदान नहीं दे सके तो बेचैनी होती है. मेरा हमेशा से लक्ष्य टीम के लिये योगदान देने का रहा है. मैं लगातार बेहतर प्रदर्शन की कोशिश करता हूं ताकि अपना सर्वश्रेष्ठ टीम को देकर छाप छोड़ सकूं।

उन्होंने आगे कहा, शतक जमाने के बाद जश्न बड़ा नहीं था क्योंकि हमें अंकों की अहमियत पता है. हम सभी टीम के लिए खेलने का प्रयास करते हैं. इसलिये कहते हैं कि दबाव अच्छा रहता है क्योंकि इससे आपको अपना खेल निखारने में मदद मिलती है. दो मैचों में अच्छा नहीं खेल पाने से नर्वस था जिससे अच्छे प्रदर्शन में मदद मिली. इसलिये नाकामियां भी जरूरी है जो और बेहतर करने के लिये प्रेरित करती हैं।'

50 ओवर में जड़ा तिहरा शतक, बने 822 रन और 794 रनों से मिली जीत!

नईदिल्ली,(ए.)। बल्लेबाजों के ज्यादा आक्रामक रवैया अपनाने और पिचों के भी उनके लिए मददगार होने से, 50 ओवर के क्रिकेट में 300 से ज्यादा रन बनाना अब कोई मुश्किल काम नहीं रह गया है. टीमें कभी-कभी 400 रन भी बना लेती हैं, लेकिन कंप्यूटर गेम को छोड़कर कोई भी 800 रन बनाने की कल्पना भी नहीं कर सकती. लेकिन, जिम्बाब्वे में हुए एक क्रिकेट मैच में कुछ अविश्वसनीय नजारे देखने को मिले, जब एक टीम ने 50 ओवर में 822 रन बना डाले, और 794 रनों से बड़ी जीत दर्ज की।

ये मैच स्कॉर्पियंस क्रिकेट क्लब और मीथेन लायंस के बीच खेला गया. टॉस जीतकर स्कॉर्पियंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 50 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 822 रन बनाए।

विन्फ्रेंड मुटेंडे ने सिर्फ 75 गेंदों में 13 छक्कों और 23 चौकों की मदद से 203 रन बनाए. जबकि तकुंडा मडेम्बो ने 143 गेंदों में 7 छक्कों और 50 चौकों की मदद से 302 रन बनाए. जबकि गैब्रियल जया ने भी 49 गेंदों में 22 चौकों की मदद से 110 रन बनाकर टीम में अहम योगदान दिया।

बल्लेबाजी के लिए मददगार दिख रही पिच बाद में मीथेन लायंस के बल्लेबाजों के लिए मुश्किल साबित हुई, और वे सिर्फ 28 पर ही आलऑउट हो गए, जिससे उन्हें 794 रन की बड़ी हार का सामना करना पड़ा।

अभी तक का मान्यता प्राप्त लिस्ट ए मैच में सबसे बड़ा स्कोर बिहार के नाम है, जिसने विजय हजारे ट्रॉफी के दौरान रांची में अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ 574/6 का स्कोर बनाया था।

पंजाब किंग्स की लगातार पांचवीं हार, प्लेऑफ में पहुंचने का रास्ता हुआ कठिन

नईदिल्ली, (ए.)। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में मुंबई इंडियंस ने धर्मशाला के हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में पंजाब किंग्स को छ विकेट से मात दे दी।

तिलक वर्मा की 75 रनों की शानदार पारी की बदौलत मुंबई इंडियंस ने 201 रनों के लक्ष्य को चार विकेट खोकर, एक गेंद शेष रहते ही आसानी से हासिल कर लिया. जिसमें रयान रिकेल्टन के 23 गेंदों में चार चौके और चार छक्के की मदद से 48 रन बनाए. इसके अलावा तिलक ने सिर्फ 25 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया और 33 गेंद में 75 रन बनाकर नाबाद रहे. उनकी मैच जिताऊ पारी में छह चौके और छह छक्के शामिल थे।

विल जैक्स ने 10 गेंदों में तेजी से 25 रन बनाकर पारी को शानदार अंत दिया, जिससे मुंबई इंडियंस ने एक रोमांचक मुकाबले में लक्ष्य का सफलतापूर्वक पीछा कर लिया. आखिरी ओवर में मुंबई को जीत के लिए 15 रनों जरूरत थी. लेकिन पंजाब की तरफ से जेवियर बार्टलेट वो रन डिफेंड नहीं कर सके और तीन छक्के खाकर मैच हार गए।

इससे पहले, पंजाब किंग्स ने 20 ओवरों में 200/8 का स्कोर खड़ा किया था, जिसमें प्रभसिमरन सिंह के अर्धशतक और अजमतुल्लाह उमरज़ई की अंत में खेली गई छोटी लेकिन तेज पारी का अहम योगदान रहा।

विकेटकीपर-बल्लेबाज प्रभसिमरन ने 32 गेंदों में 57 रन बनाए, जिसमें छह चौके और चार छक्के शामिल थे. उमरजई ने सिर्फ 17 गेंदों में तेजी से 38 रन बनाए, जिसमें चार छक्के शामिल थे. मुंबई की तरफ से शार्दुल ठाकुल सबसे सफल गेंदबाज रहे. उन्होंने चार ओवर में 39 रन देकर 4 विकेट लिए।

ये पंजाब किंग्स की लगातार पांचवीं हार है. जिसकी वजह से उनका प्लेऑफ में पहुंचने का रास्था कठिन हो गया है. पंजाब किंग्स आईपीएल 2026 की टेबल में चौथे स्थान पर है, उसने 12 मैच खेले हैं, जिनमें से 6 जीते, 5 हारे और 1 मैच बारिश की वजह से रद्द हो गया. उसके पास कुल 13 पॉइंट्स हैं. उसके अभी दो मैच बाकी हैं—17 मई को धर्मशाला में आरसीबी के खिलाफ और 23 मई को लखनऊ में एलएसजी के खिलाफ।

वहीं उनसे पीछे सीएसके और राजस्थान रॉयल्स हैं, दोनों के पास 12-12 पॉइंट्स हैं और उनके कुछ मैच अभी बाकी हैं. आरसीबी और जीटी 16-16 पॉइंट्स के साथ टॉप पर हैं, जबकि एसआरएच 14 पॉइंट्स के साथ तीसरे स्थान पर है. टॉप चार टीमों में पंजाब किंग्स की स्थिति सबसे ज्यादा कमजोर है और अब उसका अपना भविष्य उसके अपने हाथों में नहीं रहा है.अगर पंजाब अपने बाकी बचे दोनों मैच जीत जाता है तो उसके कुल 17 पॉइंट्से हो जाएंगे. जिससे उनकी प्लेऑफ की सीट कंफर्म हो जाएगी. लेकिन अगर वो एक मैच जीत जाता है और एक मैच हार जाता है तो उसके कुल 15 पॉइंट्स ही होंग. जिससे उनका प्लेऑफ में पहुंचने के लिए दूसरे मैचों के नतीजों पर निर्भर होना पड़ेगा।

फ्रांस के फ्रेडरिक सोयेज बने जूनियर पुरुष हॉकी टीम के नए कोच

नई दिल्ली, (ए.)। फ्रांस के फ्रेडरिक सोयेज को भारतीय जूनियर पुरूष हॉकी टीम का नया कोच बनाया गया जो दो बार के ओलंपिक पदक विजेता पी आर श्रीजेश की जगह लेंगे. पूर्व स्टार गोलकीपर श्रीजेश का अनुबंध पिछले साल चेन्नई और मदुरै में एफआईएच जूनियर विश्व कप में कांस्य पदक जीतने के बाद खत्म हो गया था. हॉकी इंडिया ने उनके अनुबंध का नवीनीकरण नहीं किया।

सोशल मीडिया पर एक तल्ख पोस्ट में श्रीजेश ने अपनी निराशा व्यक्त करते हुए कहा कि उनके कार्यकाल के दौरान पांच टूर्नामेंटों में पांच पदक जीतने के बावजूद उनका अनुबंध नहीं बढाया गया लेकिन हॉकी इंडिया ने तर्क दिया कि यह फैसला 2036 ओलंपिक की मेजबानी की भारत की महत्वाकांक्षाओं के अनुरूप एक टिकाऊ और उच्च स्तरीय प्रदर्शन वाला इकोसिस्टम बनाने के दीर्घकालिक दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए लिया गया था।

यूरोपीय हॉकी के बेहतरीन कोचों में से एक सोयेज के पास शीर्ष स्तर पर 15 साल का कोचिंग का अनुभव है. वह 1995 से 2010 तक फ्रांस के लिये 196 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले और 195 गोल किये. इसके बाद फ्रांस और स्पेन के कोच रहे.

उनके कोच रहते स्पेन रियो ओलंपिक में पांचवें स्थान पर रहा. वह तोक्यो ओलंपिक में भी स्पेन के कोच रहे जबकि पेरिस ओलंपिक 2024 में फ्रांस के मुख्य कोच थे. स्पेन के कोच रहते उन्होंने टीम को 2019 यूरोपीय चैम्पियनशिप में रजत पदक दिलाया।

'अब करियर का अंत करीब..', वनडे विश्व कप को लेकर विराट कोहली का छलका दर्द

नई दिल्ली (ए.)। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार बल्लेबाज ड्ड्वह्डह्ल चशद्धद्यद्ध ने अपने क्रिकेट करियर और भविष्य को लेकर बड़ा बयान दिया है। फिलहाल आईपीएल में खेल रहे कोहली अब इंटरनेशनल क्रिकेट में केवल वनडे फॉर्मेट में ही नजर आते हैं। वे पहले ही टेस्ट और टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं। इसी बीच एक पॉडकास्ट इंटरव्यू में उन्होंने अपने करियर, फॉर्म और रिटायरमेंट को लेकर खुलकर बात की।आरसीबी के पॉडकास्ट में बातचीत के दौरान कोहली ने टेस्ट क्रिकेट छोड़ने के फैसले पर भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि रेड बॉल क्रिकेट में उनकी फॉर्म वैसी नहीं रह गई थी जैसी वे खुद से उम्मीद करते थे। कोहली ने माना कि हर खिलाड़ी के करियर में एक समय ऐसा आता है जब उसे अपने शरीर और मानसिक स्थिति को समझना पड़ता है।वहीं 2027 वनडे विश्व कप में खेलने को लेकर भी उन्होंने बड़ा संकेत दिया। कोहली ने कहा कि अगर वे टीम के लिए उपयोगी साबित हो रहे होंगे और टीम को उनकी जरूरत होगी तो वे जरूर खेलना चाहेंगे। हालांकि उन्होंने यह भी साफ किया कि वे सिर्फ बड़े नाम के आधार पर टीम में जगह नहीं चाहते। उनका कहना था कि हर बार खुद को साबित करने का दबाव सही नहीं है और वे पूरी ईमानदारी से अपनी तैयारी कर रहे हैं।अपने करियर के आखिरी दौर को लेकर भी कोहली काफी भावुक नजर आए। उन्होंने कहा कि उन्हें एहसास है कि उनके क्रिकेट करियर का अंत अब ज्यादा दूर नहीं है। कोहली बोले कि जब वे क्रिकेट से संन्यास लेंगे तो पूरी तरह से सार्वजनिक जीवन से दूर हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि वे अपने करियर को बिना किसी पछतावे के खत्म करना चाहते हैं और अब उनका फोकस रिकॉर्ड बनाने से ज्यादा खेल का आनंद लेने पर है। कोहली के इस बयान के बाद क्रिकेट फैंस के बीच उनके भविष्य को लेकर चर्चाएं और तेज हो गई हैं।

पोलार्ड ने की बदजुबानी तो चला IPL का डंडा, चौथे अंपायर को अपशब्द कहने की मिली सजा; कटी मैच फीस

नई दिल्ली (ए.)। मुंबई इंडियन्स के बल्लेबाजी कोच केरोन पोलार्ड को मैदान पर आपा खोना भारी पड़ गया। चौथे अंपायर के लिए अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने पर आईपीएल ने उन पर मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माना लगाया है। यह घटना गुरुवार को मुंबई और पंजाब के बीच खेले गए मुकाबले के दौरान हुई, जिसमें मुंबई ने 6 विकेट से जीत दर्ज की थी। मैच के रोमांच के बीच पोलार्ड का व्यवहार चर्चा का विषय बन गया।आईपीएल ने शुक्रवार सुबह जारी बयान में कहा कि पोलार्ड को खिलाड़ियों और टीम अधिकारियों के लिए लागू आचार संहिता के लेवल-1 उल्लंघन का दोषी पाया गया है। इसके तहत उन पर जुर्माने के साथ एक डिमेरिट अंक भी लगाया गया। लीग के मुताबिक, पोलार्ड ने आचार संहिता के अनुच्छेद 2.3 का उल्लंघन किया, जो मैच के दौरान अभद्र भाषा के इस्तेमाल से संबंधित है। यह घटना दूसरी पारी के 19वें ओवर में हुई, जब चौथे अंपायर के साथ उनकी बहस बढ़ गई। हालांकि, पोलार्ड ने अपनी गलती स्वीकार कर ली और मैच रेफरी पंकज धर्माणी द्वारा दी गई सजा को मान लिया।

विदेश समाचार

अमेरिकी सेना का दावा-'ईरान की सैन्य ताकत 90 प्रतिशत तक कमजोर', सीनेट में किया सैन्य कार्रवाई का बचाव

वाशिंगटन (ए)। अमेरिका सेना ने सीनेट में एक सुनवाई के दौरान ईरान के खिलाफ सैन्य अभियान का बचाव किया है। ट्रंप प्रशासन ईरान पर हमलों को लेकर अमेरिकी सीनेट में सुनवाई का सामना करना पड़ रहा है। कई सांसदों ने बढ़ते आर्थिक और क्षेत्रीय जोखिमों को लेकर चिंता जताई है। इसी बीच, अमेरिकी सैन्य अधिकारियों ने दावा किया कि तेहरान की सैन्य क्षमताओं को गंभीर रूप से कमजोर कर दिया गया है।सीनेट सशस्त्र सेवा समिति के सामने पेश होते हुए एडमिरल चार्ल्स कूपर-द्वितीय ने 'ऑपरेशन एपिक फ्यूरी' का बचाव करते हुए कहा कि अमेरिकी सेना ने मध्य पूर्व में सैन्य शक्ति दिखाने की ईरान की क्षमता को सफलतापूर्वक कमजोर कर दिया है। एडमिरल चार्ल्स कूपर-द्वितीय ने सांसदों से कहा, 40 दिनों से भी कम समय में सेंटकॉम बलों ने हमारे सैन्य उद्देश्यों को हासिल कर लिया। हमने ईरान की अपनी सीमाओं के बाहर शक्ति दिखाने और क्षेत्र व हमारे हितों को खतरे में डालने की क्षमता को कम कर दिया है।कूपर ने कहा कि ईरान की मिसाइल, ड्रोन और नौसैनिक औद्योगिक संरचना लगभग 90 प्रतिशत तक नष्ट हो चुकी है।

आत्मघाती हमले से दहला पाकिस्तान! आतंकियों ने सेना कैंप में किया धमाका, 15 सैनिकों की मौत

इस्लामाबाद (ए.)।पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के बाजौर जिले में स्थित पाकिस्तानी सेना के एक कैंप पर बड़ा आत्मघाती हमला हुआ है। शुरुआती रिपोर्ट्स के अनुसार, इस हमले में कम से कम 15 पाकिस्तानी सैनिकों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल बताए जा रहे हैं। हमले को सुनियोजित साजिश माना जा रहा है।

जानकारी के मुताबिक, आतंकियों ने सबसे पहले सेना के कैंप के एक हिस्से में जोरदार विस्फोट किया। धमाके के बाद मची अफरा-तफरी का फायदा उठाकर भारी हथियारों से लैस आतंकवादी कैंप के भीतर घुस गए। इसके बाद सुरक्षा बलों और आतंकियों के बीच लंबे समय तक मुठभेड़ चली।

आतंकी संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (TTP) ने इस हमले की जिम्मेदारी ली है। संगठन ने बयान जारी कर दावा किया कि हमला उसकी 'स्पेशल इस्तशहादी फोर्सेज' (SIF) ने अंजाम दिया। अक्टूबर 2025 में क्वेटा में हुए हमले के बाद यह पहला मौका है जब टीटीपी ने आधिकारिक तौर पर किसी आत्मघाती हमले की जिम्मेदारी स्वीकार की है। बाजौर जिला लंबे समय से आतंकवादी गतिविधियों से प्रभावित रहा है। घटना के बाद पूरे इलाके में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। गौरतलब है कि पिछले एक सप्ताह में खैबर पख्तूनख्वा में यह दूसरा आत्मघाती हमला है। इससे पहले मंगलवार को लक्की मरवत जिले की सराय नौरंग तहसील के नौरंग बाजार में विस्फोटकों से भरे ऑटोरिक्शा में धमाका किया गया था। उस हमले में दो पुलिसकर्मियों और एक महिला समेत कई लोगों की मौत हो गई थी। विस्फोट इतना शक्तिशाली था कि आसपास की दुकानें और वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए थे।इसके अलावा, फरवरी में भी खैबर पख्तूनख्वा में हुए एक आतंकी हमले में पांच पुलिसकर्मियों और दो नागरिकों की जान चली गई थी। लगातार बढ़ रहे हमलों ने क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

हैती में गैंगवार: 78 लोगों की मौत, 66 घायल

हजारों लोग घर छोड़कर चले गए

पोर्ट-ओ-प्रिंस(ए.)। हैती की राजधानी पोर्ट-ओ-प्रिंस एक बार फिर भीषण हिंसा और गैंगवार की चपेट में है। शहर के बाहरी इलाकों, विशेष रूप से सिटी सोलेय और क्रोआ-दे-बुके में पिछले कुछ दिनों से जारी खूनी संघर्ष ने भयावह रूप ले लिया है। इस तांडव में अब तक कम से कम 78 लोगों की जान जा चुकी है, जबकि 66 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हैं। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के अनुसार, मृतकों में 10 आम नागरिक भी शामिल हैं, जिनमें महिलाएं और एक छोटी बच्ची भी है। इन इलाकों में पिछले दो वर्षों से आपराधिक गिरोहों का वर्चस्व बढ़ता जा रहा है, जिससे सामान्य जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है। हालात इतने बेकाबू हो चुके हैं कि लोग अपनी जान बचाने के लिए सामूहिक पलायन कर रहे हैं। ताजा आंकड़ों के मुताबिक, हिंसा के डर से अब तक करीब 5300 लोग अपना घर-बार छोड़कर विस्थापित हो चुके हैं। राजधानी के कई हिस्सों में सन्नाटा पसरा है और विस्थापित लोग सुरक्षित ठिकानों की तलाश में दर-दर भटक रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने हैती में गहराते इस मानवीय संकट और बढ़ती असुरक्षा पर गहरी चिंता व्यक्त की है।

यूएई ने निकाला होर्मुज का तोड़, 2027 तक दोगुनी होगी फुजैराह पाइपलाइन की क्षमता

अबू धाबी,(ए) । ईरान युद्ध के चलते होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों का आवागमन बंद हो गया है। इससे कच्चे तेल का आयात-निर्यात प्रभावित हुआ है। अब संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने होर्मुज को बाइपास करने के लिए नई पाइपलाइन के काम में तेजी लाने का आदेश दिया है। यूएई सरकार के मीडिया कार्यालय ने बताया कि सरकार वह फुजैराह के रास्ते अपनी निर्यात क्षमता को दोगुना करने के लिए एक नई तेल पाइपलाइन के निर्माण में तेजी लाएगा।अबू धाबी के क्राउन प्रिंस शेख खालिद बिन मोहम्मद बिन जायद ने कार्यकारी समिति की बैठक के दौरान अबू धाबी नेशनल ऑयल कंपनी को पश्चिम-पूर्व पाइपलाइन परियोजना में तेजी लाने का निर्देश दिया। मीडिया कार्यालय ने बताया कि पाइपलाइन का निर्माण कार्य चल रहा है और इसके 2027 में चालू होने की उम्मीद है। इससे बढ़ते क्षेत्रीय तनाव के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य को बायपास करने की यूएई की क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

यूएई फिलहाल अबू धाबी क्रूड ऑयल पाइपलाइन का संचालन करता है, जिसे हबशान-फुजैराह पाइपलाइन के नाम से भी जाना जाता है। ये होर्मुज जलडमरूमध्य को दरकिनार करते हुए प्रतिदिन 1.8 मिलियन बैरल तक कच्चे तेल को सीधे ओमान की खाड़ी के तट तक पहुंचा सकती है। इसी पाइपलाइन की क्षमता को दोगुना करने के लिए काम चल रहा है। बता दें कि यूएई और सऊदी अरब खाड़ी के एकमात्र ऐसे देश हैं, जिनके पास पाइपलाइन हैं।

शी जिनपिंग ने ट्रंप से अमेरिका को गिरता हुआ राष्ट्र कहा? ट्रंप ने किया खुलासा

बीजिंग(ए) । चीन की 2 दिवसीय यात्रा पर पहुंचे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके समकक्ष शी जिनपिंग की कई मुद्दों पर द्विपक्षीय बातचीत हुई। राष्ट्रपति ट्रंप ने गुरुवार को सोशल मीडिया ट्रुथ पर दावा किया कि शी ने बातचीत के दौरान अमेरिका को गिरता हुआ राष्ट्र कहा था, जिसे ट्रंप ने पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन से जोड़ा है। हालांकि, ट्रंप ने यह नहीं बताया कि शी ने यह बात उनसे व्यक्तिगत तौर पर कही या किसी सार्वजनिक जगह पर।

ट्रंप ने ट्रुथ पर लिखा, राष्ट्रपति शी ने बहुत शालीनता से अमेरिका को शायद एक पतनशील राष्ट्र कहा, तो उनका इशारा उस भारी नुकसान की ओर था जो हमें सुस्त जो बाइडन और बाइडेन प्रशासन के 4 सालों के दौरान उठाना पड़ा और इस मामले में, वे 100 प्रतिशत सही थे। ट्रंप ने लिखा कि अमेरिका को बाइडन के समय खुली सीमाओं, बड़े टैक्स, ट्रांसजेंडर अधिकार, खेल धोखाधड़ी, व्यापारिक सौदे, अपराध समेत कई वजह से बेहिसाब नुकसान झेलना पड़ा है।

ट्रंप ने दावा किया कि शी का इशारा उस जबरदस्त तरक्की की ओर बिल्कुल नहीं था, जो अमेरिका ने उनके 16 महीनों के शानदार शासन में दुनिया को दिखाया है। ट्रंप ने लिखा, सच कहूं तो 2 साल पहले, हम वाकई एक पतनशील राष्ट्र थे। इस बात पर मैं शी से पूरा सहमत हूं! लेकिन अब, अमेरिका दुनिया में सबसे तेजी से उभरता और लोकप्रिय राष्ट्र है। उन्होंने लिखा कि शी ने उनको कामयाबियों के लिए बधाई भी दी है।

राष्ट्रपति शी ने सार्वजनिक तौर पर अमेरिका को गिरता हुआ राष्ट्र कहा, इस बात की अभी तक किसी मीडिया में पुष्टि नहीं हुई है। हालांकि, पहले दिन, बीजिंग में प्रारंभिक भाषण के दौरान जिनपिंग ने थ्यूसीडाइड्स ट्रैप में फंसने के प्रति आगाह जरूर किया था।

रिपोर्ट के मुताबिक, एथेंस-स्पार्टा युद्ध लिखने वाले प्राचीन यूनानी इतिहासकार थ्यूसीडाइड्स का यह राजनीतिक शब्द है, जिसे अमेरिकी विद्वान ग्राहम एलिसन ने लोकप्रिय बनाया और इसका इस्तेमाल अमेरिका-चीन संबंधों के वर्णन में होता है।

यह शब्द ऐसी स्थिति बताता है, जिसमें एक स्थापित देश (अमेरिका) एक उभरती शक्ति (चीन) के उदय से चिंतित होता है। इसलिए शी ने थ्यूसीडाइड्स-ट्रैप से उबरने की बात कहकर ट्रंप से चीनी उदय से डरने के बजाय साझेदार बनने की अपील कर रहे थे।

अमेरिका के न्यू मैक्सिको में मेडिकल विमान दुर्घटनाग्रस्त, 4 लोगों की मौत

न्यू मैक्सिको,(ए) ।अमेरिका के न्यू मैक्सिको राज्य में गुरुवार को एक मेडिकल विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में विमान में सवार सभी 4 लोगों की मौत हो गई। घटना के समय बीचक्राफ्ट किंग एयर 90 विमान रोसवेल एयर सेंटर से रवाना होकर रुइडोसो के पास सिएरा ब्लैंका क्षेत्रीय हवाई अड्डे की ओर जा रहा था, तभी लिंकन काउंटी में कैपिटन पर्वत श्रृंखला में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। लिंकन काउंटी के प्रबंधक ने बताया कि विमान में पायलट समेत 4 लोग सवार थे।

सूत्रों से पता चला कि विमान ने बुधवार रात को रोसवेल से उड़ान भरी और कुछ देर बाद अचानक दाईं ओर मोड़ लिया और फिर हवाई अड्डे की ओर वापस लौटते हुए 15 मिनट बाद रडार से गायब हो गया। जहां विमान गिरा, वहां दुर्घटना के कारण 5 एकड़ से कम क्षेत्र में आग लग गई। घटना की सूचना मिलने पर अमेरिकी वन सेवा ने आग को बुझाने का प्रयास किया। हालांकि, किसी को बचाया नहीं जा सका।

ट्रांस एयरो मेडईवैक का कहना है कि विमान एक चिकित्सा परिवहन मिशन पर था। संचार और रडार संपर्क टूटने के बाद देरी की सूचना मिली, जिसके कारण आपातकालीन प्रतिक्रिया शुरू हुई। दुर्घटना का कारण अज्ञात है और इसकी जांच चल रही है। राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड और संघीय विमानन प्रशासन से संपर्क किया जा चुका है। सिएरा ब्लैंका क्षेत्रीय हवाई अड्डे के पास 18 साल पहले 2007 में मेडिकल विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ था, जिसमें 5 जान गई थी।

आज मनाया जायेगा भगवान शनिदेव का जन्मोत्सव

शनिश्चरी अमावस्या व वट सावित्री पूजा का सयोंग

सीहोर (निप्र)। शनि मंदिरों में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। वर्कसाप रोड जनता कॉलोनी गल्ला मंडी स्थित शनि मंदिर,शेरपुर इंदौर भोपाल हाईवे और ढेकिया स्थित पहाड़ी सहित सीवन नदी मंहिला घाट पर स्थित भगवान शनिदेव के मंदिरों में शनिपूजन के कार्यक्रम होंगे।शनिदेव का जन्मोत्सव हवन पूजन, तेल अभिषेक कर मनाया जायेगा भगवान सूर्यदेव उनके पिता और छाया माता के वह पुत्र है भगवान शनिदेव का जन्म ज्येष्ठ मास कृष्णपक्ष अमावस्या को हुआ है। आज यह संयोग भरणी नक्षत्र में शनिश् भगवान शंकर से आशीर्वाद अनुसार शनिदेव तीनो लोको के प्राणियों के जीवन में उनके किये गये कर्मो के आधार पर फल प्रदान करते है।

पंडित सुनील शर्मा के अनुसार वर्तमान में कुंभ, मीन और मेष राशि पर शनिदेव की साढ़ेसाती चल रही है। मेष

राशि पर प्रथम चरण, मीन राशि पर द्वितीय चरण और कुंभ राशि पर अंतिम चरण का प्रभाव है , जबकि सिंह और धनु राशि पर शनि ढैय्या का प्रभाव है। श्रद्धालुओं को भगवान शनिदेव जन्मोत्सव पर आज शिवशक्ति, हनुमानजी और शनिदेव की विशेष पूजा अर्चना लाभप्रद है। भगवान शनि मंत्र जाप, हवन पूजन,छायादान करना चाहिये और सरसों तेल, तिलतेल से अभिषेक कर कालीउड़द, कालेतिल,काला कपड़ा, इमरती, नीले फूल भेंट करना चाहिये। गरीब जरूरतमंदो को अन्न, वस्त्र, छाता, देना चाहिये। पीपल व शमी वृक्ष के पास दीपक लगाना चाहिये। पंडित सुनील शर्मा के अनुसार आज रुद्राभिषेक, हनुमान चालीसा, शनि चालीसा, दशरथ कृत शनि स्तोत्र का पाठ करना चाहिये। शनि जन्मोत्सव पर शनिश्चरी अमावस्या व वट सावित्री पूजा का विशेष संयोग भी रहेगा। इस दिन महिलायें अखंड सौभाग्य के लिए वट सावित्री पूजा करेंगी ।

आज शनि जन्मोत्सव पर किया जाएगा भंडारे का आयोजन

सीहोर (निप्र)। हर साल की तरह इस साल भी शहर के सिद्धपीठ स्थित श्री नृसिंह लक्ष्मी मंदिर परिसर में स्थित शनि महाराज शनि जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में शनिवार को धार्मिक आयोजन और भंडारे का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम के तहत सुबह 8 बजे भगवान शनिदेव का अभिषेक, सुबह 11 बजे हवन, शाम 6 बजे बजे महाप्रसादी भंडारे का आयोजन किया जाएगा। इस संबंध में मंदिर के संत माधवदास महाराज ने श्रद्धालुओं से अधिक संख्या में पहुंचकर धर्म लाभ लेने और आयोजन को सफल बनाने की अपील की है। आयोजन में शनि जयंती के महत्व और शनिदेव की पूजा-अर्चना के धार्मिक लाभों पर भी प्रकाश डाला जाएगा।संस्कार मंच के प्रभारी मनोज दीक्षित मामा ने बताया कि ज्येष्ठ माह की अमावस्या तिथि को न्याय के देवता भगवान शनि देव के जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है। साल 2026 में यह शनिवार को पड़ रही है।

संगठन सृजन अभियान के तहत जिला कांग्रेस कार्यालय में हुई महिला कांग्रेस की बैठक आयोजित

महिला कांग्रेस अध्यक्ष के लिये की गई रायसुमारी

सीहोर (निप्र)। सीहोर जिला महिला कांग्रेस प्रभारी संगठन सर्जन अभियान के तहत शुक्रवार को जिला कांग्रेस कार्यालय सीहोर में महिला कांग्रेस की महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न हुई। जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष राजीव गुजराती ने बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में सीहोर महिला प्रभारी सबा कुरैशी, सहप्रभारी पार्वती मौर्य उपस्थित रहीं। बैठक में म.प्रदेश कांग्रेस कमेटी निर्देशानुसार संगठन सर्जन अभियान के तहत संगठनात्मक विषयों पर चर्चा की गई एवं महिला जिला अध्यक्ष पद हेतु सभी आवेदकों से वन-टू-वन चर्चा कर सभी के बायोडाटा लिये गये। सभी के बायोडाटा एवं आवेदन पत्र प्रदेश कार्यकारिणी को सौपें जायेगें। इस अवसर पर महिला कांग्रेस अध्यक्ष गुलाब बाई ठाकुर, श्रीमती ममता कीर, श्रीमती दीप्ति कीर, श्रीमती ममता शर्मा, विवेक राठौर, घनश्याम यादव, गजराज परमार, संतोष मालवीय, हरिओम सिसोदिया, मनीष मेवाड़ा, तनिष्क त्यागी आदि उपस्थित रहे।

ऋण राशि न चुकाने पर डिफॉल्टर को न्यायालय ने भेजा जेल

सीहोर (निप्र)। जिला न्यायालय सीहोर ने ऋण अदायगी में चूक करने और अदालती आदेशों की अवहेलना करने के मामले में कड़ा रुख अपनाते हुए एक डिफॉल्टर को सिविल जेल भेजने के आदेश जारी किए हैं। द्वितीय जिला न्यायाधीश महेश कुमार वर्मा की अदालत ने अहमदपुर निवासी मुकेश साहू को अवार्ड राशि का भुगतान न करने पर जेल वारंट तामील कर हिरासत में भेजा है। जानकारी के अनुसार, मैसर्स वेरिटास फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड (चेन्नई) द्वारा मुकेश साहू और अन्य के विरुद्ध निष्पादन प्रकरण वर्ष 2023 से न्यायालय में विचाराधीन था। कंपनी ने यह मामला बकाया ऋण राशि की वसूली हेतु प्रस्तुत किया था। बताया गया कि प्रकरण माननीय उच्च न्यायालय की सूचीबद्ध सूची में शामिल होने के बावजूद, ऋणी पक्ष लगातार अदालती कार्यवाही से बच रहा था। सुनवाई के दौरान न्यायालय ने पाया कि प्रकरण में पूर्व में कई बार सूचना पत्र, कुर्की वारंट और गिरफ्तारी वारंट जारी किए गए, लेकिन ऋणी न तो उपस्थित हुआ और न ही राशि का भुगतान किया। आदेशिका वाहक एकनाथ कांबले ने मुकेश साहू को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। हालांकि ऋणी ने राशि जमा करने हेतु समय की मांग की, लेकिन कंपनी के अधिवक्ता ने विरोध करते हुए बताया कि प्रकरण पहले ही करीब 3 वर्ष पुराना है और प्रतिवादी जानबूझकर देरी कर रहा है।

दादा गुरु ने कहा नर्मदा मां स्वच्छ रहे यही संकल्प

सीहोर (निप्र)। जिला मुख्यालय से करीब 15 किलोमीटर से अधिक दूरी पर ग्राम बरखेड़ा-सागौनी में करीब दो एकड़ से अधिक बने भानु प्रभा आश्रम में पहुंचे नर्मदा परिक्रमा कर रहे अवधूत सिद्ध महायोगी दादा गुरु ने यहां पर सभा के दौरान कहाकि मां नर्मदा स्वच्छ रहे यहीं हमारा संकल्प है। इस मौके पर धर्म सभा को संबोधित करते हुए 108 संत पंडित दुर्गाप्रसाद कटारे ने कहाकि मां नर्मदा की महिला निराली है। मां नर्मदा ऋषि, मुनियों की तपस्या स्थली है। मां नर्मदा में सभी तीर्थों का फल है। यह नर्मदा का तेजोबल है कि यहां पर तप, जप करने से सिद्धि की प्राप्ति होती है। साकार और निराकार के बीच मां नर्मदा निराकार अवतार हैं। उन्होंने कहाकि पिछले कई वर्षों से मात्र नर्मदा जल पर आश्रित गुरुदेव का निराहार महाव्रत एक रहस्य बनता जा रहा है। देश दुनिया के वे एकमात्र ऐसे संत हैं जिन्होंने प्रकृति, धरा, धेनु, जीवनदायिनी पवित्र नदियों के साथ मां नर्मदा पर ही अपना सब कुछ केंद्रित कर दिया है। नर्मदा मिशन के माध्यम से मां नर्मदा की स्वच्छता पवित्रता को अक्षुण्ण बनाए रखने और नर्मदा के तटीय इलाकों में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण के लिए लगातार चार वर्षों से निराहार महाव्रत साधना कर रहे हैं।

2004 में देखा गया सपना जो सच हुआ

बाल बिहार मैदान का नाम अब दादा भाई शिवलाल सिंह चौहान के नाम से जाना जाएगा

दादा दादाभाई शिवलाल चौहान मैदान पर फिर से लहराएगी सीहोर की पहचान हॉकी

सीहोर (निप्र)। दिन शुक्रवार को खेल संघ एवं सभी खेलो के खिलाड़ी नगर पालिका परिषद सीहोर पर पहुंचे जहां उन्होंने नगर पालिका अध्यक्ष प्रिंस राठौर को आवेदन सौंपा और उन्होंने तुंरत ही आश्वासन दिया और नगर पालिका परिषद की बैठक में उसे पारित करने का आदेश दिया।

राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी और खेल प्रमोटर प्रदीप चावड़ा ने बताया कि दादा भाई शिवलाल सिंह चौहान ने अपने जीवन काल में 70 सालों तक राष्ट्रीय खेल हॉकी की निस्वार्थ सेवा की थी अपने प्रशिक्षण के दौरान कई खिलाड़ियों को राज्य स्तरीय एवं राष्ट्रीय स्तर पर खेलने का अवसर दिलाया वर्तमान में इनके द्वारा प्रशिक्षित सैकड़ों खिलाड़ी खेल एवं अन्य विभागों में पदस्थ हैं।

चावड़ा ने बताया कि दादा भाई 2 बजे अपनी टूटी सी साइकल लेकर मैदान पर पहुंच जाया करते थे अनेकों हॉकी कैरियल में दबाकर ।

साथ में एक पॉलीथिन में खिलाड़ियों की डाइट का सामान हुआ करता था जो उनकी स्वयं की पेंशन के पैसे से खरीदते थे। ऐसी निस्वार्थ भावना कुछ विरले लोगों में ही होती है उनमें से दादा भाई एक थे। यह भी बताया कि 2004 में उनसे वादा किया था कि इस ग्राउंड का नाम दादा भाई शिवलाल सिंह चौहान के नाम पर होगा और दिन शुक्रवार को वह दिन भी आ गया जब उनके नाम की भी घोषणा हो गई अब उनके नाम का बड़ा सा बोर्ड भी होगा और सीहोर की पहचान हॉकी फिर से मैदान पर लहराएगी ।

खेल प्रमोटर प्रदीप चावड़ा ने बताया की 2023 में दादा भाई को मरणोपरांत मेजर ध्यानचंद लाइफ टाइम अवार्ड से नवाजा गया और यह अवार्ड दादा भाई के पोते यशराज चौहान भतीजे विनेश चौहान भांजे हॉकी खिलाड़ी संदीप चंदेले ने ग्रहण किया।

इस अवसर नगर पालिका परिषद में प्रदीप चावड़ा, मनोज कन्नौजिया मुकेश राय जगदीश वर्मा सोनू विश्वकर्मा राजकुमार संदीप चंदेले कुलदीप तोमर जतिन पारोचे लक्ष्मण जी भैरवे धर्मेंद्र नरवरे अनिल चौहान विनेश चौहान वैभव राठौर यशराज चौहान भविष्य मालवीय कैलाश चव्हाण प्रकाश यादव अशोक चौहान अंश राज चौहान राजकुमार सूर्यवंशी सहित कई खिलाड़ी उपस्थित थे सभी ने इस निर्णय हर्ष जताया।

कुबेरेश्वरधाम पर पहुंचे श्रद्धालुओं ने शिव चतुर्दशी की विशेष पूजा अर्चना की

सीहोर (निप्र)। भगवान शिव विश्वास के स्वरूप हैं। व्यक्ति जब तक किसी भी कार्य में विश्वास नहीं करता तब तक वह कार्य पूरा नहीं होता। उसे शिव समान विश्वास की जरूरत होती है। शिव पर विश्वास रखने वाला कभी पीछे नहीं रहता। कुबेरेश्वरधाम के कंकर-कंकर में शंकर है, इसी विश्वास के साथ यहां पर श्रद्धालुगण आते है और उनका विश्वास और उनकी मनोकामनाएं बाबा पूरी करता है। उक्त विचार जिला मुख्यालय के समीपस्थ प्रसिद्ध कुबेरेश्वरधाम पर शुक्रवार को अंतर्राष्ट्रीय कथा वाचक पंडित प्रदीप मिश्रा ने यहां पर शाम को बाबा की आरती के दौरान कहे। इस मौके पर शुक्रवार की सुबह से हजारों की संख्या में आने वाले श्रद्धालुओं ने शिव चतुर्दशी के पावन अवसर पर भजन-कीर्तन किए और यहां पर मुरली मनोहर मंदिर में भगवान शिव-पार्वती, राम-सीता और भगवान कृष्ण और राधा के दर्शन किए।कुबेरेश्वधाम पर मुरली मनोहर मंदिर में शाम को संध्या आरती का आयोजन के अलावा बाबा की आरती की गई थी। इस मौके पर हजारों की संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। यहां पर विठलेश सेवा समिति के द्वारा आने वाले श्रद्धालुओं को निशुल्क रूप से रुद्राक्ष और भोजन प्रसादी की व्यवस्था पंडित विनय मिश्रा और पंडित समीर शुक्ला आदि ने की।

देश के इतिहास में मां सीवन परिक्रमा मील का पत्थर होंगी साबित

17 मई को होगा को सीहोर से निकलेंगे सीवन पुत्र एवं सीवन पुत्री 18 किलोमीटर की परिक्रमा पर

सीहोर (निप्र)। सीवन पुत्र एवं सीवन पुत्री अभियान के तहत एक और कड़ी जुड़ने जा रही है जो देश में इतिहास में मील का पत्थर साबित होंगी,17 मई को सीहोर की पावन धरा से मां सीवन परिक्रमा शुरू होगी जो विभिन्न जगहों एवं गांवों से गुजरेगी जहां से सीवन बहती है उन स्थानों से सीवन पुत्र एवं पुत्री परिक्रमा के लिए गुजरेंगे, चूंकि सीहोर एक बहुत बड़ा आस्था का केंद्र स्थापित हो चुका है और यहां बहने वाली सीवन की ख्याति पूरे विश्व में स्थापित हो चुकी है,देश के एवं विदेश के श्रद्धालु बड़ी आस्था के साथ इस पावन एवं सलील मां सीवन के दर्शन करते है साथ ही जल का आचमन, नहाते है,जल को भगवान को अर्पित करते है,और इसी जल को शुद्धिकरण करने हेतु अपने साथ ले जाते है।

विगत 2019 से सीवन उद्धार हेतु सीवन पुत्र एवं पुत्री की टीम सीवन हेतु संघर्षरत है,इसके जल को शुद्धिकरण हेतु प्रतिबद्ध है,साथ ही इसके पूर्ण स्वरूप एवं उद्धार हेतु,2026 में लगभग 2 माह से जोरदार तरह से सिवान उद्धार का काम चल रहा है,साथ लगातार मां सीवन के प्रति जागरूकता हेतु सीवन कार्यक्रम हो रहे है,सीवन पुत्र प्रदीप चावड़ा ने बताया है कि 5 हजार सीवन पुत्र एवं पुत्री बनाने के लक्ष्य लिया जिसमें से करीब 32 सौ बन चुके है इसी के साथ देश में मुख्य नदियों के नाम से भी पुत्र एवं पुत्री बन रहे है,चावड़ा ने आगे बताया कि ये अभियान देश की नदियों को मूल स्वरूप में लाने हेतु मील का पत्थर साबित होगा। सीवन परिक्रमा की जोरदार तैयारी चल रही है,सोशल मीडिया पर खूब चर्चा हो रही है सीवन पुत्र सभी प्रभावशाली व्यक्तियों से आह्वान करा रहे हैं ताकि इस यात्रा से ज्यादा से ज्यादा लोग जुड़े।

सीहोर की बेटियों से बोले बैंक ऑफ अमेरिका के वीपी आनंद भाटिया- विदेशों में बजा भारत का डंका, अब अंग्रेज भी निभा रहे रामलीला में पात्र’

सीहोर (निप्र)। जिला मुख्यालय पर शुक्रवार को अंतरर्राष्ट्रीय बैंकिंग जगत की प्रतिष्ठित शख्सियत और बैंक ऑफ अमेरिका के वाइस प्रेसिडेंट आनंद भाटिया का आगमन हुआ। बस स्टैंड स्थित पीसी लैब में आयोजित एक गरिमामय कार्यक्रम के दौरान उन्होंने जिले की मेधावी छात्राओं और गणमान्य नागरिकों से संवाद किया। कार्यक्रम में उनके साथ उनकी धर्मपत्नी रेखा भाटिया भी विशेष रूप से उपस्थित रहीं। शहर पहुँचने पर क्षेत्रीय विधायक सुदेश राय ने भाटिया दंपति का पुष्पगुच्छ भेंट कर आत्मीय स्वागत किया और उन्हें जिले की शैक्षणिक व सांस्कृतिक गतिविधियों से अवगत कराया।

26 सालों में बदला भारत के प्रति नजरिया

छात्राओं को संबोधित करते हुए आनंद भाटिया ने अपने विदेशी अनुभवों को साझा किया। उन्होंने बताया कि जब वे 26 साल पहले अमेरिका पहुंचे थे, तब स्थितियां आज जैसी नहीं थीं। उस दौर में वहां के लोग भारतीय भाषाओं, खान-पान और हमारी परंपराओं को हेय दृष्टि से देखते थे और अक्सर चिढ़ते थे।श्री भाटिया ने गर्व के साथ बताया, सुधा ओम ढींगरा और हमने मिलकर इस धारणा को बदलने के लिए निरंतर प्रयास किए। आज परिणाम हमारे सामने है। अब अमेरिका की करीब 40 यूनिवर्सिटी में हिंदी विभाग संचालित हो रहे हैं। इतना ही नहीं, वहां नवरात्र के दौरान होने वाली रामलीला में अब अंग्रेज भी उत्साहपूर्वक भाग लेते हैं और पात्र निभाते हैं।

यह हमारी संस्कृति की वैश्विक जीत है। भारत में ढींगरा फैमिली फाउंडेशन के प्रतिनिधि और वरिष्ठ साहित्यकार पंकज सुबीर ने सीहोर में संचालित निशुल्क शिक्षा कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने एक भावुक पक्ष रखते हुए बताया कि प्रतिवर्ष फाउंडेशन के पास निशुल्क शिक्षा के लिए लगभग 3500 बालिकाओं के आवेदन आते हैं। संसाधनों की उपलब्धता के आधार पर वर्तमान में केवल 400 छात्राओं का ही चयन हो पाता है, जबकि शेष बालिकाएं मायूस होकर लौट जाती हैं।

राज्य प्रशासनिक पुनर्गठन आयोग के सदस्य ने आष्टा में ली अधिकारियों की बैठक

बैठक में प्रशासनिक कार्यप्रणाली को सरल, सुगम और पारदर्शी बनाने के लिए दिए गए सुझाव

सीहोर (निप्र)। राज्य प्रशासनिक पुनर्गठन आयोग के सदस्य अक्षय सिंह द्वारा आष्टा में विभिन्न विभागों के अधिकारियों-कर्मचारियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में उन्होंने विभागों की कार्यप्रणाली, प्रशासनिक व्यवस्थाओं एवं जनहित से जुड़े विषयों पर विस्तार से चर्चा की और आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में अधिकारियों द्वारा शासन की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और आमजन के लिए प्रशासनिक कार्यप्रणाली एवं व्यवस्थाओं को सरल, पारदर्शी और जनोन्मुख बनाने के संबंध में चर्चा की गई तथा आवश्यक सुझाव भी दिए गए।

डेंगू की रोकथाम के लिए सरपंच और पंचायत सचिवों की बैठक आयोजित

सीहोर (निप्र)। स्वास्थ्य विभाग द्वारा 16 मई को मनाए जाने वाले राष्ट्रीय डेंगू दिवस के अंतर्गत वेक्टर जनित बीमारियों की रोकथाम एवं नियंत्रण की पूर्व तैयारी के लिए बुधनी में सरपंच एवं पंचायत सचिवों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला मलेरिया अधिकारी श्रीमती क्षमा बर्वे ने कहा कि वर्षा ऋतु से पहले गांवों में साफ-सफाई, जलभराव की रोकथाम, अनुपयोगी पात्रों को हटाने, कूलर एवं पानी की टंकियों की नियमित सफाई तथा मच्छरों के प्रजनन स्थलों को समाप्त करने के इंतजाम करना आवश्यक है। इसके साथ ही सभी सरपंच और सचिवों को डेंगू से बचाव के लिए गांवों के नागरिकों को जागरूक करने के लिए प्रेरित किया गया। बैठक में बीएमओ डॉ धनजीत बड़ोदिया सहित सरपंच और पंचायतों के सचिव उपस्थित थे।

एक कदम सुपोषण की ओर अभियान के अंतर्गत वितरित की गईं पोषण टोकरियां

सीहोर (निप्र)। महिला बाल विकास विभाग और स्वास्थ्य विभाग द्वारा एक कदम सुपोषण की ओर अभियान के अंतर्गत बुधनी सिविल अस्पताल एवं रेहटी के सीएचसी में पोषण टोकरी वितरण कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम कुपोषित बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार और पोषण स्तर बेहतर करने के लिए पोषण टोकरियां वितरित की गईं। इस दौरान बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण भी किया गया।

भड़काऊ बयानबाजी करने वालों के विरुद्ध करो कठोर कार्रवाही प्रधानमंत्री मुख्यमंत्री को गाली देने वाले को करो गिरफ्तार

अंतराष्ट्रीय विश्व हिन्दु परिषद राष्ट्रीय बजरंग दल के कार्यकर्ताओं दिया मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन

सीहोर (निप्र)। राजधानी में सामाजिक सौहार्द को बिगाडने् और प्रधानमंत्री मुख्यमंत्री सहित राष्ट्रवादी संगठनों के विरूध भड़काऊ आपत्तिजनक बयानबाजी करने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाही करने की मांग की गई है। अंतराष्ट्रीय विश्व हिन्दु परिषद राष्ट्रीय बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को जिलाधीश कार्यालय पहुंचकर जिलाध्यक्ष मनीष मेवाड़ा के नेतृत्व डिप्टी कलेक्टर अरविंद परमार को मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नाम का ज्ञापन दिया है।जिलाध्यक्ष मेवाड़ा ने कहा कि भोपाल में तथाकथित लव जिहादी को बजरंग दल के कार्यकर्ताओ द्वारा हिन्दू युवती के साथ होटल से

पकड़ा कर पुलिस के हवाले कर दिया गया था। लव जिहादी आरोपी के बचाव में एआईएमआई प्रदेश अध्यक्ष मोहसिन अली खान ने प्रधानमंत्री मुख्यमंत्री के विरूध मुदाबार्द के नारें लगाए और बजरंग दल आरएसएस जैसे संगठनों पर गलत टिप्पणी की। जिसकी बीडियो सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से वायरल हो रही है। जिस कारण सामाजिक सौहार्द एवं भाईचारे को गंभीर क्षति पहुंचने की आशंका उत्पन्न हो गई है। स्वार्थ एवं राजनीतिक लाभ के लिए आम जनता को बहाका कर प्रदेश और शहर का शांतिपूर्ण वातावरण बिगाड़ने एवं कानून व्यवस्या को प्रभावित करने का प्रयास किया जा रहा है। दोषियों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता एवं अन्य प्रासंगिक धाराओं के अंतर्गत कठोर कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए।प्रदर्शन में अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद राष्ट्रीय बजरंग दल के प्रांत सचिव प्रकाश परमार, जिला उपाध्याय हिरदेश नवीन राठौर, व्यापार परिषद जिला अध्यक्ष राजेश मेवाड़ा, जिला महामंत्री मदन राजपूत, रामकृष्ण शर्मा, अरुण राठौर, रामभरोस जाट, नवीन राठौर, नानू मालवीय, अजय राठौर, राहुल राठौर, दिनेश नायक,, प्रकाश,. अजय सिंह, नारायण मेवाड़ा, शशिकांत वर्मा, संस्कार राठौर, विनय पालीवाल, नरेश तिवारी बड़ी सांख्य में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस तलैया,भोपाल एवं श्री बालाजी प्रिटंर्स, प्लाट नं.21,सेक्टर-एच,इंडस्ट्रियल एरिया,गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा 09 वैशाली नगर ग्राम शेरपुर शंकर मंदिर के पास सीहोर म.प्र. से प्रकाशित।
ब्यूरो प्रमुख -भावना सक्सेना। स्थानीय प्रतिनिधि-मनोज दीक्षित, सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो.9425025999 ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com